हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शुक्रवार ● 09.08.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 21 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपया~~ 2 रुपया

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

मुख्य आकर्षण

- रीझ रंग शोभा यात्रा
- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- झारखण्ड की चित्रकला शैलियां
- आदिवासी पुस्तक मेला
- आदिवासी कवि सम्मेलन
- वृत्तचित्र स्क्रीनिंग
- कला-शिल्प प्रदर्शनी
- परिधान फैशन शो
- खान-पान
- लेजर शो

उद्घाटन समारोह

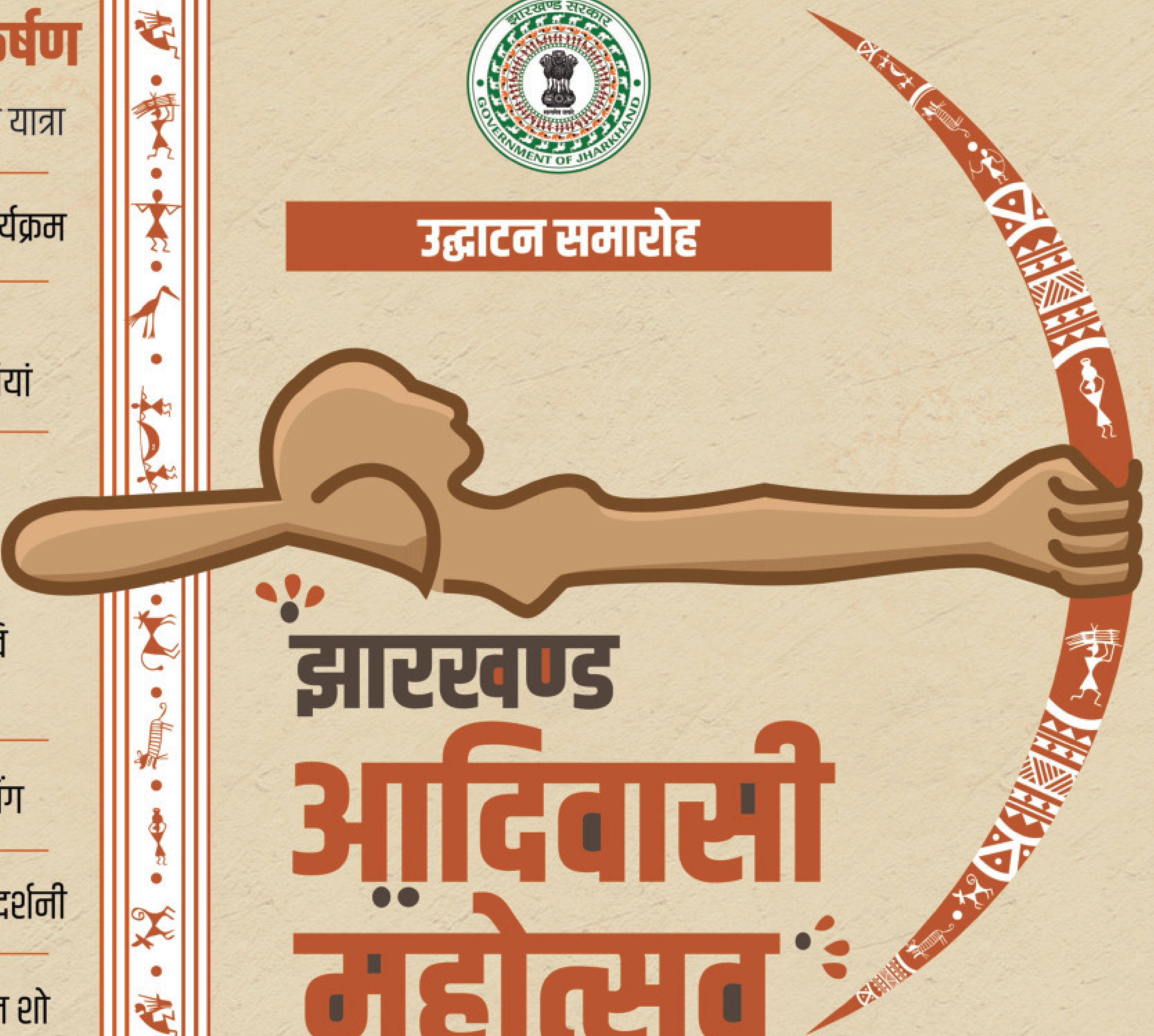

झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2024

मुख्य अतिथि

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री शिबू सोरेन
माननीय अध्यक्ष, राज्य समन्वय समिति
सह सांसद, राज्यसभा

अध्यक्षता

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

तथा

माननीय मंत्रीगण, माननीय सांसदगण,
माननीय विधायकगण एवं अन्य गणमान्य अतिथियों
की गरिमामयी उपस्थिति में

शुक्रवार 9 अगस्त, 2024 | अपराह्न 12:00 बजे से

बिरसा मुण्डा स्मृति उद्यान, जेल चौक,
रांची में आयोजित है

समारोह में आपकी
उपस्थिति सादर प्रार्थित है

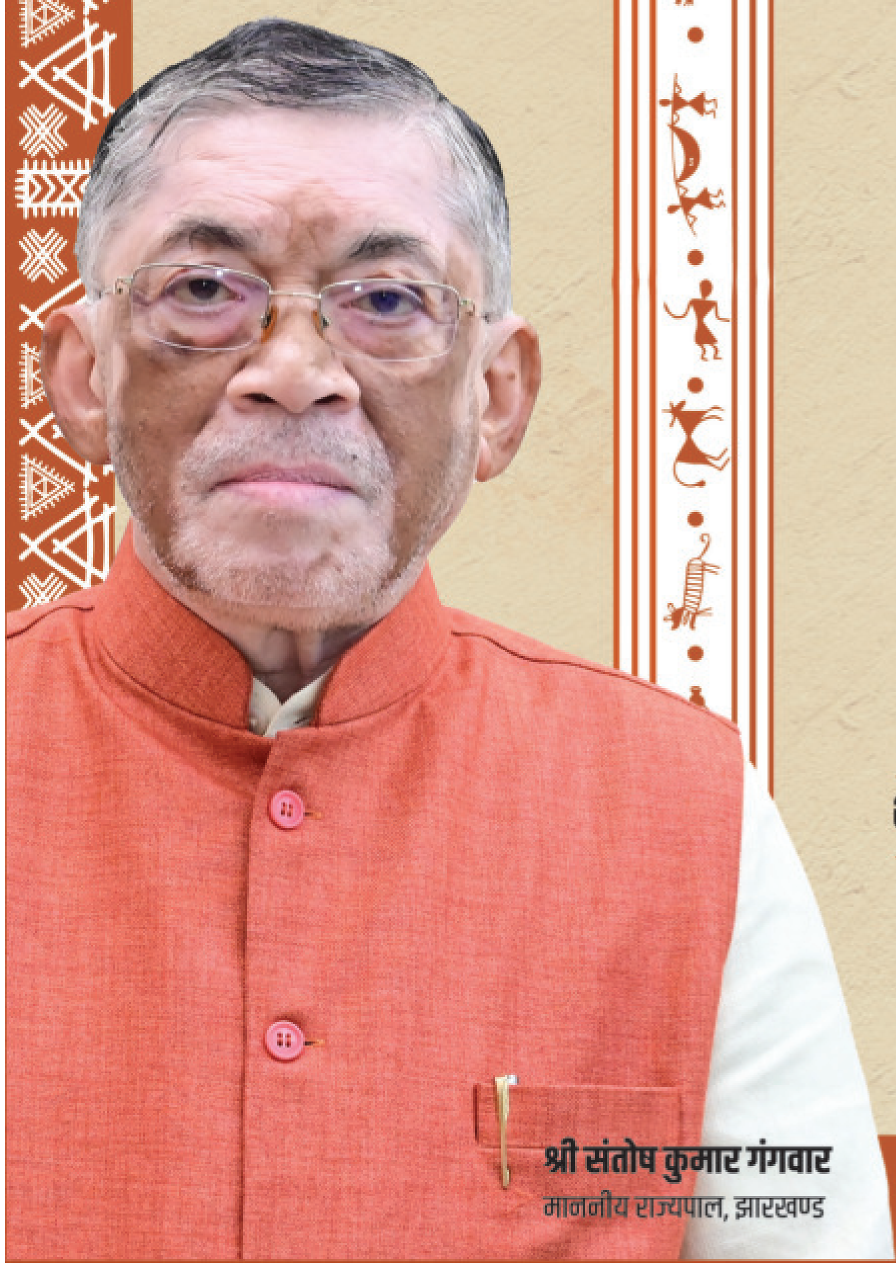

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

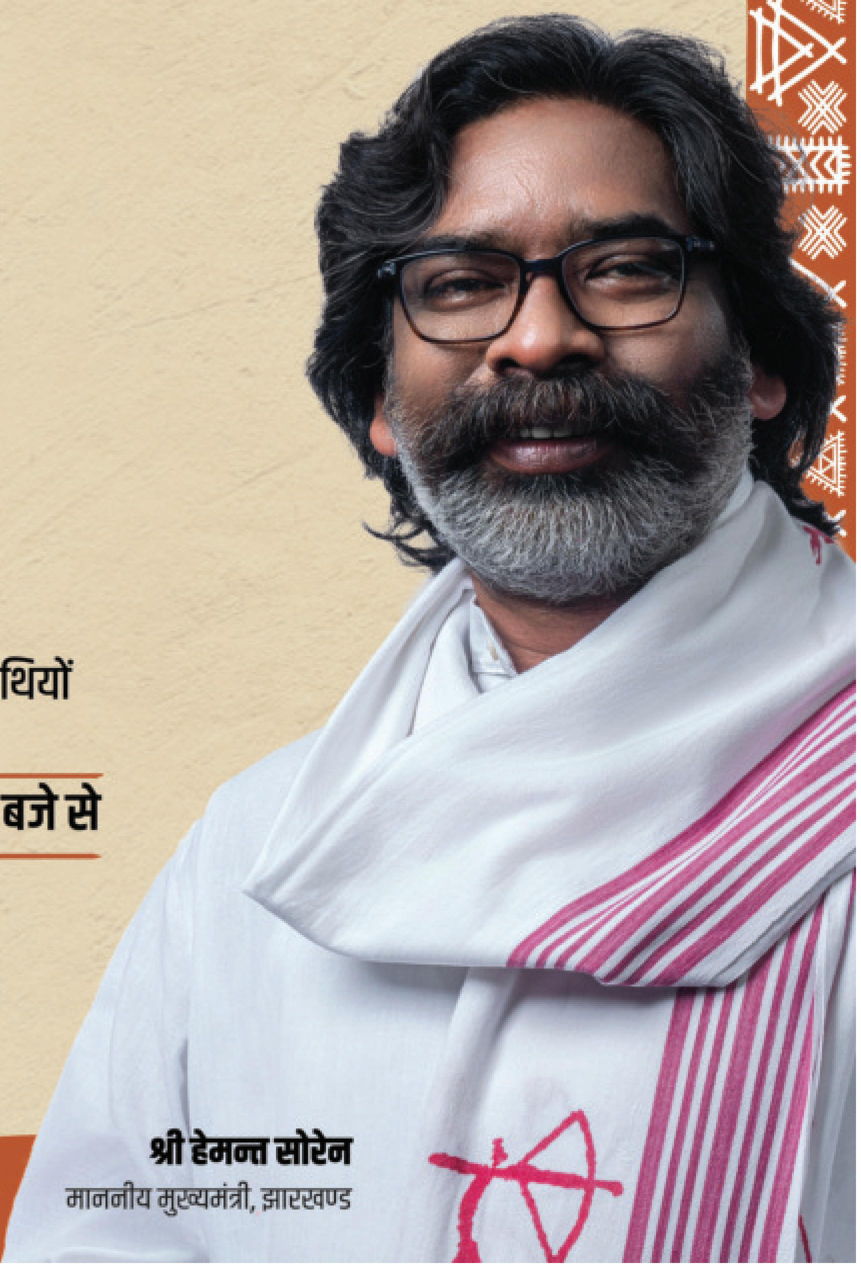

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR- 332291 (IPRD) 24-25

एक नजर

माउंट एग्मोंट स्कूल में लगाया मुफ्त दंत चिकित्सा शिविर

हजारीबाग : हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल ने कैनरी हिल रोड अवस्थित माउंट एग्मोंट स्कूल में दिन गुरुवार को बाल चिकित्सा और निवारक दंत चिकित्सा विभाग द्वारा मुफ्त दंत चिकित्सा शिविर और एक स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्वाति सिंह ने किया। डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास, प्राचार्य डॉ. के. श्रीकृष्ण तथा उप प्राचार्य डॉ. अंकुर भार्गव के मार्गदर्शन में लगाया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. युवराज सिंह ने किया। जिसमें 750 छात्रों की जांच की गई। उन्हें मौखिक स्वास्थ्य के बारे में सलाह दी गई तथा शिक्षित किया गया। इस दौरान माउंट एग्मोंट स्कूल के प्राचार्य शिव प्रकाश दुबे, प्रशासनिक अधिकारी पंकज कुमार रंजन, निदेशक सी.के. सिंह, ट्रस्टी मंजू सिंह एवं देव प्रताप सिंह ने डेंटल कॉलेज के डेंटल टीम का स्वागत व अभिनंदन किया तथा शिविर में छात्रों को दांतों का बेहतर उपचार व सलाह देने के लिए आभार प्रकट किया। मौके पर स्नातकोत्तर छात्र डॉ. सौम्या साल्वी, डॉ. अमित प्रकाश और डॉ. अनय शैलानी ओरॉंव, प्रशिक्षु डॉ. मोबिंजिता, डॉ. खुशबू, डॉ. अमनदीप, डॉ. श्रेया, डॉ. रश्मि, सहायक कर्मचारी फुलकेरिया पूर्ति एवं अभिषेक कुमार ने अपना सरहानीय योगदान दिया।

मां विंध्यवासिनी कॉलेज में चैम्पियनों को किया गया सम्मानित

हजारीबाग : हजारीबाग पदमा एन एच 33 पर स्थित मां विंध्यवासिनी कॉलेज ऑफ एजुकेशन शिक्षा से लेकर कई बड़े-बड़े कार्यक्रम एवं योग से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचता रहा है। इसी कड़ी में हजारीबाग योग संघ द्वारा वनडे योग कैंप के तहत प्रो. अविनाश कुमार के नेतृत्व में पद्मा प्रखंड स्थित मां विंध्यवासिनी कॉलेज एजुकेशन की प्रशिक्षुओं प्रियांशु, कामेश्वर, मोहित, सोनू, अमित, आशीष, अनीता, संध्या, अनीता, गिरेंद्र, महेंद्र एवं राकेशभागीदारी एवं शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पुरस्कार अर्जित किए। भाग लेने वाले प्रशिक्षुओं में 21 से 25 वर्ष आयु समूह के स्थान पर कामेश्वर कुमार, द्वितीय स्थान पर मोहित गिरी तथा तृतीय स्थान पर सोनू मेहता रहे। जबकि अपनी आयु वर्ग में प्रियांशु, संध्या, अमित तथा आशीष चौथे स्थान पर रहे। प्रथम द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को आगामी 25 एवं 26 अगस्त के जमशेदपुर के प्रांत तस्तरीय प्रतियोगिता में का अवसर मिलेगा। प्रो. अविनाश कुमार तथा प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र, टी-शर्ट, मेडल एवं डायरी देकर पुरुस्कत किया गया।

उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हजारीबाग : सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार, के स्थानीय कार्यालय एम.एस.एम.ई.-विकास कार्यालय, रांची द्वारा आज 8 अगस्त को आनंदा कॉलेज, हजारीबाग के सभागार में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हजारीबाग जिले के स्थानीय उद्यमियों तथा भावी उद्यमियों को भारत सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देना था। कार्यक्रम में 70 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया एवं जानकारी प्राप्त किया। ज्योत्सना गुड़िया, सहायक निदेशक, एम.एस.एम.ई.-विकास कार्यालय, रांची ने कार्यक्रम में स्वागत संबोधन एवं मंच संचालन किया। कार्यक्रम में मौजूद अतिथि राकेश आजाद, एलडीएम, बैंक ऑफ इंडिया, हजारीबाग, श्याम कुमार गुप्ता, प्रेरणा शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट आदि द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया।

झारखंड में पुरानी पेंशन योजना लागू किये जाने का कॉलेज शिक्षकों ने किया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में 7 जुलाई को आयोजित झारखंड सरकार की कैबिनेट की बैठक में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षकेत्तरों एवं पदाधिकारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने का निर्णय पारित किया। दिनांक 8 अगस्त 2024 को विनोबा भावे विश्वविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले अंगीभूत महाविद्यालय के शिक्षकों ने झारखंड सरकार के इस निर्णय का पुरजोर स्वागत किया। विश्वविद्यालय मुख्यालय में एवं अलग-अलग महाविद्यालय में शिक्षक एकत्र होकर एक स्वर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को धन्यवाद दिए। हर जगह

पर मिठाइयां बांटी गई। ज्ञात हो की शिक्षक लंबे समय से नई पेंशन योजना का विरोध कर रहे थे। इस संबंध में शिक्षकों ने सरकार से कई बार पत्राचार किया था तथा सरकार के आला अधिकारियों से मिलकर भी अपनी बात को रखा था। हाल ही में तीन से पांच अगस्त को शिक्षकों ने काला बिल्ला लगाकर विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में पदोन्नति तथा पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की मांग को लेकर आंदोलन किए थे। 6 अगस्त को विश्वविद्यालय मुख्यालय में दिन भर का धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। 2004 में तत्कालीन अटल बिहारी वाजपेई की सरकार ने नई पेंशन योजना को घोषित किया था। इस नई पेंशन योजना के प्रावधान भी स्पष्ट नहीं थे। इससे स्थिति यह बन गई थी कि 2004 के बाद नियुक्त सरकारी सेवा एक प्रकार से पेंशन विहीन हो गया था। सभी स्तर पर इसका विरोध किया जा रहा था। हेमंत सोरेन ने 2019 के चुनाव से पूर्व सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने का आश्वासन दिया था। 2024 का चुनाव के लिए अब कुछ ही महीने रह गए थे। इससे सरकारी सेवकों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर साथी भी सरकार की मंशा पर सवाल उठा रहे थे। 7 अगस्त के कैबिनेट मीटिंग में लिए गए प्रस्ताव ने सारी आशंकाओं को समाप्त करते हुए 2004 के बाद नियुक्त सभी सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का लाभ देना सुनिश्चित किया है। निर्णय का जोर-शोर से स्वागत किया जा रहा है एवं हेमंत सोरेन के सरकार पर विश्वास और आस्था व्यक्त किया जा रहा है।

अंबा प्रसाद ने महिलाओं संग की धान की रोपाई कहा- किसानों के बीच रहने का सुख कहीं और नहीं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद ने बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के कांडतरी पंचायत के ग्राम महुदी में धान रोपाई की। ट्रांसफार्मर उद्घाटन करने के बाद विधायक अंबा प्रसाद ग्राम महूदी पहुंची थी। वहां से लौटते समय उनकी नजर अचानक खेतों में धान की रोपाई करती महिलाओं पर पड़ी। इसके बाद विधायक ने माथे पर टोकरी लेकर किसान व महिलाओं साथ धान के पौधों की रोपाई की। बता दें कि विधायक अक्सर ही किसी न किसी चीजों को लेकर सुर्खियों में रही है। विधायक ने बताया कि किसान और उनके लहलहाते खेत, कृषि कार्य को करते हुए किसानों के बीच रहने का जो आत्मीय सुख है, वो शायद कहीं और नहीं है। मौके पर जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी, उप प्रमुख बचनदेव कुमार, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, पंचायत अध्यक्ष मनोज ठाकुर, युवा प्रखंड अध्यक्ष आनंद कुमार, दशरथ महतो, बिंदु दांगी, दामोदर मेहता, सुरेश महतो, प्रेमचंद महतो, सहेस महतो, दशरथ महतो, दिनेश्वर पासवान, निरंजन कुमार समेत कई महिला पुरुष मौजूद थे।

कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने मंईयां सम्मान योजना के शिविर का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कटकमसांडी प्रखंड में आज कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने शहापुर पंचायत, ढौठवा पंचायत, आराभुसाई पंचायत और रेबर पंचायत, बाझा पंचायत, डांटो खुर्द पंचायत, कटकमसाड़ी पंचायत में आयोजित मंईया योजना के शिविरों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने महिलाओं से मुलाकात की और शिविर में हो रही गतिविधियों की समीक्षा की। मुन्ना सिंह जी ने विधि व्यवस्था का जायजा लेते हुए लोगों की समस्याओं को भी गंभीरता से सुना और उनके समाधान का आश्वासन दिया। महिलाओं ने मंईया योजना की सराहना करते हुए इसे उनके लिए एक महत्वपूर्ण योजना बताया और अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने मुन्ना सिंह जी के समर्थन और प्रेरणा के लिए

आभार व्यक्त किया। दौरे के बाद, मुन्ना सिंह ने कटकमसांडी पंचायत के निवासी स्वर्गीय इशाक मियां के सुपुत्र मो. रियाज जी के परिवार से भी मुलाकात की, जिनका कुछ दिन पूर्व बज्रपात के कारण निधन हो गया था। उन्होंने परिजनों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया और सरकार द्वारा यथासंभव सहयोग दिलाने का वादा किया। इस अवसर पर शाहापुर पंचायत की मुखिया सुनीता देवी, मुखिया प्रतिनिधि शंभू यादव, ढौठवा पंचायत के मुखिया जय प्रकाश केशरी, आराभुसाई के पूर्व मुखिया रहमत मियां, रेबर पंचायत की मुखिया कलावती देवी और मुखिया प्रतिनिधि हलधर यादव डांटो खुर्द पंचायत की मुखिया कुमारी बाखला, बाझा पंचायत की मुखिया धनेश्वरी देवी, संजय सिंह, शेरू खान अनुज सिंह, रहमत अली इनके साथ ही शाहपुर पंचायत के पप्पू यादव, राजू यादव, रंजीत यादव ,सरजु यादव , विक्की कुमार धान, सुजीत सिंह, दिनेश यादव, भी मौजूद रहे।

श्री रामचरितमानस सेवा संस्थान ने मंडई में लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : श्री रामचरितमानस सेवा संस्थान ने आज हजारीबाग के मंडई गांव में स्वास्थ्य शिविर लगा कर लोगों का निःशुक स्वास्थ का जांच किया तथा विशेष शिविर लगा कर सैंकड़ों महिलाओं पुरूषों का सस्वास्थ्य जांच एवम उनके बीच लूंगी, धोती, बच्चों के लिए स्कूल बैग, पानी बॉटल आदि का वितरण किया। इस दौरान गांव के सैंकड़ों महिला पुरुष सभा में उपस्थित रहे। तथा उन्होंने श्री रामचरितमानस सेवा संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष संजय कुमार सिंह को खूब आशीर्वाद और उनके कामों की प्रसंशा की । इस दौरान संजय सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा की उनका प्रयास हर गरीब के घर तक पहुंचना है वही वैसे बच्चें जो गरीब है और पढ़ाई करना चाहते है वो उसके लिए पढ़ाई की व्यवस्था करेंगे। आज के कार्यक्रम के बारे में संजय सिंह ने बताया की आज इस कार्यक्रम में लगभग 1000 से ज्यादा माताओं बहनों और बेटियों के बीच सेनेटरी पैड का वितरण किया गया तो उतने ही लोगों ने राजू सेवा सदन के डॉक्टर गुलजार तनवीर अली से निःशुल्क स्वास्थ जांच शिविर का भी लाभ उठाया वही गांव के बुजुर्ग के बीच लूंगी और धोती और कंबल का वितरण किया गया है। श्री रामचरितमानस सेवा संस्थान के द्वारा एवम इस संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष संजय कुमार सिंह के द्वारा हजारीबाग में लगातार लोगों की बीच सेवाएं दी जा रही है तथा यह सेवा अनवरत आगे भी जारी रहेगी। इसे पहले श्री रामचरितमानस सेवा संस्थान ने हजारीबाग में कावरिया विश्राम गृह एवम बाबा धाम के लिए निशुल्क बस सेवा भी प्रदान को है। इस दौरान वहां समाजसेवी विजय सिंह, धर्मेंद्र सिंह, साहिल कुमार, मोहमद मंजर, साजिद, मोहमद तालिब, सकील अहमद, अब्दुल रशीद, आफताब आलम , चांद परवेज , अब्दुल स्टार, खुराशीद आलम आदि मौजूद रहें।

उत्पाद विभाग की कार्रवाई, सिंचाई भवन से अवैध शराब की हजारों पेटी बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : चौपारण प्रखंड के पंचायत पाण्डेयबारा के ग्राम सेलहारा स्थित सिंचाई विभाग के सरकारी भवन से उत्पाद विभाग की टीम ने अवैध शराब से भरी लगभग 600से 650 पेटी बरामद किया। भारी मात्रा में शराब की पेटी मिलने से सेलहारा के ग्रामीण अचंभित दिखे। सूत्रों के हवाले से खबर है कि शराब की पेटी बुधवार तक सिंचाई भवन में नही थी। परंतु बृहस्पतिवार को अचानक उत्पाद विभाग की छापेमारी और इतनी भारी मात्रा में शराब का पकड़ा जाना कहीं ना कहीं लोगों को सोचने पर मजबूर कर रही है। मामले के बारे में पूछे जाने पर सहायक उत्पाद आयुक्त शिवकुमार साहू ने कहा की गुप्त सूचना मिली थी की सेलहारा के सिंचाई भवन में शराब रखी हुई है। जिसका सत्यापन के उपरांत छापेमारी की गई है जिसमे करीब 500 से 600 पेटी शराब बरामद किया गया है । जिसको जप्त करके हजारीबाग लाया गया है हालांकि छापेमारी के दौरान किसी की गिरफ्तारी नही हो सकी है बरामद शराब का अनुमानित राशि 50 से 60 लाख तक है विभाग इस मामले को लेकर गंभीर है और जांच की जा रही है इस तरह के कृत्य के शामिल लोगों पर कारवाई की जायेगी।

जनता से किया हर वादा को पूरा कर विकास की खींच रहा हूं लंबी लकीर : विधायक अकेला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : बरही के विधायक उमाशंकर यादव के बनने के बाद पूरे बरही विधानसभा में विकास के कार्यों काफी तेजी से कार्य हुए हैं। हर गांवो को पक्की सड़क व पुल से जोड़ने के अलावे गांवों के अंतिम ब्यक्ति तक सरकार के हर कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में डिग्री कॉलेज निर्णय की बात हो या फिर प्रखण्ड के किसानों को नहर या इरिगेशन के माध्यम से खेंतो तक पानी पहुंचाने का कार्य पर भी तेजी से हो रहा

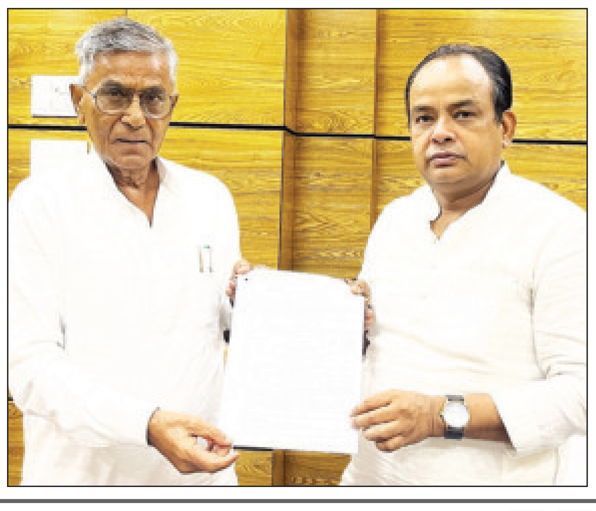

है। यह बातें विधायक मीडिया प्रभारी मनोज कुमार यादव ने बताया। उन्होंने आगे कहा कि विधायक सह साभापति निवेदन समिति उमाशंकर अकेला के अथक प्रयास से 8,14, 33,700 की लागत से प्रखंड के 03 और मुख्य सड़को का जीर्णोद्धार होगा। जिसमें पंचायत-झापा के पीडब्लूड़ी रोड सवैया से परसावां भाया कब्रिस्तान तक पथ निर्माण कार्य,पंचायत दादपुर में मध्य विद्यालय बेन्दुवारा से हारपुर भाया केन्दुआ तक पथ निर्माण कार्य (लंबाई:-2.3 किलोमीटर), पंचायत दैहर में हथिन्दर से मुख्य पथ गुरी भाया भदान तक पथ निर्माण कार्य (लंबाई:-03 किलोमीटर) शामिल है। इन सड़को का मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल से प्रशासनिक स्वीकृति भी मिल गई है। जल्द ही टेंडर के बाद निर्माण कार्य शुरू होंगे। वहीं बरही विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि जनता से किया हर वादा को मैं पूरी इमानदारी पूर्वक करने का प्रयास कर विकास की लंबी लकीर खींच रहा हूं।

संक्षिप्त खबरें

युवाओं के उत्थान के प्रति मेरा प्रयास जारी है, जारी रहेगा : शेफाली गुप्ता

हजारीबाग : सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमसांडी प्रखण्ड स्थित कटकमसांडी स्टेडियम में 'खेलो विधानसभा हजारीबाग' फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन गुरुवार को हुआ। साथ ही कर्जन ग्राउंड हजारीबाग स्टेडियम में सदर प्रखण्ड का आयोजन 'खेलो विधानसभा हजारीबाग' फुटबॉल टूर्नामेंट का शुरूआत हुई। जिसमें बतौर मुख्य रूप से भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त मुकाबला का शुभारंभ किया। कटकमसांडी प्रखण्ड का पहला सेमिफाइनल मुकाबला आराभुषाई बनाम खुटरा के बीच मुकाबला खेला गया। जिसमें खुटरा की टीम विजयी हुई। दुसरा सेमिफाइनल मुकाबला कटकमसांडी बनाम शाहपुर के बीच खेला गया। जिसमें कटकमसांडी की टीम विजयी हुई। इसके बाद फाइनल मुकाबला खुटरा की टीम बनाम कटकमसांडी की टीम के बीच मुकाबला खेला गया। दोनों टीम के बीच काफी संघर्षपूर्ण रहा। फाइनल मुकाबला में खुटरा की टीम जीतकर विजय का परचम लहराया। मौके पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने कहा कि युवाओं के उत्थान में मेरी प्रयास जारी है, भविष्य में भी जारी रहेगी। साथ ही खिलाडियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। खिलाडियों को हरसंभव सहयोग करने के भरोसा दिया। कर्जन ग्राउंड में सदर प्रखण्ड का पहला दिन का पहला मुकाबला ओरिया एफसी बनाम एसए एकेडमी कोर्रा के बीच मुकाबला खेला गया। जिसमें ओरिया एफसी की टीम विजयी हुई। दुसरा मुकाबला लीटिल स्टार कोर्रा बनाम एचएससी हुरहुरू के बीच मुकाबला खेला गया। जिसमें एचएससी हुरहुरू की टीम विजयी हुई। मौके पर विशेष रूप से भाजपा अनुसुचित मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विशाल वाल्मीकि, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री मनमीत अकेला, कौलेश्वर गोप, पवन गुप्ता, विकाश किंदो, रानी शुक्ला, मनीष कुमार, गुड्डू कुमार एवं आशीष कुमार सहित कई गणमान्य लोग शामिल थे।

रमेश ठाकुर व सुनील साहू बने भाजपा जिला उपाध्यक्ष, बरही पूर्वी के विजय यादव व पश्चिमी के भगवान केशरी मण्डल अध्यक्ष

बरही : भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने जिला कमेटी का विस्तार करते हुए रमेश ठाकुर को एक बार फिर जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी है। वहीं सुनील साहू को भी जिला उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। इसके अलावा बरही पूर्वी से मुखिया संघ के अध्यक्ष विजय यादव को मंडल अध्यक्ष व पश्चिमी से भगवान केसरी को मंडल अध्यक्ष मनोनीत किया है। पार्टी के नवमनोनित पदाधिकारियों ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौपी है उसका निर्वहन पूरी ईमानदारी के साथ करता रहूंगा। नवमनोनित पदाधिकारियों को पूर्व विधायक मनोज यादव, जीप उपाध्यक्ष किशुन यादव, अर्जुन साव, भाजपा प्रदेश नेता सह प्रखर वक्ता रंजीत चन्द्रवंशी, जीप सदस्या प्रीति कुमारी, गुरुदेव गुप्ता, मुखिया मंगलदेव यादव, सकलदेव यादव, आकाश जायसवाल, मनोज साव, मुन्ना यादव, अशोक यादव, युगल यादव, नागेश्वर रजक, सचिन यादव, मुकेश राम, नारायण यादव, हरेंद्र गोप, राजन ओम, गोविंद साव, समशेर आलम, विशेश्वर यादव समेत अन्य भाजपाइयों ने बधाई दी है।

पदमा में हुआ करियर कॉउंसलिंग और स्कूल मैगजीन के विमोचन का कार्यक्रम

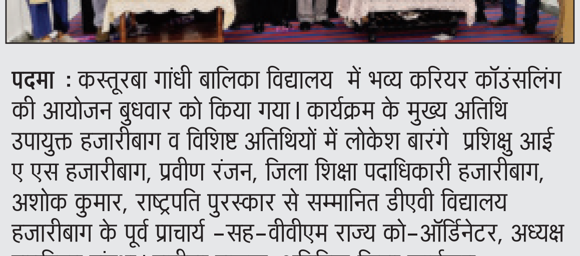

पदमा : कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में भव्य करियर कॉउंसलिंग की आयोजन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपायुक्त हजारीबाग व विशिष्ट अतिथियों में लोकेश बारंगे प्रशिक्षु आई ए एस हजारीबाग, प्रवीण रंजन, जिला शिक्षा पदाधिकारी हजारीबाग, अशोक कुमार, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डीएवी विद्यालय हजारीबाग के पूर्व प्राचार्य -सह-वीवीएम राज्य को-ऑर्डिनेटर, अध्यक्ष समरिटन संस्था। सुनीला लकड़ा, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी के गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। बहरहाल उपायुक्त के बिजी शेड्यूल के कारण कर्यक्रम में उपस्थित नही हो पाई। उनका लिखित शुभ संदेश विद्यालय परिवार को प्राप्त हुआ हैं। वार्डेन मेनका मेहता का सराहनीय पहल और कड़ी मेहनत से यह कार्यक्रम सफल हो पाया हैं। छात्राओं के लिए यहाँ विमोचन किया गया मैगजीन मिल का पत्थर साबित होगी वही यह मैगजीन विद्यालय में अध्ययनरत्त छात्रायों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगा। बताते चले कि मेनका मेहता विगत दिनों से ही अपने क्रेटीवीटी से जानी जाती हैं। वार्डेन बनते ही विद्यालय के सुरक्षा व्यवस्था से लेकर गुणवत शिक्षा हेतु लगातार अनोखी पहल कर रही हैं। करियर कॉउंसलिंग करा कर उन सभी लड़कियों को जीवन यापन का उत्तम मार्ग दिखाया गया हैं जिनके माता या पिता नही हैं। या दोनों नही हैं। प्रोजेक्ट इम्पैक्ट के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु लगातार बेहतर प्रयास करने की कड़ी में यह कार्यक्रम अभिभावक को मार्ग दिखाने का काम करेगा। प्रशिक्षु आई ए एस लोकेश बारंगे में कहा कि वार्डेन द्वारा आयोजित इसतरह के कार्यक्रम और विद्यालय में तैयार किया गया मैगजीन विद्यार्थियों को बहुत प्रभावित किया हैं।

पर्यटन स्थल बुढ़वा महादेव में विधायक ने बिजली ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन

बड़कागांव : झारखंड के विख्यात धार्मिक स्थलों में बड़कागांव स्थित बुढ़वा महादेव प्रांगण में 25 केवीए नए बिजली ट्रांसफार्मर का उद्घाटन विधायक अंबा प्रसाद के हाथों फीता काटकर किया गया। इस दौरान विधायक अंबा प्रसाद ने बताया कि ट्रांसफार्मर लगने से बुढ़वा महादेव मंदिर परिसर में तथा रानी तालाब के इर्द-गिर्द मेलाटांड़ में अब बिजली जगमग होगी। महुदी पहाड़ बुढ़वा महादेव को पर्यटन स्थल घोषित होने पर विकास की कई संभावनाएं हैं। यहां कई प्रकार की विकास की जाएगी जिससे बेरोजगारों को भी रोजगार से जोड़ा जाएगा। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से जिप सदस्य सुनीता देवी, उप प्रमुख बचन देव कुमार, विद्युत अधीक्षण अभियंता अशोक कुमार उपाध्याय, कार्यपालक अभियंता अंगेश कुमार, सहायक अभियंता अरविंद कुमार, कनिय अभियंता प्रभास कुमार, कांग्रेस नेता विशेश्वर नाथ चौबे समाजसेवी बिंदेश्वर दांगी उर्फ बिंदु ,युवा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष आनंद कुमार मेहता, कांग्रेस किसान मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष दशरथ महतो, निरंजन कुमार, दामोदर प्रसाद, सुरेश महतो, मनोज ठाकुर, बिजली मिस्त्री, रोहित सोनी, नरसिंह सोनी, अजय कुमार, सूरज कुमार समेत कई कर्मी उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • शुक्रवार • 09.08.2024 • वर्ष : 15 • अंक : 21 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

जब घुसपैठिए देश में घुस जाएंगे क्या तब केंद्र सरकार कार्रवाई करेगी : हाई कोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में बांग्लादेशी मूल के व्यक्तियों ने झारखंड में घुसपैठ कर संथाल परगना इलाके में लैंड जिहाद किये जाने की जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र सरकार के शपथ पत्र दाखिल न करने पर कड़ी टिप्पणी की। अब इस मामले में अगली सुनवाई 22 अगस्त को होगी।

गुरुवार को हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई। झारखंड हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार के शपथ पत्र दाखिल नहीं किए जाने पर कड़ी टिप्पणी की और कहा कि देश में घुसपैठ करने वालों के घुस जाने के बाद क्या केंद्र सरकार कार्रवाई करेगी। अभी बांग्लादेश में उथल-पुथल की स्थिति है, वहां राजनीतिक अस्थिरता है। ऐसे में भारत में बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने के लिए बॉर्डर में बीएसएफ को कड़ी निगरानी करनी पड़ेगी। कोर्ट ने कहा कि जरूरत पड़ने पर गृह सचिव से भी जवाब मांगा जा सकता है और उन्हें कोर्ट में बुलाया जा सकता है, यह देश की सुरक्षा का सवाल है। कोर्ट ने केन्द्र सरकार के इंटेलिजेंस ब्यूरो के डायरेक्टर, बॉर्डर

सिक्योरिटी फोर्स के डायरेक्टर जनरल, चीफ इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया और डायरेक्टर जनरल यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया को प्रतिवादी बनाया है, उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने इंटेलिजेंस ब्यूरो से सीलबंद रिपोर्ट मांगी है। सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश के क्रम में छह जिलों के उपायुक्त ने जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर कोर्ट ने राज्य सरकार पर कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने मौखिक कहा कि जब संथालपरगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों के आने की बात हो रही है ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर अब तक जवाब क्यों नहीं आया है। कोर्ट को बताया गया की संथालपरगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों फर्जी ढंग से आधार कार्ड और वोटर कार्ड बना ले रहे हैं और वहां की भोली भाली आदिवासी लड़कियों से शादी कर जमीन पर उनकी जमीन पर कब्जा कर ले रहे हैं। इस पर कोर्ट ने राज्य सरकार से मौखिक कहा कि सरकार को संथाल परगना जैसे इलाकों में औचक निरीक्षण कर लोगों के यूआईडी कार्ड एवं वोटर कार्ड का निरीक्षण करना चाहिए, ताकि घुसपैठियों की पहचान हो सके।

कोर्ट ने कहा कि झारखंड में घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें तुरंत निकालना जरूरी है अन्यथा और घुसपैठिए झारखंड आते रहेंगे। राज सरकार को झारखंड के सीमावर्ती इलाके में पुलिस फोर्स को मजबूत कर घुसपैठियों को रोकन होगा। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार दोनों को देश एवं राज्य में घुसपैठ पर मिलकर काम करना होगा।

दरअसल, बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई के संबंध में हाई कोर्ट ने पिछली सुनवाई में संथाल परगना के छह जिलों के डीसी को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था। साथ ही कहा था कि संबंधित जिलों के एसपी डाटा उपलब्ध कराने में उपायुक्तों को फीडबैक (सपोर्ट) देंगे। वहीं मुख्य सचिव सबको मॉनिटरिंग करेंगे। लेकिन डीसी के बजाय कनीय अधिकारियों की ओर से दाखिल किया गया था, जिस पर कोर्ट ने शपथ पत्र को स्वीकार नहीं किया था।

याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में कहा है कि जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा, साहिबगंज आदि झारखंड के बॉर्डर इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड आ रहे हैं। इससे इन जिलों में जनसंख्या में कुप्रभाव पड़ रहा है। इन जिलों में बड़ी संख्या में मदरसा स्थापित किया जा रहा है। साथ ही स्थानीय ट्राइबल के साथ वैवाहिक संबंध बनाया जा रहा है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि इस मामले में भारत सरकार का गृह मंत्रालय रिपोर्ट दाखिल करे और बताएं कि झारखंड के बॉर्डर इलाके से कैसे बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड आ रहे हैं और उनके द्वारा झारखंड में कैसे लोगों को गुमराह कर वैवाहिक संबंध स्थापित किया जा रहा है।

एक नजर

पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का 80 वर्ष की आयु में निधन

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के 34 साल के वाम मोर्चा शासन के दूसरे और अंतिम मुख्यमंत्री और वयोवृद्ध वामपंथी नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन हो गया है। उनकी उम्र 80 वर्ष थी। गुरुवार सुबह उनके बेटे सुचेतन भट्टाचार्य ने यह जानकारी दी है। बुद्धदेव भट्टाचार्य ने 2000 से 2011 तक लगातार 11 वर्षों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। गुरुवार सुबह उनके बेटे सुचेतन ने बताया कि सुबह बुद्धदेव ने नाश्ता किया था, लेकिन उसके बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और सुबह 8:20 बजे पाम एवेन्यू स्थित उनके घर पर ही उनका निधन हो गया।

राज्यपाल संतोष गंगवार अब होंगे झारखंड के वोटर

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने गुरुवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल संतोष गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात की और उनका वोटर कार्ड बनवाने के लिए फार्म भरवाया। इस मौके पर सीईओ कुमार के साथ रांची विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार ने राज्यपाल का नाम झारखंड की मतदाता सूची में स्थानांतरित करवाने के लिए फार्म 8 भरवाया। इस प्रकार मतदाता सूची में नाम स्थानांतरण की औपचारिक प्रक्रिया पूरी की गयी, शीघ्र ही उनका नाम रांची विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज हो जाएगा।

शहीद निर्मल महतो के 37वें शहादत दिवस पर उनकी समाधि पर मुख्यमंत्री ने किए पुष्प अर्पित

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से जुड़कर प्रगति का नया रास्ता बनाएं महिलाएं : हेमन्त

- विभिन्न योजनाओं के माध्यम से इस राज्य की तस्वीर और तकदीर को बदलने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं आगे।
- सरकार की योजनाओं से जुड़ें, दूसरों को भी जुड़ने के लिए प्रेरित करें।
- झारखंड के अमर वीर शहीदों को शत-शत नमन।
- झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में शहीद निर्मल दा के योगदान और बलिदान को कभी भूल नहीं सकते।
- राज्य के आदिवासी, दलित, गरीब, मजदूर, किसान, महिला और नौजवानों को बना रहे हैं सशक्त।
- बच्चों की बेहतर शिक्षा से ही राज्य के बेहतर भविष्य का रास्ता बनेगा।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदुपर : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में सरकार लगातार प्रयास कर रही है। महिलाएं आगे बढ़े, इसके लिए राज्य की कई योजनाएं हैं। इसी कड़ी में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की शुरूआत हो रही है। इस योजना के अंतर्गत 21 से 50 वर्ष तक की महिलाओं को हर वर्ष 12 हजार रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी। राज्य की ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को इसका लाभ मिले, इसके लिए इसके आवेदन की प्रक्रिया को काफी सरल रखा गया है। महिलाएं आगे आएं और इस योजना से जुड़कर अपनी प्रगति का एक नया रास्ता बनाएं। मुख्यमंत्री गुरुवार को अमर वीर शहीद निर्मल महतो के 37वें बलिदान दिवस पर उलियान, जमशेदपुर स्थित उनके समाधि स्थल पर आयोजित शहादत दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्यवासियों के हित में कई ऐतिहासिक और निर्णायक कदम उठाए हैं। हमारी सरकार सरकारी कर्मियों को पुरानी पेंशन योजना लागू कर उनके बुढ़ापे की लाठी बन रही है। वहीं बुढ़ापे में कोई पेंशन से वंचित न रहे, इसके लिए सर्वजन पेंशन योजना शुरू की है। ऐसे ही अनेक योजनाएं हैं, जिसका सीधा फायदा इस राज्य के आदिवासी, दलित, गरीब, मजदूर किसान, महिला और नौजवानों समेत हर वर्ग और तबके को हो रहा है। हम अपनी योजनाओं के माध्यम से इस राज्य की तस्वीर और तकदीर बदलने का कार्य निरंतर करते आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे अपनी जरूरत की योजनाओं से जुड़े और जिन्हें इन योजनाओं की जानकारी नहीं है। उन्हें इसकी जानकारी देकर उन योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित करें। सभी के सहयोग और भागीदारी से सभी को राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ देने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के नौजवानों को सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार देने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में यहां ना तो नियुक्ति नियमावली ही बनी और ना ही नियुक्तियों को लेकर कोई ठोस प्रयास किए गए, लेकिन हमारी सरकार नियुक्ति नियमावली बनाकर सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों पर बड़े पैमाने पर नियुक्तियां कर रही हैं। वहीं, निजी संस्थाओं और संस्थानों में भी हजारों युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

जब हमारे बच्चे आगे बढ़ेंगे तो राज्य भी आगे बढ़ेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर शिक्षा से बच्चों का बेहतर भविष्य बन सकता है । जब बच्चे पढ़-लिख कर आगे बढ़ेंगे तो राज्य भी आगे बढ़ेगा। यही वजह है कि हमारी सरकार बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसी भी गरीब बच्चों की पढ़ाई पैसे की तंगी की वजह से प्रभावित न हो, इसके लिए शिक्षा से जुड़ी कई योजनाएं चल रही हैं। हमारी सरकार ने गुरु जी क्रेडिट कार्ड योजना की शुरूआत की है। इस योजना के तहत बच्चों को 15 लाख रुपये तक का शिक्षा लोन सरकार अपनी गारंटी पर दे रही है। हमारे आदिवासी- दलित गरीब बच्चे पढ़ लिख कर ऊंचे पदों पर पहुंचे, इसी सोच के साथ हम अपनी योजनाओं को धरातल पर उतर रहे हैं।

राज्य हित के लिए प्रतिबद्धता के साथ लिए जा रहे हैं निर्णय : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों के सहायक प्राध्यापकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार के विगत 7 अगस्त 2024 को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में विश्वविद्यालय एवं अंगीभूत महाविद्यालयों (घाटानुदानित अल्पसंख्यक महाविद्यालयों सहित) के पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू किए जाने की स्वीकृति दिए जाने के निर्णय पर आभार व्यक्त किया।

रांची विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के सहायक प्राध्यापकों ने मुख्यमंत्री के समक्ष हर्ष जताते हुए कहा कि हमसभी महाविद्यालय शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए राज्य सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना लागू किया जाना एक महत्वपूर्ण और सराहनीय कार्य है। राज्य सरकार ने हमसभी को पुरानी पेंशन के रूप में बुढ़ापे की लाठी दी है। पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिलने से हमसभी सहायक प्राध्यापकों का भविष्य सुरक्षित हुआ है। मौके पर प्रतिनिधिमंडल में शामिल सभी सहायक प्राध्यापकों ने मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

सोरेन ने सहायक प्राध्यापकों के प्रतिनिधिमंडल से कहा कि उनकी सरकार राज्यहित में निर्णय लेने के लिए प्रतिबद्ध है। विगत साढ़े चार वर्ष में राज्यहित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी वर्ग-समुदाय को उनका हक-अधिकार देने का काम उनकी सरकार निरंतर कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी लोग मिलजुल कर झारखंड को अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल कर सकें इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है।

सहायक प्राध्यापकों के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक कल्पना सोरेन से भी मुलाकात कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, रांची विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के सहायक प्राध्यापकों में डॉ उमेश कुमार, डॉ बहालेन होरो, डॉ खातिर हेम्ब्रम, डॉ रीता कुमारी, डॉ राजीव रजक, डॉ अवध विहारी महतो, डॉ विनीता एक्का, डॉ कंजीव लोचन, डॉ शाहीन परवीन, डॉ सुमंती तिर्की, डॉ शाहीन रजिया, डॉ अंजू पुष्पा बा, डॉ शिवनंदन राम, डॉ संतोष रजवार, डॉ राहुल कुमार, डॉ अनुजा विवेक, डॉ विवेक कुमार, डॉ नीलू कुमारी, डॉ जितेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस की तैयारियां पूरी धुमकुड़िया भवन से निकलेगी भव्य शोभायात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आज और कल विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बिरसा मुण्डा स्मृति उद्यान, रांची में झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2024 की तैयारी अब अपने अंतिम चरण में है। समारोह स्थल पर आकर्षक मंच बन कर तैयार हो गया है। मंच के पीछे झारखंड में आदिवासी जीवन के ग्रामीण दर्शन को दशार्या गया है। झारखंड एवम अन्य राज्यों से आये चित्रकार, चित्रकला के माध्यम से झारखंड की आदिवासी संस्कृति और सभ्यता को कैनवास पर उकेर रहे हैं। झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2024 को लेकर कल 32 आदिवासी समुदायों द्वारा धुमकुड़िया भवन करम टोली चौक से बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान जेल चौक तक रीझ-रंग शोभा यात्रा निकाली जाएगी। झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2024 के मुख्य

अतिथि के रूप में राज्य समन्वय समिति सह सांसद राज्यसभा शिबू सोरेन मेले में प्रदर्शनी शिविर, आदिवासी चित्रकार शिविर और आदिवासी व्यंजन का उद्घाटन करेंगे। तत्पश्चात उनके द्वारा शहीद वेदी पर पुष्प अर्पण किया जाएगा। राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मिजोरम, ओडिशा, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, त्रिपुरा, छत्तीसगढ़ आदि अन्य राज्यों से कलाकार पारंपरिक आदिवासी नृत्य की अपनी मनमोहक प्रस्तुति देंगे।

मेले में अखड़ा दर्शन, 8 जनजातियों का गीत नृत्य, पद्मश्री मुकुंद नायक के द्वारा नागपुरी गीत नृत्य, जननी झूमर, वर्षा लकड़ा और उनके समूह द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की ऐतिहासिक गाथा का कथात्मक संगीतमय नृत्य नाटिका, संथाली बैंड (आधुनिक संथाली गायन वादन गायिका शेरोन मरांडी) द्वारा प्रस्तुति, झारखंड झरोखा लोक कला वाद्य यंत्र एवं परिधान की प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं परिवर्तन संस्था के आदिवासी दिव्यांगों बच्चों द्वारा ट्राईबल कल्चर इन फ्रेगमैन स्टाइलिश इन परिधान दर्शन एवं आश्रम विद्यालय के छात्र और छात्राओं के द्वारा चारित्रिक गुणों पर आधारित एक नाटक की प्रस्तुति दी जाएगी।

इस बार आदिवासी महोत्सव 2024 में बेहद खास तरीके से आतिशबाजी और लेजर शो का आयोजन किया जा रहा है, जो दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर देगा। यह शो सबके लिए यादगार स्मृति बन कर रह जाएगा। यह आयोजन देखने वाले इस तरह के बड़े आयोजन देखने के गवाह बनेंगे, यह सिर्फ महोत्सव नहीं झारखंड के आदिवासी संस्कृति का आईना बनेगा, जो देश ही नहीं वैश्विक पटल पर भी अपनी छाप छोड़ेगा। मेले में इस बार 12 पुस्तकों का लोकार्पण और वन अधिकार पट्टा का वितरण भी किया जाएगा। सभी राज्यवासी इस कार्यक्रम का आनंद ले सकते हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने ओलंपिक में लगातार दूसरी बार जीता कांस्य पदक, स्पेन को 2-1 से हराया

एजेंसी

पेरिस : पेरिस ओलंपिक खेलों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही ओलंपिक्स में भारत के अब चार पदक हो चुके हैं और चारों कांस्य पदक हैं। इससे पहले भारत ने 2020 टोक्यो ओलंपिक खेलों में भी कांस्य पदक जीता था। इसी के साथ ही भारतीय हॉकी के अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह दिया है। जीत के बाद श्रीजेश को कंधे पर बिठाकर मैदान का चक्कर लगाने वाले कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ टीवी के सामने नजरें गड़ाए बैठे करोड़ों भारतीयों की भी आंखें नम हो गई। ओलंपिक पदक के साथ विदा लेने वाले श्रीजेश जीत के बाद गोलपोस्ट के ऊपर जाकर बैठे तो अपने जज्बात पर काबू नहीं रख सके। जर्मनी के हाथों सेमीफाइनल में मिली हार का गम भुलाकर डेढ दिन बाद भारतीय टीम फिर युवेस डु मनोइर स्टेडियम पर उतरी तो हर खिलाड़ी का एक ही लक्ष्य था कि खाली हाथ नहीं लौटना है। एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए भारत ने दूसरे और तीसरे क्वार्टर में गोल करके न सिर्फ जीत दर्ज की बल्कि पेरिस ओलंपिक में कल पहलवान विनेश फोगाट को फाइनल से पहले अयोग्य करार दिए जाने से देश भर में छाई मायूसी को दूर करने का प्रयास भी किया। इस जीत के साथ ही भारत के लिए 336 मैच खेलने वाले महान गोलकीपर श्रीजेश ने भी अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह दिया।

भारतीय टीम के लिए हरमनप्रीत सिंह ने (30वें, 33वें मिनट) जबकि स्पेन के लिए मार्क मिरालेस (18वां मिनट) ने गोल दागे। आठ बार की चैम्पियन भारतीय पुरूष हॉकी टीम का यह 13वां ओलंपिक पदक है और पचास साल बाद लगातार दो ओलंपिक में पदक जीते हैं। इससे पहले 1968 में मैक्सिको और 1972 में म्युनिख ओलंपिक में भारत ने कांस्य जीता था।

बीएसएल अधिकारी दैनिक उपयोग में करेंगे इलेक्ट्रिक वाहन का इस्तेमाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक स्तर के अधिकारियों को दैनिक उपयोग के लिए पर्यावरण-अनुकूल इलेक्ट्रिक वाहन (ई वी) प्रदान किया जा रहा है। गुरुवार को इस्पात भवन के प्रांगण में आयोजित एक कार्यक्रम में निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने सात वरीय मुख्य महाप्रबंधकों को इलेक्ट्रिक कार की चाभी प्रदान की। कार्यक्रम में बीएसएल के अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक तथा अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे। इलेक्ट्रिक वाहन प्रदान करने के साथ-साथ प्लांट के अंदर एवं बाहर इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन भी स्थापित किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन पर्यावरण - अनुकूल होने के साथ ही ध्वनि रहित, उपयोग में सुविधाजनक और नवीनतम तकनीक से लैस हैं। बीएसएल द्वारा टाटा नेक्सॉन (ई वी) का कुल 65 इलेक्ट्रिक वाहन फेज वाइज मंगाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बोकारो स्टील प्लांट डी- कार्बोनाईजेशन के माध्यम से पर्यावरण-अनुकूल हरित इस्पात का उत्पादन, सर्कुलर इकोनॉमी की अवधारणा के तहत अपशिष्ट पदार्थों की री-साइकिलिंग सहित पर्यावरण अनुकूल संरक्षण हेतु कई अभिनव पहल कर रही है। हाल ही में कार्बन सिंक विकसित करने हेतु हैंडीक्राफ्ट ट्रेनिंग सेंटर में आठ विभिन्न प्रजातियां के 1800 बांस के पौधे लगाए गए हैं। इस मौके पर निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि यह पहल बोकारो स्टील प्लांट के डी-कार्बोर्नाइजेशन रोड मैप तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के प्रयासों की कड़ी का एक हिस्सा है जिसके दीर्घकालिक सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाप्रबंधक सीआरके सुधांशु, सहायक महाप्रबंधक श्री शशांक शेखर एवं उनकी टीम का अहम योगदान रहा।

एक नजर

अवैध शराब निर्माण स्थलों पर उत्पाद विभाग ने की छापामारी

बोकारो : उपायुक्त महोदया बोकारो के निदेर्शानुसार सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन में जिला उत्पाद बल एवं स्थानीय पुलिस बल के सहयोग से राजाटांड अंगवाली ग्राम में खाजो नदी किनारे, पेटरवार थाना अंतर्गत अवैध शराब निर्माण स्थलों पर छापामारी की गयी। छापामारी के क्रम में फरार अभियुक्तों पर उत्पाद अधिनियम की सूसंगत धाराओं के आधार पर अभियोग दर्ज किया जा रहा है। छापामारी दल में अवर निरीक्षक सदर-सह-तेनुघाट, सन्नी विवेक तिर्की , अवर निरीक्षक बेरमो-सह-चंदपुरा रवि रंजन उपस्थित थे।

पिट्स मॉडर्न स्कूल के छात्र दीपलपा दास बने चार्टर्ड अकाउंटेंट

बोकारो : पिट्स मॉडर्न स्कूल के पूर्व छात्र दीपलपा दास नें चार्टर्ड अकाउंटेंसी की अंतिम परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर सी.ए. बनकर विद्यालय एवं परिवार की नाम रोशन किया । श्री दिनेश कुमार दास के पुत्र दीपलपा दास पिट्स मॉडर्न स्कूल से 2006 में बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण की । उन्होंने दृढ़ संकल्प एवं कड़ी मेहनत के बाद कामयाबी हासिल की । उन्होंने कहा कि मुझे सी.ए. करने के लिए एवं लक्ष्य प्राप्त करने के लिए शिक्षकों का काफी योगदान रहा। सी.ए. दीपलपा दास ने अपनी उत्कृष्ट उपलब्धि से न केवल अपनी माता-पिता को बल्कि विद्यालय को भी गौरवान्वित किया है कउनकी सफलता की कहानी पिट्स के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी है । विद्यालय के प्राचार्य बृजमोहन लाल दास ने शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि पूर्व छात्र दीपलपा दास स्कूल के दिनों में भी अनुशासित , लगनशील और जिज्ञासु प्रवृत्ति का था । आईपीएल ओरिका गोमिया के महाप्रबंधक अभिषेक विश्वास ,विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष अरिंदम दास गुप्ता ने शुभकामनाएँ दिए एवं उज्वल भविष्य की कामना की।

सेक्टर 9 में जन्माष्टमी को लेकर किया गया भूमि पूजन

बोकारो : सेक्टर 9 वैशाली मोड में श्री जन्माष्टमी पूजा का भूमि पूजन किया गया जहां मौके पर मौजूद कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार मौजूद उन्होंने बताया कि पूजा लगभग 25 वर्षों से बड़े ही धूमधाम से की जा रही है प्रत्येक साल हम लोगों की कोशिश रहती है की इस बार कुछ नया और आकर्षक पंडाल एवं सात सज्जा की व्यवस्था की गई है इससे पूजा और भी भव्य लगने वाला है प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मीना बाजार की व्यवस्था की गई है जिसमें कई प्रकार के झूले बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेंगे हम लोगों की कोशिश रहती है कि हर साल आए हुए भक्तों को कुछ नया देखने को मिले इसके लिए हम लोगों के कमेटी के सदस्य अपनी पूरी मेहनत एवं कोशिश करते हैं।

ग्रामीणों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान करना जरूरी : सांसद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कतरास : कंचनपुर पंचायत के रामपुर टोला 1 में पानी सहित विभिन्न समस्या को लेकर ग्रामीणों की बैठक हुई। सांसद प्रतिनिधि शत्रुध्न महतो को ग्रामीणों ने आपबीती सुनाई। इसपर उन्होंने टाटा स्टील फाउंडेशन के यूनिट हेड राजेश कुमार को बुलाकर ग्रामीणो की समस्या से अवगत कराया। ग्रामीणो ने कहा कि यहां पानी की विकराल समस्या है। जो जलापूर्ति होती है वो नाकाफी है। यहां स्थाई जलापूर्ति की आवश्यकता है। इसपर टीएसएफ हेड राजेश कुमार ने आश्वस्त करते हुए कहा कि जल्द ही पाइपलाईन से जलापूर्ति करवाने की दिशा में काम किया जाएगा। जो भी जलसमस्या है उससे दिलाने का काम किया जाएगा। सांसद प्रतिनिधि शत्रुध्न महतो ने कहा कि ग्रामीणों की समस्या को प्राथमिकता के रूप में लेकर समाधान करना जरूरी है। उनका प्रयास रहेगा ग्रामीणो को किसी तरह की परेशानी का सामना करना न पड़े। मौके पर टीएसएफ के सिजुआ इंचार्ज विपीन सिंह चौधरी, पूर्व जिप सदस्य जितेश रजवार, भाजपा नेता सोनू श्रीवास्तव, टिंकू तिवारी, चंदा देवी, मानु रजवार, सोनु सिंह आदि मौजूद थे।

कोयला मंत्री किशन रेड्डी से मिले कुमार अमित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने दिल्ली में केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी से मिल कर बीजीएच को सुपरस्पेसलिटी हास्पिटल के रूप में विकसीत करने हेतु सार्थक पहल करने की माँग की है। कुमार अमित ने बोकारो वासियों के स्वास्थ्य समस्याओं से अवगत कराते हुए कोयला मंत्री से कहा कि सेल द्वारा संचालित बीजीएच पूर्वी भारत के बड़े अस्पतालों में से एक है। इस अस्पताल में आस पास के कई राज्यों के मरीज भी इलाज हेतु आते हैं। विशेष कर कोल इंडिया लिमिटेड के बीसीसीएल और सीसीएम के कर्मचारियों की भी निर्भरता इस अस्पताल पर इलाज हेतु रहती है क्योंकि इन कम्पनियों के अस्पतालों में भी डाक्टरों और संसाधनों की भारी कमी है। पर्याप्त आधार भूत संरचना के बावजूद संसाधन और योग्य डाक्टरों के अभाव में बीजीएच की भी विकास नहीं हो पा रहा है। अगर भारत सरकार इस अस्पताल को राउरकेला के तर्ज. पर विशेष फंड देकर सुपरस्पेसलिटी हास्पिटल के रूप में विकसित करें तो केवल बोकारो हीं नहीं बल्कि झारखण्ड सहित पूर्वी भारत के अन्य राज्यों के मरिजों के लिए भी यह अस्पताल लाइफ लाइन हो जाएगा। इसके अलावे कुमार अमित ने कोयला खदान क्षेत्रों में जल समस्या की चर्चा करते हुए खदान में जमा पानी को उपयोगी बनाकर कॉलोनियों में सप्लाई करने, पुनर्वास के कार्य में तेजी लाने, कोल कम्पनियों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाने और राज्य की हेमंत सरकार के संरक्षण में बड़े पैमाने पर हो रहे कोयला चोरी की उच्चस्तरीय जाँच कराकर दोषियों पर कार्रवाई करने की माँग भी की। कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने इन विषयों को गम्भीरता से लेकर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन भी दिया है।

टाटा स्टील फाउंडेशन ने दिव्यांगों के लिए सहायक उपकरण वितरण शिविर का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा 8 और 9 को सहायक उपकरण वितरण पर दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया है। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, नई दिल्ली के सहयोग से टाटा स्टील फाउंडेशन की सबल परियोजना के तहत यह कार्यक्रम मलकेरा सामुदायिक केंद्र में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि, विकास कुमार, चीफ, सिजुआ ग्रुप, झरिया डिवीजन, टाटा स्टील ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और सबल जैसी परियोजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए टाटा स्टील फाउंडेशन की प्रशंसा की, जो दूरदराज के स्थानों में भी समाज के सभी वर्गों तक पहुंचती हैं। शिविर के दौरान, सभी चिन्हित दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग (हाथ और पैर), बैसाखी और वयस्कों और बच्चों, दोनों के लिए व्हीलचेयर सहित कुल 40 सहायक उपकरण वितरित किए गए। इस अवसर पर श्वेता मिश्रा, हेड, एडमिनिस्ट्रेशन, पीयूष कुमार, सीनियर एरिया मैनेजर, एचआरबीपी सिजुआ ग्रुप, डॉ अंकित प्रकाश, सीनियर रजिस्ट्रार भेलाटांड फीडर हॉस्पिटल, महमूद आलम, सेक्रेटरी, आरसीएमयू भेलाटांड कोलियरी, नयन चंद महतो, प्रेसिडेंट, आरसीएमयू भेलाटांड कोलियरी, बिपिन सिंह चौधरी, मैनेजर, कम्युनिटी डेवलपमेंट, टीएसएफ सिजुआ, डॉ बिबेकानंद पात्रा, मेडिकल ऑफिसर टीएसएफ, गिरीश महतो, केंद्रीय सलाहकार समिति के सदस्य, विनोद रजक, मुखिया मलकेरा दक्षिण पंचायत, लक्ष्मी कुमारी, टीम सबल और टीम बीएमवीएसएस, नई दिल्ली भी उपस्थित थे। टाटा स्टील फाउंडेशन अपनी प्रमुख परियोजना सबल के तहत बाघमारा ब्लॉक में 33 पंचायतों में कार्यरत है। दिव्यांग व्यक्तियों की पहचान करने से लेकर उन्हें विकलांगता प्रमाण पत्र प्राप्त करने में मदद करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यकता-आधारित प्रशिक्षण प्रदान करने तक, टीएसएफ का उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों में सकारात्मक परिवर्तन लाना तथा उन्हें सशक्त बनाना है।

शहीद निर्मल महतो की 37वीं पुण्यतिथि मनायी गयी

कतरास : टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो के सिजुआ स्थित आवासीय कार्यालय में शहीद निर्मल महतो का 37 वॉ पुण्य तिथि सादगी पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि शहीद निर्मल महतो झामुमो के प्रथम केंद्रीय अध्यक्ष थे। वे किसान मजदूरों के सर्वमान्य नेता थे। शहीद निर्मल महतो मजदूरों के हक की लड़ाई लडते - लडते शहीद हो गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड आंदोलनकारी दयाल महतो,झामुमो जिला सह सचिव मनोज महतो,बसंत महतो, राधेश्याम मोदक, बाबूनाथ महतो, आशीष सिन्हा, दिलीप हेंब्रम, आनंद महतो, दिवाकर महतो, राजेश महतो, जगबंधु महतो, फुलचंद महतो, शुसांत मुर्मु ,रोहित मिर्धा आदि मौजूद थे।

पेट्रोल पंप पर चला अभियान, 113 वाहन चालकों की हुई काउंसलिंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सड़क नियमों की अनदेखी से बढ़ती दुर्घटना को कम करने के लिए प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। अब बिना हेलमेट के पेट्रोल नहीं मिलेगा। जिला परिवहन एवं जिला ट्रैफिक विभाग ने इससे संबंधित सभी पेट्रोल पंप संचालकों को नो हेलमेट, नो पेट्रोल की सूचना चस्पा करने के निर्देश दिया है। गुरुवार को यह अभियान नया मोड़ स्थित केबीएल पेट्रोल पंप पर चलाया गया। कुल 113 लोगों का काउंसलिंग किया गया। मौके पर ट्रैफिक डीएसपी श्री आशीष महली, ट्रैफिक पुलिस निरीक्षक, परिवहन विभाग के संतोष समेत टीम के अन्य सदस्य उपस्थित थे।ट्रैफिक डीएसपी ने कहा कि जन जागरूकता लाने के लिए यह पहल की जा रही है। दो पहिया वाहन संचालकों से अपील किया कि वह अनिवार्य रूप से हेलमेट पहने। उन्होंने पेट्रोल पंप संचालकों को इसके लिए निर्देशित किया गया है कि वे अपने यहां नो हेलमेट, नो पेट्रोल का बोर्ड चस्पा करें। बिना हेलमेट के किसी भी दो पहिया वाहन चालक को पेट्रोल नहीं दें। उन्होंने कहा कि अगर पेट्रोल पंप संचालक इस आदेश का पालन नहीं करते हैं तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

डीपीएस के तबला शिक्षक को मिला भारतीय गौरव सम्मान

- भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रभावशाली शिक्षण के लिए नवाजे गए, प्राचार्य ने दी बधाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो के संगीत शिक्षक मयंक कुमार भक्त ने एक बार फिर अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के उत्थान को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत उत्तर प्रदेश की गैरसरकारी संस्था द फेयर विजन फाउंडेशन ने मयंक को भारतीय गौरव सम्मान से नवाजा है। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के साथ-साथ अन्य बच्चों को भी भारतीय शास्त्रीय संगीत में तबला की तालीम प्रभावशाली तरीके से दिए जाने को लेकर उन्हें यह सम्मान दिया गया। पुरस्कार स्वरूप उन्हें एक प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति फलक प्रदान किया गया है, जिसमें संगीत विधा को समृद्ध बनाए जाने की दिशा में उनके योगदान व समर्पण की सराहना की गई है। झारखंड से इस कैटेगरी में एकमात्र उन्होंने ही यह सम्मान पाया है। गुरुवार को विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने मयंक की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे विद्यालय परिवार सहित पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय बताया। साथ ही, अपनी शुभकामनाएं देते हुए आगे भी इसी प्रकार बेहतरी के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में तबला शिक्षक मयंक को विश्वरत्न सम्मान 2024 से भी नवाजा गया था। 26 वर्षीय मयंक को तबला-वादन के साथ-साथ गायन व नृत्य विधा की भी अच्छी जानकारी है। इसके पूर्व भी उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर टैलेन्ट हंट विजेता, टीचर इनोवेशन अवार्ड, राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार, यूथ फेस्टिवल गोल्ड अवार्ड, स्वर संगम अवार्ड, दूरदर्शन-आकाशवाणी पुरस्कार सहित अन्य कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं। विगत लगभग 10 वर्षों से वह तबला का शिक्षण के पेशे से जुड़े हैं। मयंक ने प्राचार्य डॉ. गंगवार के मार्गदर्शन एवं डीपीएस बोकारो परिवार के सहयोग के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की है।

संक्षिप्त खबरें

खदान के अंदर जल जमाव अधिक होने के कारण कार्य करने में हो रही परेशानी

कतरास : झींझी पहाड़ी पंचायत समिति सदस्य संजू देवी के नेतृत्व में आरके कार्यालय का घेराव किया गया लेकिन यहां स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिल रहा है यहां तक की बाहरी लोगों का प्रवेश हो रहा है जो जांच का विषय है बीसीसीएल एरिया चार के सलानपुर कोलियरी अन्तर्गत आर के कोल माइंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थानीय बेरोजगार ग्रामीणो को रोजगार नही दिए जाने को लेकर ग्रामीणों का नेतृत्व पंचायत समिति सदस्य संजू देवी ने गुहीबांध स्थित आरके कार्यालय का घेराव किया। झींझी पहाड़ी पंचायत समिति सदस्य संजू देवी ने बताई कि कतरास क्षेत्र अर्न्तगत सलानपुर कोलियरी में फ.ङ माईन्स का कार्य चल रहा है। कार्य क्षेत्र से सटे गांव जैसे झिंझी पहाडी, बेलंजाबाद रामकनाली एवं कतरास राजाबाडी गुहीबाध सलानपुर पडता है। लेकीन कम्पनी के द्वारा अभी तक स्थानीय बेरोजगार ग्रामीणों को रोजगार नही दिया गया है। झारखण्ड सरकार के गाईड लाईन के अनुसार स्थानीय बेरोजगार ग्रामीणों को 75 प्रतिशत पहला प्राथमिकता देना है। 8 दिनो के अन्दर यदि वार्ता नही किया गया तो बाध्य होकर फ.ङ कंपनी का अनिशचित कालीन के लिए चक्का जाम किया जायेगा। आर के कोल माइंस प्राइवेट लिमिटेड के के प्रबंधक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि बीसीसीएल एरिया 4 अंतर्गत आर के कंपनी को अंडरग्राउंड खदान चलाने के लिए एक साल का समय दिया था, लेकिन कार्य समय पर पूरा नहीं होने के कारण कंपनी को पुन: एक्सटेंशन दिया गया है, इन्होंने कहा कि खदान के अंदर जल जमाव अधिक है जिसके कारण कार्य करने में परेशानी उठाना पड़ रहा है। घेराव कार्यक्रम में दर्जनों महिलाएं बेरोजगार युवक मौजूद थे।

राजकासं की एएमपी कोलियरी की नयी कमेटी का हुआ गठन

बाघमरा : बीसीसीएल बरोरा एरिया के एएमपी कोलियरी में बुधवार को राष्ट्रीय जनता कामगार संघ की बैठक केन्द्रीय संगठन सचिव आशीष भानु सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन की मजबुती और एकजुटता पर बल दिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से यूनियन का नयी कमेटी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष राम दुलारे राम उपाध्यक्ष सुमन सिंह,दीपक कुमार पासवान , मदन गुप्ता, बृजनंदन चौहान, सचिव उपेन्द्र गोप,सह सचिव योगेंद्र मिस्त्री ,संगठन सचिव चन्दन सिंह कोषाध्यक्ष अजय कुमार सह कोषाध्यक्ष के अलावा 11 कार्यकारिणी सदस्य चुने गये। मौके पर एरिया अध्यक्ष ब्रजेश सिंह, असंगठित अध्यक्ष शनि चौहान, सीताराम बाउरी,लाल बहादुर, राजीव शर्मा, प्रमेन्द्र कुमार,सनोज पासवान , धर्मेन्द्र चौधरी, कृष्णा चौहान, रंजीत शर्मा ,पवन कुमार, यकीन अंसारी, मैनेजर यादव, बसंत कुमार, जयप्रकाश सिंह ,एतवा उरांव आदि उपस्थित थे।

अंगारपथरा में सूरज महतो ने की नुक्कड़ सभा

कतरास : अंगारपथरा में नुकड़ सभा का आयोजन किया गया, सभा की अध्यक्षता अजय यादव ने किया। मंच पर संबोधन करते हुए जन शक्ति दल के सुप्रीमो सूरज महतो ने कहा है कि एक परिवार को 25 टन कोयले का डिओ लगाने दिया जाय तो 1 से 5 तक के बीसीसीएल एरिया में 85 परिवार 50 हजार रुपए महीना कमाएगा। पूर्व विधायक बाघमारा में रोजगार देने का काम नही किया है। जिसके कारण यहां के नौजवान दर दर भटक रहा है। ऐसा प्रत्याशी जो 2024 के विधान सभा चुनाव में जनता के बीच आकर एक बार फिर वोट देने के लिए अपील करगे, मैं शिक्षा,रोजगार तथा स्वास्थ्य को सुधरना चाहते हैं। मौके पर राजाराम यादव, चंद्रदीप यादव, सुनील कुमार, बिक्रम पांडे, अजय यादव, सोनू सिंह, बिनोद रजक इत्यादि लोग मौजूद थे।

संकल्प एजुकेशन ने चलाया जागरूकता अभियान

धनबाद : गुरुवार को संकल्प एजुकेशन के द्वारा बगदाहा राजगंज के विभिन्न टोला में नवोदय जागरूकता अभियान चलाया गया। अभिभावकों को संबोधित करते हुए संकल्प एजुकेशन के निदेशक सहदेव महतो ने कहा कि नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है। प्रत्येक बच्चे को इसमें सम्मिलित होना चाहिए उन्होंने इस परीक्षा के विषय में बताया कि कक्षा 5 में अध्यनरत छात्र-छात्राएं जो किसी सरकारी अथवा मान्यता प्राप्त विद्यालय में अध्यनरत है परीक्षा में सम्मिलित होने के पात्र हैं। 18 जनवरी 2025 को प्रवेश परीक्षा होना तय है । अभी इसका आवेदन पत्र भरा जा रहा है जो 16 सितंबर तक चलेगा । आवेदन करने वाले अभ्यर्थी का जन्म 1 मई 2013 से 31 जुलाई 2015 के बीच होना चाहिए ।ग्रामीण क्षेत्र के अभ्यर्थियों के लिए 75 प्रतिशत जबकि शहरी क्षेत्र के अभ्यर्थियों के लिए 25 प्रतिशत सीट आरक्षित है । छात्राओं के लिए एक बटा तीन सीट आरक्षित है। अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जा रहे हैं। अभियान मे संकल्प एजुकेशन की पूरी टीम लगी हुई है जिससे अधिक से अधिक बच्चे परीक्षा में सम्मिलित हो सके।

एक नजर

'झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा' के नाम से जानी जाएगी जयराम की पार्टी

रांची : टाइगर जयराम महतो की पार्टी को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया से मान्यता मिल गयी है। इसके बाद गैर राजनीतिक संगठन झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) अब झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के नाम से जानी जायेगी। जेएलकेएम पार्टी का रजिस्ट्रेशन नंबर 56/042/42024 है। पार्टी निबंधन के बाद जयराम महतो ने एक सूचना जारी की है। उन्होंने कहा कि जो भी इस राजनीतिक दल से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं, वे अपनी दावेदारी विधानसभा सीट के साथ कर सकते हैं। आवेदन फार्म प्रधान कार्यालय धनबाद से प्राप्त किया जा सकता है। लोकसभा चुनाव में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने के बाद संगठन ने राजनीतिक दल के रूप में निबंधन कराने की घोषणा की थी, जिसे चुनाव आयोग से मान्यता मिल गयी। इसी के साथ झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का झारखंड में एक नये क्षेत्रीय दल के रूप में उदय हो गया है।

विनोद सिंह और राजकुमार पाहन ने कोर्ट में किया सरेंडर

रांची : भूमि घोटाला मामले के आरोपित एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी आर्किटेक्ट विनोद सिंह और इसी केस के दूसरे आरोपित राज कुमार पाहन ने रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में गुरुवार को सरेंडर कर दिया है। इसके साथ ही कोर्ट में एक लाख के बॉन्ड भी जमा किये, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इससे पहले दोनों ने अपनी अग्रिम जमानत की अर्जी वापस ले ली थी। ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े भूमि घोटाला मामले में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दायर की है, जिसमें विनोद सिंह और राजकुमार पाहन को भी अभियुक्त बनाया गया है। ईडी की पीसी पर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है, जिसके बाद राजकुमार और विनोद पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। हालांकि कोर्ट में बॉन्ड जमा किए जाने के बाद अब इन्हें राहत मिली है।

डीजीपी से मिला फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन का प्रतिनिधिमंडल

रांची : फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन (एफएवीएस) के अध्यक्ष दीपेश कुमार निराला की अध्यक्षता में गुरुवार को पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता से मिलकर उनको लिखित रूप से राजधानी रांची में यातायात की व्यवस्था से संबंधित 16 बिंदुओं पर सुझाव साझा किए। इसमें मुख्य रूप से कहा गया है कि रांची नगर निगम के आयुक्त सह प्रशासक ने वर्तमान में जिस प्रकार छोटे मालवाहक वाहनों के नो-एंट्री के समय को बढ़ाकर दिन में केवल 12 बजे से पांच तक अर्थात केवल पांच घंटे किया है, उससे रांची की यातायात व्यवस्था को नहीं सुधारा जा सकता है। इसके लिए कई परिवर्तन जरूरी हैं, जिससे रांची में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाया जा सकता है। रांची में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि रांची की ट्रैफिक पुलिस, रांची नगर निगम, परिवहन विभाग, रांची जिला प्रशासन, पथ निर्माण विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, ऊर्जा विभाग और जुडको साथ मिलकर एवं समन्वय बनाकर काम करें। पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष दीपेश कुमार निराला, उपाध्यक्ष उमाशंकर सिंह और रेणुका तिवारी, महासचिव सत्येंद्र प्रसाद सिंह, कोषाध्यक्ष विनोद बेगवानी जैन और कार्यकारिणी सदस्य सह सहसंयोजक लॉ एंड ऑर्डर कमिटी हरीश नागपाल सम्मिलित थे।

विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर रांची विश्वविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

पढ़ाई के लिए बना है बेहतर माहौल : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा है कि आज हालात बदल चुके हैं और पढ़ाई के लिए पहले से बेहतर माहौल बना हुआ है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि अधिक से अधिक लोग उच्च शिक्षा हासिल करें। साथ ही, जनजातियों को पढ़ाई के लिए दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए। अपने कार्यों से समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरना चाहिए, जिस प्रकार आज जनजातियों की परंपरा और संस्कृति का पूरे विश्व में उदाहरण दिया जाता है, उसी प्रकार शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में भी उन्हें पिछड़ा न समझा जाए, आदर्श माना जाय।

राज्यपाल गंगवार गुरुवार को रांची विश्वविद्यालय में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कल विश्व आदिवासी दिवस है। मुझे खुशी है कि रांची विश्वविद्यालय ने संयुक्त राष्ट्र संघ के थीम प्रोटेक्टिंग द राइट्स ऑफ इंडीजिनस पिपुल इन वोलेंटरी आइसोलेशन एंड इंनिसियल कांटेक्ट पर जोहार संगी 24 का आयोजन किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में सार्वजनिक स्तर पर यह मेरा पहला कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में आप सभी के बीच सम्मिलित होकर अभिभूत हूं। झारखंड वीरों की भूमि है, जहां धरतीआबा बिरसा मुंडा, बीर बुधु भगत, सिदो-कान्हु, चांद-भैरव, फूलो-झान्हो, जतरा उरांव जैसे महान सपूतों ने अपनी मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। इन महान सपूतों का जन्म जनजाति समुदाय में हुआ था और उन सभी ने अपने उल्लेखनीय कार्यों से दिखाया कि वीरता और यश के लिए किसी विशिष्ट जाति और कुल की जरूरत नहीं है, बल्कि श्रेष्ठ कर्म की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर मैं इन महान सपूतों के प्रति अपनी श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं, जिन्होंने हमारी मातृभूमि के लिए संघर्ष किया और अपने प्राणों की भी परवाह नहीं की।

उन्होंने कहा कि अति प्राचीन काल से ही जनजातीय समुदाय भारतीय सभ्यता और संस्कृति के महत्वपूर्ण अंग रहे हैं। उनकी कला, संस्कृति, लोक साहित्य, परंपरा और रीति-रिवाज की ख्याति विश्व स्तर पर है। जनजातीय गीत और नृत्य अत्यंत मनमोहक होते हैं, जो सभी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। मुझे गर्व है कि हमारे जनजाति भाई-बहन प्रकृति प्रेमी होते हैं, जिसकी झलक उनके पर्व-त्योहारों में दिखती है।

झारखंड राज्य की 3.28 करोड़ से अधिक की आबादी में, जनजातियों की संख्या लगभग 27 प्रतिशत है। राज्य में 32 प्रकार की अनुसूचित जनजातियां हैं, जिनमें 8 प्रकार के पीवीटीजी भी शामिल हैं। अधिकांश जनजाति लोग गांवों में निवास करते हैं और उनके पास विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न प्रकार की विधा होती है।

निर्मल महतो की शहादत झारखंडियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है : सुदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के आंदोलनकारी शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस पर ऑल झारखण्ड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) के सुप्रीमो व विधायक सुदेश महतो ने जेल चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर सुदेश महतो ने कहा कि शहीद निर्मल महतो की शहादत हम झारखंडियों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती है। निर्मल दा का सपना और उनके आदर्श को जीवन में उतारने की जरुरत है। आज झारखंड के लोगों को उनके सपने को साकार करने की जरुरत है। हम उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि उनके आदर्श को अपने जीवन में उतारकर दे सकते हैं। इस अवसर पर सुदेश महतो ने निर्मल की हत्या पर टिप्पणी करते हुए कहा कि संभवता यह राजनीतिक हत्या हो सकती है, क्योंकि हत्यारा अब तक पकड़ा नहीं जा सका है। इसलिए सरकार को उचित जांच करानी चाहिए। आजसू के महासचिव देवशरण भगत ने कहा कि निर्मल दा की शहादत हमें ऊर्जा प्रदान करती है। उनके आदर्श आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। आदिवासी मूलवासी जन अधिकार मंच के अध्यक्ष राजू महतो ने कहा कि शहीद निर्मल महतो को झारखंड सरकार की ओर सम्मानित किया जाना चाहिए। इसके लिए विधानसभा में आदमकद मूर्ति तथा तथा झारखंड के स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम में शाहिद निर्मल महतो की वीरता भारी गाथा पढ़ाई जानी चाहिए। इसके अलावा अन्य नेताओं ने भी निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

हाई कोर्ट से सजायाफ्ता पूर्व विधायक पौलूस सुरीन को नहीं मिली जमानत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने पुलिस मुखबिरी के आरोप में भूषण कुमार सिंह और राम गोविंद की हत्या मामले में सजायफ्ता पूर्व तोरपा के विधायक पौलूस सुरीन की जमानत याचिका खारिज कर दी।

गुरुवार को झारखंड हाई कोर्ट में पौलूस सुरीन की ओर से सजा के खिलाफ दाखिल क्रिमिनल अपील पर सुनवाई हुई। दरअसल, अपर न्यायाधीश दिनेश कुमार की कोर्ट ने पौलूस सुरीन और नक्सली जेठा कच्छप को दोहरे हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने पौलूस सुरीन पर 25 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है, जबकि जेठा कच्छप पर 45 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर दोनों अभियुक्तों को 1 साल की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। पौलूस सुरीन दो बार झामुमो के विधायक रह चुके हैं। पौलूस सुरीन ने अपनी सजा के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील दाखिल की है। हाई कोर्ट ने गुरुवार को इस मामले में पूर्व विधायक सुरीन की जमानत याचिका खारिज कर दी। घटना खूंटी के तोरपा में साल 2013 की है। पुलिस मुखबिर भूषण सिंह और राम गोविंद की हत्या कर दी गई थी। मामले में पौलूस सुरीन, नक्सली जेठा कच्छप, कृष्णा महतो और तीन महिला समेत छह आरोपित ट्रायल फेस कर रहे थे। इसी मामले में पीएफएलआई सुप्रीमो दिनेश गोप भी ट्रायल फेस रहे हैं। अभियोजन पक्ष की ओर से 12 गवाह पेश किए गए थे, जबकि बचाव पक्ष की ओर से एक गवाह पेश किया गया। हत्याकांड की घटना को लेकर कर्रा थाना में केस दर्ज हुआ था। अपराधियों ने इन दोनों की घर के सामने चबूतरा में अंधाधुंध फायरिंग कर हत्या कर दी थी।

संताल में आदिवासी समाज अपनी पहचान बचाने की कर रहा जद्दोजहद : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के जनसंख्या विस्फोट के कारण संथाल परगना में आदिवासी समाज अपनी पहचान बचाने की जद्दोजहद कर रहा है। उन्होंने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि आदिवासियों के अस्तित्व को मिटाने का षड्यंत्र सिर्फ जमीन की लूट और लव जिहाद तक ही सीमित नहीं है, बांग्लादेशी घुसपैठिए संथाल आदिवासियों को नशे की गिरफ्त में फंसाकर उन्हें बर्बाद करने की साजिश रहे हैं। बाबूलाल ने आगे

लिखा कि वर्तमान समय में आदिवासी समाज पर इतना विकराल संकट छाया है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री द्वारा बांग्लादेशी घुसपैठियों के पक्ष में बयान देना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। हेमंत ने सदन के अंदर बांग्लादेशी घुसपैठियों का बचाव कर अपनी मंशा बिल्कुल स्पष्ट कर दी है कि जेएमएम-कांग्रेस सरकार की प्राथमिकता अपने मुस्लिम वोट बैंक को संरक्षण देना है, ना कि अस्तित्व संकट से जूझ रहे आदिवासी समाज को।

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने भी एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अगर जनता को ठगने की कोई प्रतियोगिता होती तो झामुमो-कांग्रेस-राजद ठगबंधन सरकार इसमें स्वर्ण पदक पाती। एक तरफ मुफ्त बिजली देने का ढकोसला और दूसरी तरफ जनता का जीना मुश्किल कर देना। इन ठग नीतियों का जवाब झारखंड की जनता जल्दी देगी।

झारखंड के 1041 विद्यालयों में जनजातीय भाषा आधारित शिक्षा को मिल रहा तवज्जो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य के स्कूली बच्चों को मातृभाषा एवं जनजाति भाषाओं में शिक्षा देने के लिए झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा लगातार पहल की जा रही है। मातृभाषा बच्चों के द्वारा सीखी जाने वाली पहली भाषा होती है, जो परिवार, समुदाय एवं सांस्कृतिक परंपराओं से उन्हें जोड़ती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में बहुभाषावाद, स्थानीय एवं क्षेत्रीय भाषा के प्रभाव को अंकित किया गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा 15 जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओ यथा संथाली, हो, मुंडारी, कुडुख, खड़िया, माल्टो, भूमिज, बिरहोर, असुर तथा क्षेत्रीय भाषाओं यथा उड़िया, बांग्ला, पंचपरगनिया, कुड़माली, खोरठा एवं नागपुरी को शिक्षण कार्यक्रमों के लिए चिह्नित किया गया है।

वर्तमान में बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम के तहत राज्य के छह जिलों में मातृभाषा एवं जनजातीय भाषा आधारित शिक्षा दी जा रही है। यूनिसेफ के सहयोग के सहयोग से राज्य के 259 स्कूलों में बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम एमटीबी -एमएलई शुरू किया गया था। इसके अंतर्गत पांच जनजातीय भाषाओं यथा मुंडारी, कुड़ुख, हो, खड़िया एवं संताली भाषा में बच्चों को शिक्षा दी जा रही थी। इस वर्ष इसका विस्तार 1041 विद्यालयों में किया गया है।

महर्षि पतंजलि ने योगसूत्र के माध्यम से आत्मसंयम, ध्यान और नैतिकता का महत्व परिभाषित किया : डा शैलेश मिश्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजकीय संस्कृत महाविद्यालय के वरीय प्राध्यापक डा. शैलेश कुमार मिश्र ने कहा कि महर्षि पतंजलि ने अपने योगसूत्र के माध्यम से आत्मसंयम, ध्यान, और नैतिकता के महत्व को पारिभाषित किया है। डा. मिश्र पतंजलि जयन्ती की पूर्व सन्ध्या पर गुरुवार को डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्बोधित कर रहे थे।

महर्षि पतंजलि को उद्धत करते हुए उन्होंने कहा कि योग मात्र शारीरिक व्यायाम नहीं अपितु यह आत्मा और शरीर के सामंजस्य का माध्यम है। महर्षि पतंजलि द्वारा प्रतिपादित अष्टांग योग का प्रत्येक अंग मानव जीवन में अनुशासन, संयम और मानसिक शांति लाने का मार्ग है।

डा. मिश्र ने आगे कहा कि आज की इस भागदौड़ भरी जीवनशैली में पतंजलि के सिद्धांत और योग के अभ्यास अत्यधिक प्रासंगिक हैं। योग हमें तनावमुक्त और स्वस्थ रखने में सहायक सिद्ध होता है। इसके नियमित अभ्यास से न केवल हमारी शारीरिक क्षमता में वृद्धि होती है, बल्कि मानसिक शांति और स्थिरता भी प्राप्त होती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के संस्कृत विभागाध्यक्ष डा. धनंजय वासुदेव द्विवेदी के कहा कि महर्षि पतंजलि ने महाभाष्य के माध्यम से संस्कृत भाषा को एक संगठित और वैज्ञानिक स्वरूप प्रदान किया। उनकी रचनाएं न केवल भाषा के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि वे भारतीय दर्शन और ज्ञान के व्यापक क्षेत्र में भी अमूल्य योगदान देती हैं। योगसूत्रों के माध्यम से उन्होंने योग की वैज्ञानिक विधियों को प्रस्तुत किया, जो आज भी हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने आगे कहा कि महर्षि पतंजलि की रचनाएं भारतीय ज्ञान, दर्शन और संस्कृति की समृद्ध धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। हमें इस धरोहर को संजोने और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी पतंजलि के अमूल्य योगदान से लाभान्वित हो सकें।

विभागीय शिक्षिका डा. श्रीमित्रा ने कहा कि विद्यार्थियों को पतंजलि के योगसूत्रों का अध्ययन करना चाहिए और उसे जीवन में उतारना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग केवल आसनों तक सीमित नहीं है, यह एक सम्पूर्ण जीवन पद्धति है, जो हमें जीवन के हर पहलू में मार्गदर्शन करता है।

विभागीय शिक्षक डा. जगदम्बा प्रसाद ने कहा कि पतंजलि के योगसूत्र न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि योग केवल एक व्यायाम प्रणाली नहीं है बल्कि यह आत्मा, मन और शरीर का सामंजस्य स्थापित करने का एक साधन है।

विशिष्ट अतिथि पारंगत खलखो ने कहा कि इस प्रतिस्पर्धात्मक और तनावपूर्ण जीवनशैली में पतंजलि के योगसूत्र हमें मानसिक शांति और संतुलन बनाए रखने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि पतंजलि का योगशास्त्र हमें आत्म-नियंत्रण, अनुशासन और आंतरिक शांति की ओर प्रेरित करता है, जो कि आज के युग में अति आवश्यक है।

संक्षिप्त खबरें

एनसीएसटी की तीन सदस्यीय टीम 11 से 13 अगस्त तक करेगी संताल का भ्रमण

रांची : राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की तीन सदस्यीय टीम 11 से 13 अगस्त तक संतालपरगना क्षेत्र का भ्रमण करेगी। आयोग की तीम सदस्यीय टीम में डा. आशा लकड़ा, जाटोतु हुसैन व निरुपम चाकमा शामिल हैं। 26 जुलाई की रात केकेएम कालेज पाकुड़ के छात्रावास परिसर में पुलिस की ओर से बेरहमी पूर्वक आदिवासी छात्रों की पिटाई की गई थी। इस घटना में व 18 जुलाई की शाम महेशपुर प्रखंड स्थित गायबथान (जिला पाकुड़) गांव में जमीन विवाद को लेकर बाबुरजी हेंब्रम के बीच मारपीट हुई थी। 28 जुलाई को आयोग की ओर से नोटिस जारी कर मुख्य सचिव झारखंड एल ख्यिांग्ते, महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक झारखंड अनुराग गुप्ता, पुलिस अधीक्षक पाकुड़ व उपायुक्त पाकुड़ से इस मामले की जांच कर तीन दिनों के अंदर रिपोर्ट की मांग की गई थी। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आयोग की ओर से निर्णय लिया गया है कि तीन सदस्यीय टीम संथाल परगना क्षेत्र में बदल रही डेमोग्राफी की जांच करेगी।

आंदोलन कर रहे सहायक पुलिसकर्मियों को मोरहाबादी मैदान खाली करने का आदेश

रांची : जिला प्रशासन ने गुरुवार को पिछले 36 दिनों से आंदोलन कर रहे सहायक पुलिसकर्मियों को मोरहाबादी मैदान 24 घंटे में खाली करने का आदेश दिया है। स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर मैदान खाली करने का यह आदेश दिया गया है। साथ ही जिला प्रशासन ने मोरहाबादी मैदान में धारा 144 भी लागू कर दिया है। झारखंड के सहायक पुलिसकर्मी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। बीते दो जुलाई से सहायक पुलिसकर्मी मोरहाबादी मैदान में डटे हैं। स्वतंत्रता दिवस को लेकर प्रशासन को मोरहाबादी मैदान की साफ-सफाई और घेराबंदी करनी है, इसलिए सहायक पुलिसकर्मियों को मैदान खाली करने का आदेश दिया गया है। दूसरी तरफ सहायक पुलिसकर्मियों द्वारा निर्णय लिया जायेगा कि आगे क्या करना है। आंदोलन समाप्त करना है या फिर आंदोलन स्थल को बदलना है। सहायक पुलिसकर्मियों के अनुसार, उन्हें उम्मीद थी कि कैबिनेट में सरकार द्वारा जो आश्वासन दिया गया था, उसे लिखित में लाया जायेगा। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। झारखंड पुलिस में समायोजन की मांग को लेकर मोरहाबादी मैदान में धरना दे रहे सहायक पुलिसकर्मी 19 जुलाई को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने निकले थे। इस दौरान उनपर झारखंड पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। सहायक पुलिसकर्मियों की बहाली दस हजार रुपये के मानदेय पर राज्य के 12 जिले गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, दुमका व गिरिडीह में हुआ था।

विहिप ने केंद्र सरकार से की बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा की मांग

रांची : विश्व हिंदू परिषद की झारखंड सेवा विभाग एवं राष्ट्रीय सनातन एकता मंच के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे नरसंहार, मंदिरों, गुरुद्वारों एवं सभी धार्मिक स्थलों में हो रही तोड़फोड़ हिंसा की घटना की निंदा की। गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार से अतिशीघ्र बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है और कहा कि हिंसा, हिंदू नरसंहार, विचित्र अनिश्चितता अराजकता के बीच अशांत बांग्लादेश में हिंदुओं का जीवन भयभीत एवं असुरक्षित है, जो कि सनातन हिंदू समाज के लिए बहुत ही चिंतनीय एवं सोचनीय विषय है। वहां पीड़ित अल्पसंख्यकों की हालत बद से बदतर होती जा रही है। ऐसे में विश्व समुदाय की यह जिम्मेदारी है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा एवं मानवाधिकारों की रक्षा के लिए तुरंत प्रभावी कार्रवाई करें। केंद्र सरकार बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने को ठोस पहल करे। उन्होंने कहा कि पूरे बांग्लादेश में हिंदू नरसंहार तथा हिंदुओं के प्रतिष्ठानों, घरों, मंदिरों, गुरुद्वारों में कट्टरपंथी तोड़फोड़ व लूटपाट कर रहे हैं। बांग्लादेश में शायद ही कोई ऐसा जिला बचा हो जो इनकी हिंसा एवं आतंक का निशाना न बना हो। बांग्लादेश में 32 प्रतिशत से अब 8 प्रतिशत बचे हिंदू लगातार जिहादी उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं।

बीएयू वैज्ञानिकों ने पालाजोरी, पश्चिमी सिंहभूम में बकरियों के लिए लगाया स्वास्थ्य शिविर

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में चल रही बकरी सम्बन्धी अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की टीम ने पश्चिमी सिंहभूम जिले में अवस्थित बाराबंकी प्रजनन क्लस्टर का भ्रमण किया और विषाणुजनित पीपीआर रोग से बचाव के लिए 471 बकरियों का टीकाकरण किया। मोरबिली वायरस से फैलनेवाली इस बीमारी से बकरियों में भारी मात्रा में रुग्णता और मृत्यु होती है। टीम ने बकरियों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाया, पशुपालकों की बीमार बकरियों के लिए दवा वितरित किया तथा किसान गोष्ठी आयोजित कर रोग प्रबंधन के लिए आवश्यक वैज्ञानिक परामर्श भी दिया। बीएयू की पशु आनुवंशिकी विशेषज्ञ तथा परियोजना की प्रधान अन्वेषक डॉ नंदनी कुमारी ने बताया कि वर्ष 2019 की पशु जनसंख्या के अनुसार झारखण्ड में बकरी की आबादी 91 लाख है और बकरी जनसंख्या के मामले में झारखण्ड का देश में आठवां स्थान है। पिछले पांच वर्षों में झारखण्ड में बकरी की आबादी में 38.59 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी और आबादी वृद्धि की राज्यवार दर के मामले में झारखण्ड का स्थान देश में पश्चिम बंगाल के बाद दूसरा है। अपने मांस की गुणवत्ता और बहुप्रसवता के लिए जानी जानेवाली ब्लैक बंगाल बकरी झारखण्ड के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए थाती है। यहां बड़ी संख्या में इसकी उपलब्धता के कारण पशुपालकों के हित में इसके आनुवंशिक सुधार तथा नयी क्रॉसब्रीड नस्ल के विकास की काफी संभावनाएं है। किसानों को लाभकारी बकरीपालन के लिए संतुलित आहार, बकरियों को दवा के घोल में डुबाने, कृमि मुक्त करने, गंभीर रोगों से बचाव के लिए टीकाकरण आदि की जानकारी दी गयी। उन्हें पोषण से भरपूर मुनगा (सहजन) के पौधे लगाने तथा बकरियों को इसके पत्ते खिलाने की सलाह दी गयी। इस आइसीएआर परियोजना का उद्देश्य बकरी पालन की वैज्ञानिक एवं नवोन्मेषी बिधि द्वारा ब्लैक बंगाल बकरियों का चयन एवं नस्ल सुधार कर किसानों का सामाजिक- आर्थिक विकास करना है। परियोजना के तहत वर्तमान में चार प्रजनन केंद्र- बाराबंकी (पूर्वी सिंहभूम), टिको (लोहरदगा), पालाजोरी (देवघर) एवं चामगुरु (रांची) में चल रहे हैं। जनजातीय उप योजना (टीएसपी) तथा अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी) के अंतर्गत भी इस परियोजना में सम्बंधित वर्गों के बकरी पालकों को कई प्रकार का सहयोग प्रदान किया जाता है।

प्रकृति, शिव और समाज से जोड़ती है कांवड़ यात्रा

डॉ. आशीष वशिष्ठ

धार्मिक आस्थाओं के साथ सामाजिक सरोकारों से रची कांवड़ यात्रा वास्तव में जल संचय की अहमियत को उजागर करती है। कांवड़ यात्रा की सार्थकता तभी है जब आप जल बचाकर और नदियों के पानी का उपयोग कर अपने खेत-खलिहानों की सिंचाई करें और अपने निवास स्थान पर पशु-पक्षियों और पर्यावरण को पानी उपलब्ध कराएं तो प्रकृति की तरह उदार शिव सहज ही प्रसन्न होंगे। विभिन्न धमार्चार्यों का भी यही मत है शिव की सच्ची उपासना केवल पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन से ही संभव है। कलियुग में विषपान करने के लिए शिव ने ही पौधों का रूप लिया है। गंगा सहित सभी नदियां शिव की तरह जीवनदायिनी हैं। इन्हें बचाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

कांवड़ का अर्थ है परात्पर शिव के साथ विहार। अर्थात ब्रह्म यानी परात्पर शिव, जो उनमें रमण करे वह कांवड़िया। प्रत्येक वर्ष श्रावण मास में लाखों की तादाद में कांवड़िए दूर-दराज से आते हैं और अपने आसपास के स्थानों से गंगा जल भरते हैं, तत्पश्चात पदयात्रा कर अपने-अपने स्थानों को वापस लौट जाते हैं। इसी यात्रा को कांवड़ यात्रा कहा जाता है। फिर चतुर्दशी के दिन उस गंगा जल से अपने आसपास शिव मंदिरों में शिव का अभिषेक किया जाता है और शिव जी से अपनी और अपनों की सुख शांति की प्रार्थना की जाती है। कहने के लिए तो ये बस एक धार्मिक आयोजन मात्र है, लेकिन इसका सामाजिक और धार्मिक महत्व बहुत है। इसका सामाजिक सरोकार भी है।

कांवड़ के माध्यम से जल की यात्रा का यह पर्व सृष्टि रूपी शिव की आराधना के लिए है। जल आम आदमी के साथ-साथ पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों, धरती में निवास करने वाले हजारों-लाखों तरह के कीड़े-मकोड़ों और समूचे पर्यावरण के लिए बेहद आवश्यक तत्व है। उत्तर भारत की भौगोलिक स्थिति को देखें तो यहां के मैदानी इलाकों में मानव जीवन नदियों पर ही आश्रित है। कांवड़िए जलस्त्रोत से एक बार जल भरकर उसे अभीष्ट कर्म के पूर्व अर्थात शिवजी को अर्पण करने के पहले भूमि पर नहीं रखते हैं। इसके मूल में भावना यह है कि जलस्त्रोत से प्रभु को सीधे जोड़ा है जिससे धारा प्राकृतिक रूप से उन पर बनी रहे एवं उनकी कृपा हमारे ऊपर भी सतत धारा के अनुसार बहती रहे जिससे संसार सागर को सुगमता से पार किया जा सके।

भोलेनाथ के भक्त यूं तो साल भर कांवड़ चढ़ाते रहते हैं, लेकिन सावन में इसकी धूम कुछ ज्यादा ही रहती है क्योंकि यह मास भगवान शिव को समर्पित है। अब तो उत्तर भारत में खासतौर पर दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी व पूर्वी यूपी में कांवड़ यात्रा एक पर्व कुंभ मेले के समान एक महाआयोजन का रूप ले चुकी है। काशी और देवघर में भी कांवड़ यात्रा का खासा महत्व है। पिछले डेढ़ दशक में कांवड़ यात्रा की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

बहुत कम लोग जानते हैं कि भगवान शिव पर सबसे पहले कांवड़ किसने चढ़ाया और इसकी शुरूआत कैसे हुई। कुछ कथाओं के भगवान परशुराम ने अपने आराध्य देव शिव के नियमित पूजन के लिए पुरा महादेव में मंदिर की स्थापना कर कांवड़ में गंगाजल से पूजन कर कांवड़ परंपरा की शुरूआत की, जो आज भी देशभर में काफी प्रचलित है। कांवड़ की परंपरा चलाने वाले भगवान परशुराम की पूजा भी श्रावण मास में की जानी चाहिए। पौराणिकता मान्यता है कि कांवड़ यात्रा एवं शिवपूजन का आदिकाल से ही अन्योन्याश्रित संबंध है। महाकवि कालिदास ने हिमालय को शिव का प्रतिरूप बताते हुए इसके सांस्कृतिक, भौगोलिक और धार्मिक महत्त्व को रेखांकित किया है। यों भी कह सकते हैं कि कांवड़ यात्रा शिव के कल्याणकारी रूप और निष्ठा के नीर से उसके अभिषेक को तीव्र रूप में प्रतिध्वनित करती है।

उत्तर भारत में भी गंगाजी के किनारे के क्षेत्र के प्रदेशों में कांवड़ का बहुत महत्व है। राजस्थान के मारवाड़ी समाज के लोगों के यहां गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बदरीनाथ के तीर्थ पुरोहित जो जल लाते थे और प्रसाद के साथ जल देते थे, उन्हें कांवड़िए कहते थे। ये लोग गोमुख से जल भरकर रामेश्वरम में ले जाकर भगवान शिव का अभिषेक करते थे। दरअसल, यह एक प्रचलित परंपरा थी। लगभग 6 महीने की पैदल यात्रा करके वहां पहुंचा जाता था। इसका पौराणिक तथा सामाजिक दोनों महत्व है। इससे एक तो हिमालय से लेकर दक्षिण तक संपूर्ण देश की संस्कृति में भगवान का संदेश जाता था। इसके अलावा भिन्न-भिन्न क्षेत्रों की लौकिक और शास्त्रीय परंपराओं के आदान-प्रदान का बोध होता था, लेकिन अब इस परंपरा में परिवर्तन आ गया। कांवड़ यात्रा का धार्मिक महत्व तो जगजाहिर है, लेकिन इस कांवड़ यात्रा से वैज्ञानिकों ने उत्तम स्वास्थ्य भी जोड़ दिया है। प्रकृति के इस खुबसूरत मौसम में जब चारों तरफ हरियाली छाई रहती है तो कांवड़ यात्री भोलेनाथ को जल चढ़ाने के लिए पैदल चलते हैं। पैदल चलने से हमारे आसपास के वातावरण की कई चीजों का सकारात्मक प्रभाव हमारे मन मस्तिष्क पर पड़ता है। चारों तरफ फैली हरियाली आंखों की रोशनी बढ़ाती है। वहीं ओस की बूंदे नंगे पैरों को ठंडक देती हैं तथा सूर्य की किरणें शरीर को रोगमुक्त बनाती हैं। ये यात्रा प्रकृति और मानव के संबंधों में नई उष्मा, निकटता एवं प्रेम को बढ़ाती है। डॉक्टरों के मुताबिक धार्मिक चेतना से मानव जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कांवड़ यात्रा स्वास्थ्यप्रद होती है। पैदल, नाचते-गाते और दौड़ लगाते हुए शिवभक्त जाते हैं। इससे शरीर में खुशी के हार्मोंस जेनरेट होते हैं। व्यक्ति तनाव मुक्त हो जाता है। पैदल चलने से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और हार्ट और फेफड़ों को शुद्ध ऑक्सीजन मिलती है।

पवित्र गंगा को स्वर्ग अर्थात पहाड़ों से पृथ्वी अर्थात मैदानी इलाकों में लाने के लिए महान शिव के द्वारा जिस श्रमदान का आयोजन किया गया वह उस समय अत्यंत दुष्कर कृत्य रहा होगा। पर्वतों के बीच गमन करना और श्रमदान करना निश्चित ही कोई सुगम कार्य नही रहा होगा। कितने ही किसान-श्रमिक कर्तव्य की बलिवेदी पर न्योछावर हुए होंगे। यह बात वह शिव भक्त कांवड़िये आसानी से समझ सकते हैं जो गोमुख या उसके भी ऊपर ऊंचाइयों से जल लाने हेतु पैदल पद यात्रा करते हैं। उसी महान श्रमदान की स्मृति आज भी कांवड़ के विशाल आयोजन में संरक्षित दिखाई पड़ती है।

संभवतः हताहत तथा कालकलवित हुए कृषकों व श्रमिकों की आत्मा की शांति की कामना के लिए उसी पवित्र जल से शिव को जलाभिषेक करने की उज्जवल परम्परा का विकास कांवड़ यात्रा में कहीं न कहीं दृष्टिगोचर होता है। इस तथ्य से यह भी जाना जा सकता है कि जो जल हमें आज इतनी आसानी से प्राप्त है वह कितना मूल्यवान है। नदियों से दूरदराज रहने वाले लोगों को पानी का संचय करके रखना पड़ता है। हालांकि मानसून काफी हद तक इनकी आवश्यकता की पूर्ति कर देता है तदापि कई बार मानसून का भी भरोसा नहीं होता है। ऐसे में बारहमासी नदियों का ही आसरा होता है, इसके लिए सदियों से मानव अपने इंजीनियरिंग कौशल से नदियों का पूर्ण उपयोग करने की चेष्टा करता हुआ कभी बांध तो कभी नहर तो कभी अन्य साधनों से नदियों के पानी को जल विहिन क्षेत्रों में ले जाने की कोशिश करता रहा है। लेकिन आबादी का दबाव और प्रकृति के साथ मानवीय व्यभिचार की बदौलत जल संकट बड़े रूप में उभर कर आया है।

धार्मिक संदर्भ में कहें तो इंसान ने अपनी स्वार्थपरक नियति से शिव को रूष्ट किया है। कांवड़ यात्रा का आयोजन अति सुन्दर बात है। कांवड़ यात्रा में शामिल हर कांवड़िए को इस महत्वपूर्ण यात्रा महत्ता व अंतर्निहित संदेश को समझना होगा। प्रतीकात्मक तौर पर कांवड़ यात्रा का संदेश इतना भर है कि आप जीवनदायिनी नदियों के लोटे भर जल से जिस भगवान शिव का अभिषेक कर रहे हैं वे शिव वास्तव में सृष्टि का ही दूसरा रूप हैं।

वास्तव में, धार्मिक आस्थाओं के साथ सामाजिक सरोकारों से रची कांवड़ यात्रा वास्तव में जल संचय की अहमियत को उजागर करती है। कांवड़ यात्रा की सार्थकता तभी है जब आप जल बचाकर और नदियों के पानी का उपयोग कर अपने खेत-खलिहानों की सिंचाई करें और अपने निवास स्थान पर पशु-पक्षियों और पर्यावरण को पानी उपलब्ध कराएं तो प्रकृति की तरह उदार शिव सहज ही प्रसन्न होंगे। विभिन्न धमार्चार्यों का भी यही मत है शिव की सच्ची उपासना केवल पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन से ही संभव है। कलियुग में विषपान करने के लिए शिव ने ही पौधों का रूप लिया है। गंगा सहित सभी नदियां शिव की तरह जीवनदायिनी हैं। इन्हें बचाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

विकास की महत्त्वाकांक्षा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यों से गरीबी मुक्त गांव बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने नीति आयोग की 9वीं शासी परिषद की बैठक के समापन अवसर पर शनिवार को कहा कि 2047 तक विकसित भारत, जो हर भारतवासी की महत्त्वाकांक्षा है, के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इसके लिए राज्यों की भागीदारी महत्त्वपूर्ण है। यह दशक तकनीकी और भू-राजनीतिक बदलावों और अवसरों का है, जिसका लाभ उठाया जाना चाहिए। मजे की बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी विकसित राष्ट्र के सफर में राज्यों की भागीदारी की बात कह रहे हैं, लेकिन बैठक में बिहार, केरल समेत 10 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश शामिल नहीं हुए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बैठक में पहुंचीं जरूर लेकिन अपना भाषण बीच में ही रोक देने का आरोप लगाते हुए उन्होंने बैठक का बहिष्कार कर दिया। इतनी महत्त्वपूर्ण बैठक से दस से ज्यादा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का शामिल न होना निश्चित ही दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि विकसित राष्ट्र की दिशा में अकेले-दुकेले की बढ़त से बात नहीं बनेगी। सभी की भागीदारी और सहयोग होना जरूरी है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, गरीबी उन्मूलन और आबादी का प्रबंधन जैसे तमाम मुद्दे हैं, जिनके लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अपने तईं प्रयास करने होंगे। जरूरी बन पड़ी नीतियों को क्रियान्वयन करके देश के आर्थिक विकास की दिशा में अपना महती योगदान देना होगा। बैठक में प्रधानमंत्री ने जो सबसे महत्त्वपूर्ण बात कही वह थी गरीबी-मुक्त गांव की दिशा में काम करने की। बेशक, इस दिशा में तैयारी करके बढ़ा जाए तो बेहतर नतीजों की उम्मीद की जा सकती है। माइक्रो लेवल का आर्थिक प्रबंधन कोई नहीं बात नहीं है। बहुत पहले गांधी जी ने गांव के स्तर पर ज्यादा से ज्यादा सक्रियता की बात कही थी। उन्हें लगता था, और जो भारत जैसे गांवों के देश में सही भी था, कि गांव के स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को मजबूती देकर आमजन को सबल बनाया जाना चाहिए। लेकिन बाद में इस आर्थिक सोच को बिसरा दिया गया। नतीजतन, गांव में रोजगार की स्थिति खासी चरमरा गई और बड़े. पैमाने पर पलायन होने लगा। तमाम शहरों और बड़े. नगरों की ओर हुए आबादी के पलायन से शहरों में नागरिक सुविधाओं के हालात बदतर हो गए। जरूरी है कि केंद्र सरकार और राज्यों में आरूढ़ सरकारें मिलकर गांवों को सबल बनाने की दिशा में अग्रसर हों जिससे आम जन के हालात बेहतर हो सकेंगे जो बड़ी सफलता होगी।

चिंतन-मनन

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य

भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) को कंधों पर गोला उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है।

वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विघ्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते।

किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ! भगवान समझाते हैं-यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इसे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

महाराष्ट्र में देवेन्द्र फडणवीस से क्यों डरा रहता है विपक्ष?

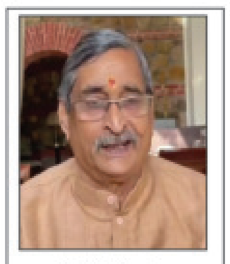

आर.के. सिन्हा

लोकसभा चुनावों के नतीजे आने और केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनने के बाद अब महाराष्ट्र विधानसभा के आगामी अक्तूबर के महीने होने वाले चुनाव हैं। भारत की मजबूत होती अर्थव्यवस्था की जान है महाराष्ट्र। इसलिए सारे देश की निगाहें महाराष्ट्र पर लगी रहती हैं। वहां राज्य विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति भी गरमा चुकी है। आरोप-प्रत्यारोप के नियमित दौर चल रहे हैं। महाराष्ट्र का विपक्ष महाविकास आघाडी राज्य के उस नेता पर आरोप लगा रहे हैं, जिसने राज्य का मुख्यमंत्री रहते हुए प्रदेश का चौतरफा विकास करवाया। हम बात कर रहे हैं महाराष्ट्र के शिखर भाजपा नेता और वर्तमान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की....

देवेंद्र फडणवीस राज्य के एक बड़े नेता होने के साथ ही काफी दूरदर्शी और अनुभवी रणनीतिकार के रूप में भी जाने जाते हैं। वह कई बार मुश्किलों में फँसी पार्टी को बाहर निकालकर अपनी योग्यता साबित कर चुके हैं। जब वह राज्य के मुख्यमंत्री थे, तब उनके कार्यकाल में राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास में कई काम हुए। मुंबई मेट्रो विस्तार और मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग जैसी प्रमुख परियोजनाओं की शुरूआत की गई। तब महाराष्ट्र की प्रतिष्ठा एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में और बढ़ी। देवेंद्र फडणवीस ने ही कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिसिंग को मजबूत किया और अपराध की रोकथाम के लिए टेक्नोलॉजी आपरेटेड सिस्टम की शुरूआत की। समाज कल्याण को लेकर भी उन्होंने काफी पहल की। हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम लागू किए गये। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बीत दिनों देवेन्द्र देवेंद्र फडणवीस पर आरोप लगाया कि वे जब राज्य के गृहमंत्री थे तब उन्होंने (देवेंद्र फडणवीस ने) उन पर दबाव बनाया था कि वे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और महाविकास आघाडी के तीन अन्य नेताओं के खिलाफ केस दर्ज करवा दें। हालांकि देवेंद्र फडणवीस ने देशमुख के इस आरोप को सिरे से खारिज किया है। कुल मिलाकर लग यह रहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जनता के बुनियादी मसलों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप लगते रहेंगे। विपक्ष सत्ता हासिल करने के लिए तबीयत से कीचड़ उछालेगा। जाहिर है फडणवीस ने भी देशमुख को उनकी ही भाषा में जवाब भी दिया। सबको याद है कि अप्रैल 2021 में गृह मंत्री रहे देशमुख पर तत्कालीन मुंबई पुलिस कमिनर परमबीर सिंह ने यह आरोप लगाया था कि उन्होंने महाराष्ट्र की पुलिस को शहर के होटल और बार मालिकों से पैसे वसूलने पर लगा दिया था। अब देशमुख कह रहे हैं कि फडणवीस के निर्देश पर परमबीर सिंह ने उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाए। अब तीन साल बाद वही एनसीपी नेता देशमुख यह दावा कर रहे हैं कि फडणवीस ने उन पर उद्धव और आदित्य ठाकरे, तत्कालीन डिप्टी सीएम अजीत पवार और मंत्री अनिल परब सहित एमवीए के प्रमुख लोगों के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए दबाव डाला था। साफ है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में टकराव बढ़ने वाले हैं और महाविकास आघाडी के निशाने पर देवेंद्र फडणवीस ज्यादा रहने वाले हैं। देवेंद्र फडणवीस पर विपक्ष गठबंधन महाविकास आघाडी के नेता रणनीति के तहत हल्ला बोल रहे हैं। उन्हें लगता है कि देवेंद्र फडणवीस को घेरकर वे विधानसभा चुनाव में बढ़त बना सकते हैं। बेशक, यह अफसोसजनक स्थिति है कि जिस फडणवीस के मुख्यमंत्रित्व काल में राज्य का अभूतपूर्व विकास हुआ, उन पर मिथ्या आरोप लग रहे हैं। उनके ही नेतृत्व में मुंबई मेट्रो का विस्तारीकरण हुआ। मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग, आर्थिक गलियारों और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए एक्सप्रेसवे परियोजना की शुरूआत हुई। बढ़ती शहरी आबादी को समायोजित करने के लिए किफायती आवास योजनाओं को उन्होंने ही लागू किया। सड़क और रेल परियोजनाओं सहित सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क में सुधार किया। आतंकवाद-रोधी उपायों के तहत संभावित खतरों को रोकने और उनका जवाब देने के लिए सुरक्षा ढांचे को बढ़ावा दिया। देवेंद्र फडणवीस ने सामुदायिक पुलिसिंग पर जोर दिया। मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक के तहत मुंबई को नवी मुंबई से जोड़ने के लिए इस समुद्री पुल की शुरूआत की।

गोपीनाथ मुंडे के निधन के बाद देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र की राजनीति में एक प्रमुख नेता के रूप में सामने आए। उन्होंने राज्य भाजपा को एकजुट किया। यह फडणवीस ही थे जिन्होंने भाजपा की ताकत बढ़ाने के लिए शिवसेना के बिना चुनाव लड़ने का हिम्मती फैसला किया। उन्होंने राज्य के लिए भाजपा की स्वतंत्र ताकत और दृष्टि पर जोर दिया और उनके नेतृत्व में ही भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। राज्य में शिव सेना के बिना भाजपा की सरकार बनाने के लिए फडणवीस ने ही मंच तैयार किया।

अब भी वह सत्तासीन गठबंधन में स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका रणनीतिक कौशल जबर्दस्त रहा है। वह शासन में निरंतरता और प्रगति सुनिश्चित करते हुए लचीलेपन के साथ हर मुद्दे का राजनीतिक समाधान तलाशने में महारत रखते हैं। वही विभिन्न वर्गों के साथ प्रभावी ढंग से बातचीत करने में आगे रहे हैं। उनकी नेतृत्व शैली और उपलब्धियों ने उन्हें महाराष्ट्र की राजनीति में एक केंद्रीय व्यक्ति के रूप में स्थापित किया है। वह पैराशूट वाले नेता नहीं हैं। महाराष्ट्र में वह भाजपा में रैंक के माध्यम से आगे बढ़ने वाले नेता हैं। फडणवीस 1989 में युवा विंग के अध्यक्ष रहे हैं और केवल 27 साल की उम्र में नागपुर के मेयर नियुक्त हुए और 44 साल की उम्र में मुख्यमंत्री बन गए। वह एक ऐसे नेता हैं जो भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और आरएसएस दोनों में स्वीकार्यता रखते हैं। वह संघ के मूल मूल्यों को समझते हैं और पार्टी के भीतर उसको अपनाने की कोशिश भी करते हैं। महाराष्ट्र में हाल ही में हुए राजनीतिक उथल-पुथल जैसे चुनौतीपूर्ण समय के दौरान स्थिति को स्थिर करने और पार्टी के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने में उनकी बड़ी भूमिका रही है। हाल के लोक सभा चुनावों में पार्टी की हार को अपनी जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करते हुए इस्तीफा देने की उनकी पेशकश, नैतिक बल को ही दर्शाती है।

फडणवीस पर 2024 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को जीत दिलाने की बड़ी जिम्मेदारी है। राज्य के राजनीतिक हलकों में कई लोगों को लगता है कि पिछले दस वर्षों से महाराष्ट्र में भाजपा के निर्विवाद नेता के रूप में फडणवीस ही राज्य में भाजपा की पुनः वापसी कर सकते हैं। वे विपक्ष को पटकनी देने में सक्षम हैं। विपक्ष भी हमेशा फडणवीस से ही डरा हुआ दिखाई देता है। किसी न किसी तरह से उन पर निशाना साधने में महाविकास अघाडी के नेता कोई कसर नहीं छोड़ते। यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देवेन्द्र फडणवीस पर भरोसा रखते हैं।

2019 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को अच्छी सफलता मिली, सबको लगा कि फडणवीस एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे। लेकिन उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा के साथ आगे आ गए। उन्हें अपने पुराने सहयोगी-भारतीय जनता पार्टी को दगा देने में कोई संकोच नहीं किया। शरद पवार ने कांग्रेस नेतृत्व को राजी किया और उन्हें उद्धव ठाकरे का समर्थन करने के लिए मजबूर किया और अपनी सरकार बना ली, लेकिन फडणवीस ने जून 2022 में पवार साहब की साजिश को माकूल जवाब दे दिया। केवल ढाई साल की अवधि के लिए उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने। अब वही ठाकरे शरद पवार के हाथों खिलौना बने हुए हैं।

सामयिक : विवादों में क्यों लोकसभा अध्यक्ष

विनीत नारायण

भारतीय लोकतंत्र की परंपरा काफी सराहनीय रही है। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार नोक-झोंक का चलना सामान्य व स्वाभाविक बात है। लेकिन इस नोक-झोंक की सार्थकता तभी है जब वक्ताओं द्वारा मयार्दा में रह कर बात रखी जाए। जब तक संसदीय कार्यवाही का टीवी पर प्रसारण नहीं होता था, तब तक देश की जनता को पता ही नहीं चलता था कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि संसद में कैसा व्यवहार कर रहे हैं? यह भी नहीं पता चलता था कि वे संसद में किन मुद्दों को उठा रहे हैं? अक्सर ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जब सांसदों ने आर्थिक लाभ की एवज में बड़े औद्योगिक घरानों के हित में सवाल पूछे। वरिष्ठ पत्रकार ए सूर्यप्रकाश ने तीस वर्ष पहले ऐसे लेखों की श्रृंखला छापी थी जिसमें सांसदों के आचरण का खुलासा हुआ और देश ने पहली बार जाना, 'संसद में सवाल बिकते हैं'। पर जब से टीवी पर संसदीय कार्यवाही का प्रसारण होने लगा तब से देशवासियों को भी देखने को मिला कि सांसद सदन में कैसा व्यवहार करते हैं। बिना अतिश्योक्ति के कहा जा सकता है कि कुछ सांसद जिस भाषा का प्रयोग करने लगे हैं, उसने शालीनता की सीमाएं लांघ दी हैं। शोरझशराबा तो आम बात है। संसद में हुड़दंग भारत में ही देखने को नहीं मिलता। अनेक देशों से वीडियो आते रहते हैं, जिनमें सांसद हाथापाई करने और एक दूसरे पर कुर्सियां और माइक फेंकने तक में संकोच नहीं करते। सोचने वाली बात यह भी है कि भारतीय संसद की कार्यवाही पर देश की गरीब जनता का अरबों रुपया खर्च होता है। आकलन है कि संसद चलने का प्रति मिनट खर्च ढाई लाख रुपये से थोड़ा अधिक आता है। इसका सदुपयोग तब हो जब गंभीर चर्चा करके जनता की समस्याओं के हल निकाले जाएं। हमारी लोक सभा का इतिहास रहा है कि लोक सभा के अध्यक्षों ने यथासंभव निष्पक्षता से सदन की कार्यवाही का संचालन किया।

उल्लेखनीय है कि 15वीं लोक सभा के तत्कालीन अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने अपने ही दल के विरुद्ध निर्णय दिए थे जिसका खमियाजा भी उन्हें भुगतना पड़ा। उन्हें दल से निष्कासित कर दिया गया पर उन्होंने अपने पद की मयार्दा से समझौता नहीं किया। लेकिन पिछले दस वर्षों से लोक सभा के वर्तमान अध्यक्ष ओम बिरला लगातार विवादों में रहे हैं। उन पर सत्ता पक्ष के प्रति अनुचित झुकाव रखने का आरोप विपक्ष लगातार लगाता रहा है। 17वीं लोक सभा में तो हद ही हो गई जब सत्ता पक्ष के एक सांसद ने विपक्ष के सांसद को सदन की कार्यवाही के बीच अपमानजनक गालियां दीं। अध्यक्ष ने उनसे वैसा कड़ा व्यवहार नहीं किया जैसा वो लगातार विपक्ष के सांसदों के साथ करते आ रहे थे। तब तो और भी हद हो गई जब उन्होंने विपक्ष के 141 सांसदों को सदन से निष्कासित कर दिया। ऐसा आजाद भारत के इतिहास में पहली बार हुआ। हाल में टीवी चर्चा में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से बातचीत में नामी वकील, सांसद और पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने बताया, 'देश के संविधान के अनुच्छेद 105, संसद के सदस्यों को संसद में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होगी परंतु क्या सांसदों को ऐसा करने दिया जाता है? जबकि इसी अनुच्छेद में या पूरे संविधान में यह कहीं नहीं लिखा है कि किसी भी सांसद का, संसद सदन में, अपनी बारी पर बोलते समय, माइक बंद किया जा सकता है। यह भी कहीं नहीं लिखा है कि किसी सांसद को बोलते समय, यदि वह नियम व मयार्दा के अनुसार बोल रहा हो तो उसे टोका जा सकता। इतना ही नहीं, यह बात भी नहीं लिखी है कि यदि विपक्ष किसी मुद्दे पर सत्ता पक्ष का विरोध करे तो उसे टीवी पर नहीं दिखा सकते। परंतु आजकल ऐसा होता है और यदि लोक सभा अध्यक्ष इस बात को नकार देते हैं कि वे किसी का माइक बंद नहीं करते तो फिर कोई तो है जो माइक को बंद करता है। ऐसा है तो जांच होनी चाहिए कि ऐसा कौन कर रहा है और किसके निर्देश पर कर रहा है?'

18वीं लोक सभा की शुरू आत ही ऐसी हुई है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से लेकर अखिलेश यादव और अभिषेक बनर्जी तक अनेक दलों के सांसदों ने अध्यक्ष ओम बिरला के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैये का खुला आरोप ही नहीं लगाया, बल्कि अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण भी प्रस्तुत किए हैं। ये न सिर्फ लोक सभा अध्यक्ष के पद की गरिमा के प्रतिकूल है, बल्कि ओम बिरला के निजी सम्मान को भी कम करता है। आवश्यकता इस बात की है कि ओम बिरला मुंशी प्रेमचंद की कालजयी रचना 'पंच परमेश्वर' को गंभीरता से पढ़ें जो शायद उन्होंने अपने स्कूली शिक्षा के दौरान पढ़ी होगी। कहानी शिक्षा मिलती है कि न्यायाधीश की कुर्सी पर बैठे व्यक्ति को सगे-संबंधियों का भी लिहाज नहीं करना चाहिए। लोक सभा की सार्थकता और पद की गरिमा के अनुरूप ओम बिरला को किसी सांसद को यह कहने का मौका नहीं देना चाहिए कि उनका व्यवहार पक्षपातपूर्ण है।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर डीसी ने की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला समाहरणालय के सभागार में गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी एवं पुलिस अधीक्षक गुमला शंभू कुमार सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक हुई सम्मान , बैठक में 15 अगस्त 2024 को 78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा हुई।

बैठक में बताया गया कि स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह का आयोजन अल्बर्ट एक्का स्टेडियम गुमला में होगा। जहां सम्पूर्ण जिलेवासी शामिल होंगे। बैठक में खेल पदाधिकारी को निर्देशित किया गया, कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के दिन संध्या काल में फुटबॉल अथवा क्रिकेट मैच का आयोजन करेगें। परेड के पूर्वाभ्यास 09.08.2024 से 12.08.2024 तक किया जाना सुनिश्चित है तथा दिनांक 13.08.2024 को 08.30 बजे अंतिम पूर्वभ्यास परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम गुमला होगी। 15.08.2024 को प्रातः 08.00 बजे से 11.30बजे तक छोटी-बड़ी गाड़ियों का परिचालन बंद रखने का निर्णय लिया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिनांक 13.08.2024 से दिनांक 15.08.2024 तक अग्निशमक वाहन को परमवीर अलबर्ट एक्का स्टेडियम, गुमला में उपलब्ध कराने को कहा गया। उपायुक्त ने बताया कि जिले में स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाना है। इसके लिए जिले में मौजूद सभी शहीद स्मारकों की साफ सफाई, सुसज्जिकरण, लाइटिंग सम्बन्धित कार्य ससमय पूर्ण करना सुनिश्चित करेगे। उपायुक्त द्वारा मुख्य कार्यक्रम स्थल पर साफ सफाई, पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति स्टेडियम की समतलीकरण, पार्किंग, ब्रांडिंग तथा अग्निशमक दल एवं चिकित्सा दल की उपलब्धता, कार्यक्रम स्थल पर लगाये जाने वाले टेंट, कुर्सियां, ध्वनि यंत्र आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। उपायुक्त के द्वारा निर्देशित किया गया कि मुख्य समारोह में झारखंड आंदोलन- कारियों को भी सम्मानित किया जाना है अतः उनसे संबंधित तैयारियों के लिए भी दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही विभिन्न विभाग में बेहतर प्रदर्शन करने वाले पदाधिकारी व कर्मी को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा उपायुक्त द्वारा स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम पर विशेष चर्चा किया गया। इस दौरान बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त गुमला, अपर समाहर्ता गुमला, एसडीओ सदर, जिला नजारत उप समाहर्ता सह जिलाा जनसम्पर्क पदाधिकारी, जिला सामान्य शाखा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहें।

दुष्कर्म की पीड़िता की रांची रिम्स में इलाज के क्रम में हुई मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित पालकोट प्रखंड क्षेत्र की एक 45 वर्षीय विकलांग गैंगरेप पीड़िता , उक्त महिला ने रांची रिम्स में इलाज के क्रम में तोड़ा दम, परिजनों ने सजा ऐ मौत की मांग की और उक्त तीनों गैंगरेप के आरोपियों को अभिलंब फांसी की सजा दी जाए। बताया जाता हैं की उक्त घटना 16 अप्रैल 2024 की हैं, उक्त घटना के दिन, वह विकलांग महिला पालकोट थाना स्थित बघीमा। साप्ताहिक बाजार में सब्जी खरीदने आई हुई थी,संध्या होने और विकलांग होने के कारण, उक्त बाजार में उपस्थित लोगों ने अपनी सहानुभूति दिखाते हुए। उक्त महिला के क्षेत्र में रहने वाले , तीन लोगों पर भरोसा जताते हुए। उक्त विकलांग महिला को उसके घर तक छोड़ने का अनुरोध कर। उनके साथ भेज दिया,पर उक्त तीनों हवसी दरिन्दो ने उक्त विकलांग लाचार और मजबूर महिला को उसके घर तक पहुंचाने के बजाय उन्होंने अपने हवस मिटाने के उद्देश्य से उक्त महिला को टेकरा सरना स्थान के तरफ लेजाकर जबरदस्ती और उक्त महिला के इच्छा के विरुद्ध बारी बारी से उक्त तीनों हैवानों ने उसके साथ जबरन बलात्कार किया और उसके साथ मारपीट कर , उक्त पीड़ित महिला को बेहोशी की स्थिति में उसे उक्त घटनास्थल पर छोड़कर भागने में सफल रहे।

किसानों के बीच रागी बीज का हुआ वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला जिले के आकांक्षी प्रखंड डुमरी में रागी मिशन 2024 के तहत कुल 25 क्विंटल बीज वितरित किए गए हैं। यह बीज 729 लाभार्थियों में से 700 से अधिक लोगों को प्रदान किए गए हैं। इस मिशन का उद्देश्य स्वस्थ और स्थायी खाद्य आदतों को बढ़ावा देना है, जिससे प्रखंड के निवासियों की जीवन स्तर में सुधार हो सके। डुमरी प्रखंड में यह बीज 1235 एकड़ के क्षेत्र में उगाए जाएंगे। स्थानीय प्रशासन द्वारा की जा रही इस पहल से न केवल पौष्टिक आहार का प्रचार-प्रसार होगा, बल्कि इससे बेहतर आजीविका के अवसर भी उत्पन्न होंगे। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा, इस मिशन का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ आहार के प्रति जागरूक करना और स्थानीय खेती को बढ़ावा देना है। हम उम्मीद करते हैं कि इस प्रयास से समुदाय की समृद्धि में वृद्धि होगी। यह पहल ग्रामीणों के लिए एक सकारात्मक बदलाव लाने की उम्मीद कर रही है और स्वस्थ जीवनशैली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।

आजसू पार्टी ने मनाया शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : गुरुवार को आजसू पार्टी जिला कार्यालय गुमला में अमर शहीद पार्टी के संस्थापक नेता स्वर्गीय निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी के जिला अध्यक्ष दिलीप नाथ साहू केंद्रीय सचिव सह विधान सभा प्रभारी गुमला बोनीफास कुजूर केंद्रीय सचिव सह सिमडेगा जिला प्रभारी गोपीनाथ सिंह युवा आजसू प्रभारी रमेश उरांव छात्र संघ प्रभारी सानू कुमार जिला सचिव गोलू श्रीवास्तव प्रखंड उपाध्यक्ष इरफान जिला उपाध्यक्ष राहत अफजा जिला प्रवक्ता मिनहाज खान इनके साथ मार्शल कुजूर नगर महासचिव कार्तिक प्रजापति नगर सचिव सुनील महतो ताराचंद साहू निर्मल सोरेन राहुल कश्यप अखिलेश यादव प्रखंड सचिव रायडीह नीतीश बैगा सहित पार्टी के कई कार्यकर्ताओं ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान केंद्रीय सचिव बोनिफास कुजुर ने कहा कि निर्मल महतो झारखंड के शोषित पीड़ित गरीब किसान मजदूरों के आवाज थे और झारखंडी अस्मिता और अलग राज्य की लड़ाई में उन्होंने अपनी कुबार्नी दी। उन्होंने कहा कि शहीद निर्मल महतो का सपना आज भी अधूरा है। इस दौरान उन्होंने बताया कि आगामी 9 अगस्त 2024 को पार्टी के केंद्रीय निर्देशानुसार विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विधानसभा के चैनपुर प्रखंड में भव्य समारोह का आयोजन किया गया है इस कार्यक्रम में भी पार्टी के सभी अनुसांगी इकाई के जिला अध्यक्ष, सचिव प्रखंड के अध्यक्ष सचिव नगर के अध्यक्ष सचिव जिला के अध्यक्ष सचिव एवं केंद्रीय समिति के सदस्य एवं सभी सक्रिय कार्यकताओं को आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम में अपना बहुमूल्य समय देकर कार्यक्रम को सफल बनाने की कृपा करेंगे।

मंईयां सम्मान योजना को ले सभी पंचायतों एवं वार्डों में 15 अगस्त तक लगाए जाएंगे शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : झारखण्ड सरकार द्वारा 21 से 50 आयु वर्ग की बहनों/माताओं जिन्हें अन्य किसी पेंशन योजना का लाभ नहीं मिलता हो उन्हें झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना से आच्छादित करते हुए पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर खर्च करने के उद्देश्य से प्रति माह 1,000 रुपये सम्मान राशि दिया जाना है। उक्त योजना के सुयोग्य लाभुकों से आवेदन प्राप्त करने हेतु जिला अंतर्गत सभी पंचायतो एवं नगर निगम क्षेत्र के वार्डो के विभिन्न स्थानों पर विशेष कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। उक्त सभी स्थानों में विशेष कैम्प 15 अगस्त तक प्रतिदिन लगाये जाएंगे। शाम 06 बजे तक आयोजित विशेष शिविर के माध्यम से पंचायतों एवं नगर निगम क्षेत्र से अबतक हजारों आवेदन प्राप्त किए जा चुके है। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निदेर्शानुसार सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी अपने प्रखंड क्षेत्र में मौजूद रहकर व्यवस्थित तरीके से कैम्प के संचालन को लेकर सक्रिय रहे। इस 13 दिवसीय विशेष कैम्प के तहत जिला प्रशासन का प्रयास है कि शत प्रतिशत लाभुकों को योजना के संबंध में जागरूक करते हुए विशेष कैम्प के माध्यम से आवेदन प्राप्त किए जाएं। 15 तारीख के बाद भी आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर सुयोग्य लाभुक आवेदन कर सकते हैं ।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने गोंदली पोखर चौक पर निर्मल दा की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अंगड़ा : निर्मल महतो के शहादत दिवस पर गोंदली पोखर चौक में लगे आदम कद प्रतिमा में आजसू पार्टी के कार्यकर्ताओ ने माल्यार्पण कर नमन्न किया। निर्मल महतो का जन्म 25 दिसंबर 1950 - 8 अगस्त 1987) एक भारतीय राजनीतिक कार्यकर्ता और झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रमुख नेता थे। वे ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन के संस्थापक थे । वे झारखंड के अलग राज्य के लिए आंदोलन में प्रमुख नेता थे आज पूरे प्रदेश में निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया सुरेंद्र महतो ने कहा कि आज पूरे प्रदेश में स्व निर्मल महतो का शहाद त दिवस मनाया जा रहा है लेकिन आज जिस के लिए उन्होंने आपनी जान को कुबार्नी दी उनका सपना था कि हमारा प्रदेश खुशहाल प्रदेश हो हर गरीबओ उनका हक अधिकार मिले लेकिन 23 वर्ष अलग झारखंड बित गए लेकिन निर्मल महतो का जो सपना था आज भी अधूरा है निर्मल महतो एक शा व्यक्ति थे जो गरीबों का मसीहा थे और हमेशा गरीबों के हक अधिकार के लिए लड़ते थे जोहर दोस्तों आप सभी को एक ऐसे महान व्यक्ति के बारे में बताने जा रहा हूं जो की झारखंड राज्य के लिए और गरीबों और किसान के लिए मसीहा थे। शहीद निर्मल महतो निर्मल महतो ऐसे व्यक्ति थे जो की गरीबों के सहयोग के लिए और उसकी मदद के लिए हमेशा तैयार रहते थे क्योंकि निर्मल महतो कहीं भी अगर कई मजदूर को सताया जा रहा हो या उस पर कोई हुकुम चलाया रहा हो हमेशा मजदूरों के साथ खड़े रहते थे। निर्मल महतो जो की काफी लोकप्रिय आंदोलनकारी नेता थे। बहुत कम ही समय में ऐसा मुकाम हासिल कर लिया था। निर्मल महतो हमेशा गरीबों की मदद और मजदूरों का साथ और किसानों का साथ देते थे और शोषित पीड़ित लोगों को शोषण उत्पीड़न अत्याचार और भ्रष्टाचार से मुक्ति दिला सके ऐसे में बहुत बहुत सारे आंदोलन किए हैं। इसी परिणाम का नतीजा था कि 15 नवंबर 2000 को अलग राज्य बना। मौके पर पूर्व विधायक रामकुमार पहान भाजपा ग्रामीण जिला अध्याछ सुरेंद्र महतो जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष नरेश साहू मंडल अध्याच रामनाथ महतो वनमाली महतो संतोष महतो नरेंद्र कुमार आदि सामिल थे।

तिलेश्वर साहू के खाते से अज्ञात अपराधकर्मियों ने पांच लाख रुपये उड़ाये

गुमला : गुमला जिला में साइबर अपराधकर्मियों का आतंक, दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा हैं, गुमला सदर थाना स्थित पतिया पंडरिया कुलाबीरा निवासी तिलेश्वर साहू के इंडियन ओवरसीज बैंक में खाता है और उनके मोबाइल पर बीना बैंक के सूचना आयें ही उनके खाते से अज्ञात साइबर अपराध कर्मियों द्वारा पांच लाख, पांच हजार रुपऐ उड़ायें जा चुके है। फलस्वरूप गुमला सदर थाना में पीड़ित तिलेश्वर साहू ने अज्ञात साइबर अपराधकर्मियों के विरुद्ध में एक प्राथमिकी दर्ज कराई है, और बताया हैं की मेरा बैंक खाता ओवरसीज बैंक में हैं और उनके बिना जानकारी और बिना मोबाइल में सूचना आए ही मेरे खिते से अज्ञात साइबर अपराध कर्मियों द्वारा पांच लाख, पांच हजार रुपये उड़ायें गये हैं, प्रथम बार में 5 हजार और फिर विभिन्न तिथियां में कुल पांच लाख, पांच हजार पैसे की अज्ञात साइबर अपराधकर्मियों द्वारा उड़ायें गये हैं, जिसकी जानकारी मुझे उक्त बैंक में आने पर पत्ता चल। जिसकी वापसी के लिए मैं गुमला सदर थाना में अज्ञात साइबर अपराध कर्मियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर उक्त उड़ायें गये राशि की वापसी के लिए गुहार लगाया हूं।

OFFICE OF THE RANCHI MUNICIPAL CORPORATION, RANCHI (WATER SUPPLY SECTION)

KUTCHARY ROAD, RANCHI – 834009. Email ID:- support@ranchimunicipal.com

Tender reference No. 324 Date:- 08.08.2024

Very Short Notice Inviting Tender (3rd Call)

The undersigned invites percentage Rate Bid for Annual Rate Contract valid for 01 year (w.e.f. Date of Publication of e-tender) in two envelope system for *Construction of Recharge Pit size 12'X8'10' in community areas in RMC areas for Rain Water Harvesting Structure* under Ranchi Municipal Corporation, Ranchi etc. through e-procurement from Empanelled Agencies for Rain Water Harvesting in WSS, RMC/Registered Contractor in class III/IV in Urban Development & Housing Department. The bid shall be submitted online in the website http://jharkhandtender.gov.in The bidder(s) should have necessary portal enrolment with their own digital signature certificate: -

Sl. No.	Name of Work	Approximate value of work (in Rs)	Earnest Money (in Rs.)	Cost of Bid Document by D.D.(Rs.) (non-refundable)	Period of completion in months
1	3	4	6	5	7
1	Construction of Recharge Pit size 12'X8'10' in community areas in RMC areas for Rain Water Harvesting Structure	Rs. 2,11,600/- (Per Unit)	Rs. 50,784/-	Rs. 11,800/-	3 Months (90 Days) from issuance of work order.

Note:- Up to date estimated cost should be considered for Earnest Money.

2. Period of availability of tenders online\date & time bidding on-line\last date of seeking clarification of opening of tender papers are as give below:

Sl. No.	Procurement Officer	date of tender publish on website	Last date for submission of bid tender fee and earnest money.	Availability & Submission of tender on line for bidding	Place, Date & time of opening bid.
A	B		C	D	G
1.	Executive Engineer WSS, RMC, Ranchi.	10/08/24	16/08/2024 upto 5:00 pm	Bid Submission Date 10/08/24 Time 03:30 Noon To Date 16/08/24 Time 5:00 P.M.	RMC, Ranchi Date 17/08/24 Time 12:30 AM onwards

Note:- Tender fee and EMD will be received through online mode only. Bidders can use internet banking facility for faster processing of tender fee and EMD. Alternatively, Bidders can use NEFT/RTGS challan generated for the tender from http://jharkhandtenders.gov.in portal.

Sd/- Executive Engineer
WSS, RMC, Ranchi.

PR.NO.332288 Ranchi Municipal Corporation(24-25):D

कार्यालय:-वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमण्डल

E-mail :forest-gumla@jharkhandmail.gov.in
Mobile No. – 8987790115 Pin Code - 835207

पत्रांक ..../ दिनांक ..../

आवश्यक सूचना

सूचित किया जाता है कि दिनांक 22.07.2024 को गुप्त सूचना के आधार पर गुमला–सिसई पथ पर ग्राम –खोरा के पास से 08 पीस साल बोटा सहित एक पीकअप सं0–JH13E1233 को वनकर्मियों के द्वारा जप्त कर गुमला वन परिसर में लाकर सुरक्षित रखा गया है। उक्त जप्त वन पदार्थ सहित वाहन के विरूद्ध प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में अधिहरण की कार्रवाई प्रारम्भ की गई है।

अतः समाचार पत्रों के माध्यम से जप्त वन पदार्थ के दावेदार (यदि कोई हो) एवं सम्बन्धित सभी को सूचित किया जाता है कि वे दिनांक 27.08.2024 को प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में 11:00 बजे पूर्वाह्न स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा उपलब्ध साक्ष्यों एवं अभिलेखों के आधार पर एक पक्षीय निर्णय ले लिया जायेगा।

प्राधिकृत पदाधिकारी,
–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी,
गुमला वन प्रमंडल।

PR.NO.332217 Forest, Environment and Climate Changes(24-25):D

कार्यालय - जिला शिक्षा पदाधिकारी लातेहार

बालिका उच्च विद्यालय परिसर, लातेहार
ई मेल deolatehar1@gmail.com/rmsaltr@gmail.com

आम - सूचना

माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील संख्या 4044 / 2022 से सम्बद्ध अवमाननावाद संख्या 612 / 2022 के मामले में पारित न्यायादेश दिनांक 15.12.2022 के क्रमांक 4 एवं क्रमांक 5 के अनुपालन में झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग के विज्ञापन संख्या –21 / 2016 अन्तर्गत संयुक्त स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक प्रतियोगिता परीक्षा –2016 (मुख्य) के राज्य स्तर मेधा सूची के आधार पर वाणिज्य विषय चयनित अभ्यर्थी की अनुशंसा कार्यालय को प्राप्त है के आलोक में चयनित अभ्यर्थियों का दिनांक 12.08.2024 को जिला शिक्षा पदाधिकारी, लातेहार कार्यालय प्रकोष्ठ में पूर्वाह्न 10:30 बजे सभी शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक, स्थानीय, जाति, आधार एवं अन्य प्रमाण पत्रों की भौतिक जाँच की जायेगी। चयनित अभ्यर्थी की विवरणी निम्नवत है :–

क्रमांक	विषय	नाम एवं अनुक्रमांक	प्रमाण पत्रों की जाँच हेतु निर्धारित तिथि
1	वाणिज्य	राजेन्द्र पासवान– 14147151792	12.08.2024
2	वाणिज्य	जयनन्दन राम – 19124190151	

उपरोक्त सभी अभ्यर्थियों को निदेश दिया जाता है कि जिला शिक्षा पदाधिकारी, लातेहार कार्यालय प्रकोष्ठ में पूर्वाह्न 10:30 बजे सभी प्रमाण पत्रों एव अन्य आवश्यक अभिलेखों की मूल प्रति तथा 02 सेट स्व–अभिप्रमाणित छायाप्रति के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

पत्रांक :–
दिनांक :–

जिला शिक्षा पदाधिकारी
लातेहार

PR 332231 Human Resource Developement (24-25)_D

-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT BUILDING DIVISION NO. – 1, RANCHI

(Behind State Guest House Morhabadi)
Dindayal Nagar Booty Road Ranchi-834008

2ND Call

VERY SHORT TERM E-QUOTATION INVITATION NOTICE

FOR RATE PURPOSE ONLY

Quotation Reference No : BCD/Bld. Div. No.- 1 --- 10/2024-25

Sealed Quotations are invited for the work **Supply of House Hold items & Furniture at C.M. House Kanke Road, Ranchi** for all Materials from Reputed Shop Keepers / Manufacturers / Suppliers / Retailers / Distributors and Registered B.C.D. Contractors for following items. They should quote their rates for unit mentioned in the table. If they do not deals all of the below mentioned items then they are allowed to quote their rate for part of the items which ever they deals. The rates should be exclusive of all types of Taxes, GST, Contractor's Profit and overhead charges etc. but inclusive of Royalty. All Rates should be exclusive of Labour Cess.

Terms and Condition

1. The quotationer shall furnish Pan,GST registration no.
2. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
3. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason thereof.

नोट :–
(1) वेबसाईट में ई–कोटेशन अपलोड की अंतिम तिथि : 15-08-2024 के अपराह्न 1:00 बजे तक।
(2) ई–कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय 16-08-2024 अपराह्न 1:30 बजे।
(3) ई कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या 1, रांची।
(4) ई–कोटेशन प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 : 8527519262
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है

Nodal Officer, e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer
Building Construction Department,
Building Division No.-1, Ranchi

PR 332227 Building(24-25)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग भवन प्रमंडल संख्या–1, रांची

अति अल्पकालीन निविदा / कोटेशन आमंत्रण सूचना–33 / 2024–25

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल संख्या–1,रांची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री करने की तिथि एवं समय :– दिनांक 16.08.2024 को 1.00 (एक) बजे अपराह्न तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक 16.08.2024 को 3.00(तीन) बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 16.08.2024 को 3.30(साढ़े तीन) बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर भवन अंचल–1, रांची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, रांची एवं कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, रांची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, रांची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :– नगर नियंत्रण कक्ष रांची।
7. निविदा खोलने का स्थान :– अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय।
8. कार्यों का विवरण :–

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की तिथि
1	Annual Maintenance and Operation Contract of Fire Alarm System, Fire Detection System and Extinguishers System Installed at Nepal House, Doranda Ranchi Jharkhand for One Year	4020300.00	80500.00	5000.00	12 Months

नोट :– निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–1, रांची।

PR.NO.332228 Building(24-25):D

20 को मतदाता सूची का होगा अंतिम प्रकाशन : आयुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चाईबासा : भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिले में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण द्वितीय 2024 की गतिविधियां 22 जून से शुरू हो गई हैं। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण द्वितीय 2024 की गतिविधियों को लेकर पश्चिम सिंहभूम जिला समाहरणालय में प्रमंडलीय आयुक्त, सिंहभूम कोल्हान हरि कुमार केशरी की अध्यक्षता में सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आयुक्त हरि कुमार केशरी ने बताया कि चुनाव आयोग से प्राप्त निर्देश के आलोक में पुनरीक्षण के पूर्व की गतिविधि 25 जून से 24 जुलाई तक की गयी है। इसमें बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन, मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन, मतदाता सूची मतदाता पहचान पत्र की विसंगतियों को दूर करना, ब्लैक एंड व्हाइट व धुंधले फोटोग्राफ को बदलना, पुनरीक्षण की गतिविधियों के तहत 25 जुलाई को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन, 09 अगस्त तक दावा आपत्ति जमा किया जा सकता है। 19 अगस्त को दावा आपत्ति का निस्तार, 20 अगस्त को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। बीएलओ के द्वारा डोर टू डोर विरीफिकेशन कर छूटे हुए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने, मृत एवं शिफ्टेड मतदाताओं का नाम हटाने एवं मतदाता पहचान पत्र में किसी भी प्रकार का सुधार के लिए आवेदन लिया जा रहा है। बैठक में उपायुक्त कुलदीप चौधरी, निर्वाचक निबंधक पदाधिकारी चाईबासा अनिमेष रंजन, निर्वाचक निबंधक पदाधिकारी मनोहरपुर, लिली एनोला लड़का, उप निर्वाचन पदाधिकारी बंधन लॉन्ग, सहायक समाहर्ता अर्णव मिश्रा, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में दी गई जानकारी सभी बीएलओ द्वारा 29 जुलाई 2024 को आदिम जनजाति परिवारों एवं दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले जनसमूह को अभियान के तहत मतदाता सूची में निबंधन की कार्रवाई गई है। सभी बीएलओ सभी बीएलओ द्वारा 31 जुलाई 2024 को दिव्यांगजनों का निबंधन एवं मतदाता सूची में मार्किंग हेतु विशेष अभियान चलाया गया। सभी बीएलओ ने 01 अगस्त 2024 को 85 प्लस आयु वर्ग के निबंधन हेतु विशेष अभियान चलाया. विशेष अभियान के तहत हाउस टू विजिट कर मतदाता सूची में पूर्व से पंजीकृत उक्त श्रेणी के मतदाताओं का शत-प्रतिशत सत्यापन कराते हुए छूटे हुए पात्र नागरिकों का निबंधन कराया। सभी बीएलओ ने 02 अगस्त 2024 को थर्ड जेंडर/सेक्स वर्कर का निबंधन हेतु अभियान चलाया।

एक नजर

पुलिस ने दो आरोपी व एक वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र की पुलिस ने गुरुवार को थाना कांड संख्या 124/22 के लंबित मामले के आरोपी एलसी रोड निवासी मो. अजहरुद्दीन व मो रफीक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। वहीं बैंक से लोन लेने के बाद समय पर पैसा नहीं चुकाने मामले के वारंटी रसूलपुर दहला निवासी सागर कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

निर्मल महतो की प्रतिमा पर जिप सदस्य लक्ष्मी कुमारी ने किया माल्यार्पण

सिल्ली: वीर शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर ग्राम सुन्डील में माल्यार्पण करते हुए जिला परिषद सदस्य सिल्ली पूर्वी के लक्ष्मी कुमारी, केजेपी सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष संतोष महली , धनेश्वर महतो,अखिलेश कुम्हार,नौसाद मोमिन, आदि गन्य-मान्य लोग उपस्थित हुए

शाहिद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर किया गया माल्यार्पण

सिल्ली : बीकेएसएस/ जेएलकेएम के द्वारा सिल्ली विधानसभा में शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस के अवसर पर झारखंड मोड़ स्थित उनके आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया ।मौके पर रांची जिला महामंत्री नितीश कुमार महतो ने कहा निर्मल महतो का त्याग, बलिदान एवं संघर्ष सदियों तक याद रखे जाएंगे। उनके प्रयास से ही झारखंड में सूदखोरों के खिलाफ आंदोलन चलाए गए थे। संयुक्त बिहार से झारखंड राज्य अलग हुआ और सूदखोरों एवं सामंतों से ग्रामीणों को राहत मिली है तो इसमें इनकी मुहिम का असर है ।मौके पर युवा मोर्चा के वरीय उपाध्यक्ष विनोद कुम्हार एवं सक्रिय सदस्य रमेश मुंडा,संजय महतो, गुहीराम स्वासी,मुकेश कुमार महतो,रमेश कुमार महतो, चैतन महतो, सोनू महतो,पिंटू महतो, राहुल महतो,सरोज सिंह गणेश महतो, चांडीचरण मांझी आदि शामिल हुए।

राष्ट्रवादी संगठन शिविर में कांवड़ियों की सेवा सराहनीय : तुफान महथा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : भारतीय जनता मजदूर संघ झारखंड प्रदेश महासचिव सह भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता तुफान महथा गुरुवार को काँवरिया लाइन में काँवरियों की सेवा के लिए लगाए गए सैल्यूट तिरंगा राष्ट्रीवादी संगठन द्वारा संचालित नि शुल्क सेवा शिविर पहुंचे। मौके पर सैल्यूट तिरंगा के जिला अध्यक्ष उत्तम कुमार डमरु जिला महामंत्री विनय तिवारी कमल कश्यप भी मौजूद थे। इस दौरान सैल्यूट तिरंगा राष्ट्रीवादी संगठन की ओर से तुफान महथा का बुके एवं अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। मौके पर तुफान महथा ने कहा कि शिविर में आकर यह महसूस होता है कि सैल्यूट तिरंगा राष्ट्रीवादी संगठन सिर्फ लेखनी में ही नहीं बल्कि सेवा में भी अग्रणी है। कहा कि मैं हर साल इस शिविर में आकर यहां की सुविधाओं से अवगत होता हूं। सैल्यूट तिरंगा राष्ट्रीवादी संगठन सेवा शिविर ने कांवरिया लाइन में जो सेवा की मिशाल कायम की है वो शायद ही और कहीं पर देखने को मिलती है। कहा कि जब कांवरिया लाइन से मंदिर तक श्रावणी मेला में गिने चुने सेवा शिविर होती थी, उस समय से सैल्यूट तिरंगा राष्ट्रीवादी संगठन सेवा शिविर, कांवरियों की सेवा के लिए अनवरत लगाई जा रही है। शिविर की साफ-सफाई व सेवा काबिलेतारिफ है। उन्होंने सैल्यूट तिरंगा राष्ट्रीवादी संगठन से इसी सेवा भावना के साथ आने वाले वर्षों में भी आयोजित होने वाली श्रावणी मेला में कांवरियों की सेवा करने की बात कही कांवरियों की निस्वार्थ भाव से की जा रही सेवा निराली है। कांवर यात्रा कर लाइन में खड़े कांवरियों की थकान को दूर करने के लिए सैल्यूट तिरंगा पूरी तल्लीनता से लगा रहता है।

निर्मल महतो का नाम सिर्फ निर्मल दा ही नहीं झारखंड अलग राज्य का आंदोलन भी है : सहिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : शहीद निर्मल महतो के शहदत पर आजसू जिला कमिटी पूर्वी सिंहभूम के अध्यक्ष कन्हैया सिंह के नेतृत्व मे जमशेदपुर स्थित मोदी पार्क से जुलुस की शक्ल मे चमरिया गेस्ट हॉउस पंहुचा और उनके शहीद वेदी पर माल्यार्पण कर उलियाण स्थित समाधि स्थल पर भी पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रधांजलि दिए इसके बाद सभी कार्यकर्ता बोड़ाम पार्टी कार्यालय पहुचे वहां से हजारों मोटरसाईकिल से जुलुस की शक्ल मे मुकुरडीह चौक स्थित वीर शहीद निर्मल महतो के प्रतिमा पर पदयात्रा पर माल्यार्पण कर श्रधांजलि सभा का आयोजन किया गया । जिसमे मानभूम बिख्यात झुमर शिल्पी गोबिंदो लाल महतो,भोलानाथ महतो, एवम राजदूत महतो द्वारा झारखंडी संस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने कहा की निर्मल महतो का नाम सिर्फ निर्मल दा ही नहीं, झारखंड अलग राज्य का आंदोलन भी है। झारखंडी जनमानस की पहचान, जल, जंगल, जमीन के अस्तित्व की सुरक्षा व झारखंडी की रक्षा के लिए संघर्ष करना निर्मल महतो की पहचान थी. झारखंड अलग राज्य के आंदोलन को दिशा देने में अपना सर्वस्व कुर्बान करने वालों में निर्मल महतो स्वयं एक आंदोलन थे। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से आजसू जिला अध्यक्ष कन्हैया सिँह , सत्यनरायण महतो, आदित्य महतो ,श्यामकृष्ण महतो,सचिन महतो, वन विहारी महतो, संजय सिंह, श्याम कृष्ण महतो , अप्पू तिवारी, आदित्य महतो, संजय सिंह, मृत्युंजय सिंह, छुटूलाल सिंह , विमल मौर्या, ललन झा,विश्वदेव महतो, नीलकमल महतो, सचिन प्रसाद, अरुण महतो, संजय करुआ, मेनका किस्कु, चन्द्रश्वर पांडेय, संगीता कुमारी, रंजना राय, रामकृष्ण महतो, अजित महतो, मनोहर महतो, अनाथ बंधु कुम्भकार, मिश्रा, समता महतो, सुधीर शर्मा, निरंजन महतो, शेखर सहिस, समेत हजारों लोग मौजूद रहे।

पुरानी पेंशन लागू करके हमलोगों के बुढ़ापा का दिया सहारा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज कॉलेज में कॉलेज के शिक्षक व शिक्षिकेत्तर कर्मियो ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त किया। वही प्राचार्य डॉ एस.आर.आई रिजवी की अध्यक्षता में स्टाफ रूम में विशेष बैठक आहूत किया। जिसमे साहिबगंज महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रिजवी ने सरकार के फैसले का स्वागत किया और कहा कि सरकार का यह निर्णय उसके जन कल्याणकारी चरित्र को दर्शा रहा है। पुराने पेंशन से न सिर्फ शिक्षकों का भविष्य सुरक्षित हुआ है,बल्कि इससे शिक्षकों का सरकार में भरोसा भी बड़ा है। वही सभी शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने एक स्वर से झारखंड सरकार के पुराना पेंशन लागू किए जाने के फैसले का स्वागत किया। हेमंत सरकार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए महाविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ चंद्रशेखर प्रसाद ने कहा कि सरकार का यह निर्णय हमलोगों के लिए बुढ़ापे की लाठी, बुढ़ापे का सहारा का कार्य करेगा। साहिबगंज महाविद्यालय शिक्षक संघ सचिव डॉ अनिल कुमार व डॉ ध्रुव ज्योति सिंह ने सरकार के पुराना पेंशन संबंधित निर्णय को एक क्रांतिकारी और ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने उम्मीद जताया कि वर्तमान सरकार विश्वविद्यालय के शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के हितों का इसी तरह से आगे भी संवर्धन करती रहेगी। मौके पर डॉ मरियम, डॉ अवस्थी, डॉ राधा, डॉ शोभा, डॉ राजीव कुमार, डॉ दिनेश कुमार यादव, डॉ पोदो सोरेन, डॉ अनूप कुमार साह, डॉ सिदाम सिंह मुंडा, डॉ धर्मेंद्र कुमार, डॉ मिथलेश कुमार, डॉ डेविड यादव, डॉ कसमुद्दीन सहित अन्य थे।

झारखंड खैरात में नही आंदोलन से मिला : जयराम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : कमलपुर थाना क्षेत्र में टाइगर जयराम महतो ने शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस के अवसर एक सभा को संबोधित किया ।इस दौरान झामुमो छोड़कर युवा नेता युगल किशोर मुखी ने अपने सैकड़ों समर्थको के साथ जेएलकेएम पार्टी का दामन थामा ।टाइगर जयराम महतो ने माला पहनाकर पार्टी में उसका स्वागत किया। सभा को संबोधित करते हुए टायगर जयराम ने कहा झारखंड खैरात में नही आंदोलन से मिला। हम झारखंड की अस्मिता की रक्षा के लिए आंदोलन कर रहे हैं। हमारी जमीन, संस्कृति और सभ्यता की रक्षा जरूरी। कोल्हान, कोयलांचल में बदलाव का आग लग चुका हैं। पूरे झारखंड में ये बदलाव की आग को बढ़ाना है ।बाहरियो के हाथो से झारखंड को लूटने से बचाना है। इस दौरान हजारों की संख्या में कार्यकर्ता और आम जनता ने टायगर जयराम महतो जिंदाबाद, निर्मल महतो अमर रहे का जोरदार नारा बुलंद किया। कार्यक्रम में मचासिन बहादुर सहिस,बबलू रूहिदास, भास्कर मुखी, बिनोद स्वासी, फणिभूषण महतो, अश्वनी दास, सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आजसू कार्यकर्ताओं ने दी शहीद निर्मल महतो को श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : झारखंड आंदोलनकारी नेता शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस के अवसर पर आजसू पार्टी के नेताओं व कार्यकताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के चारों प्रखंड के श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया था। चांडिल प्रखंड के चिलगु प्रधान कार्यालय में केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो के नेतृत्व में कार्यकताओं ने निर्मल महतो के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर हरेलाल महतो ने कहा कि निर्मल दा के सपने आज भी अधूरे पड़े हैं, उन्हें पूरा करने का समय आ गया है। झारखंड के युवाओं को निर्मल दा के विचारों पर चलने की जरूरत है। हरेलाल महतो ने कहा कि निर्मल दा ने अलग झारखंड का सपना लेकर आजसू का गठन किया था, इस दौरान उनकी हत्या कर दी गई। निर्मल दा के हत्या के बाद आजसू के कार्यकताओं ने सड़क से सदन तक आंदोलन किया, जिसके बाद अलग राज्य हासिल हुआ। निर्मल दा का सपना केवल अलग झारखंड नहीं, बल्कि इस राज्य के आदिवासी मूलवासी जनता के हक अधिकार के पक्षधर थे। अलग राज्य हासिल करने के बाद झारखंडियों को नौकरी, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सम्मान मिले यही निर्मल दा की विचारधारा में थी। निर्मल महतो के शहादत दिवस पर चांडिल प्रखंड के साथ साथ ईचागढ़ प्रखंड के मिलन चौक, कुकडू तथा नीमडीह स्थित आजसू पार्टी के कार्यालय में शहादत दिवस मनाया गया।

अपर समाहर्ता ने प्रज्ञा केन्द्र का किया निरीक्षण

- भोगनाडीह पंचायत प्रज्ञा केंद्र का निरीक्षण करते अपर समाहर्ता राजमहेश्वरम साथ में प्रखंड विकास पदाधिकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : अपर समाहर्ता राज महेश्वरम गुरुवार को बरहेट प्रखंड क्षेत्र के भोगनाडीह, पंचकठिया संथाली, फुलभंगा, बरहेट बाजार, शिमडा, पंचायत के प्रज्ञा केंद्रो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास अधिकारी अंशु कुमार पांडे शामिल थे। महिलाओ ने आवेदन जमा करने को लेकर भोगनाडीह पंचायत में उपस्थित महिलाओं की समस्याओं से भी अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, इस योजना से 21 वर्ष से 50 वर्ष तक की महिलाओं को लभ्वावित किया जाना है। वही सर्वर में तकनीकी खराबी होने के कारण डाटा ऑनलाइन एंट्री नहीं हो पा रही है इसके लिए सरकार ऑफलाइन की व्यवस्था की है। सभी महिलाएं फॉर्म ऑफलाइन आवेदन जमा करें। किसी प्रकार की मन में आशंका नहीं रखें 21 से 50 वर्ष की सभी महिलाओं को योजना से जोड़ा जाएगा। इस योजना को लेकर नजदीकी आंगनबाड़ी सेविका या प्रजा केंद्र में फार्म निशुल्क दी जा रही है। प्रज्ञा केंद्र या सेविका क्षेत्र में फॉर्म भरने के नाम पर पैसा मांगने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी को सूचना दे आवश्यक रूप से कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

आजसू पार्टी ने निर्मल महतो के शहादत दिवस पर दी श्रद्धांजलि

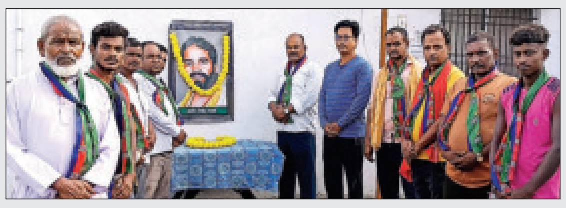

साहिबगंज: आजसू पार्टी जिला अध्यक्ष चतुरानंद पाण्डेय के नेतृत्व में झारखंड मिट्टी के लाल शहीद निर्मल महतो की शहादत दिवस पर उनके तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडेय ने कहा कि शहिद निर्मल महतो झारखंड के युवाओं को एक मंच पर लाने का उनका सपना अभी तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि झारखंड के युवा शहिद के बलिदान को याद करते हुए उनके सपने को पूरा करने का संकल्प लेने का कार्य करना चाहिए। शहिद निर्मल महतो झारखंड अलग राज्य बनाने को लेकर हमेशा युवाओं को नेतृत्व देने का पक्ष धर रहे उनके बताए हुए मार्ग पर चलकर पार्टी अलग राज प्राप्त करने का उनका सपना पूरा किया अब बारी है,शहिद के सपनों को पूर्णता पूरा करने का समय आ गया है। चतुरानंद पांडे ने कहा कि झारखंड को बेहतर बनाने के लिए युवा एक मंच पर आए और शहिद निर्मल महतो के सपनों को पूरा करें। वही मौके पर जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडे, जिला कार्यकारिणी सदस्य गोविंद पासवान, राम प्रवेश यादव, नारायण सिंह, कृष्णा पांडे, मोहम्मद जान उद्दीन, मोङ्ग इमरान, सुमित दास, वकील मंडल, शशिकांत दुबे, संतोष पासवान, सोनू मिश्रा, विजय यादव, उमेश यादव, अजय यादव, पंचू खरवार आदि कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

खदान में मजदूर की मृत्यु को लेकर मजदूर संघ ने उपायुक्त एवं एसपी को सौंपा मांग पत्र

साहिबगंज: पतना अंचल के गदाई भीठा मौजा में अवैध पत्थर खदान एवं उत्खनन कार्य के दौरान लालचंद घोष मजदूर का मृत्यु हो जाने को लेकर झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने साहिबगंज उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक को मांग पत्र सौप वैध या अवैध उत्खनन जांच करने की मांग की है। वही राजकुमार यादव का कहना है कि बरहेट निवासी रांगा थाना के अंतर्गत गदाई भीठा मौजा मे सुब्रत पाल के पत्थर खदान में कार्य के दौरान विगत दिनों पोकलेन पलट जाने से दुर्घटना से मृत्यु हो गई है। क्या घटना स्थल का माइंस लीगल माइंस है या अवैध माइंसक्या ब्लास्टिंग लाइसेंस है उन्होंने कहा कि श्रमिक का कार्य स्थल जहां घटना हुई है उस मौजा का दाग न० क्या है कंपनी में कितने वर्षों से लालचंद घोष कार्य करते थे,कौन से पद पर थे, क्या बी-रजिस्टर में नाम दर्ज है जो जांच का विषय है। मजदूर हित में संचालक पर जांचोपरांत कानूनी कार्यवाही की जाए। वहीं मौके पर निखिल यादव, कन्हाई यादव, फूल कुमारी यादव एवं अन्य लोग मौजूद थे।

कई महीने से बोरियो में बिजली का तार गिरा है, विभाग को नहीं चिंता

बोरियो: अंचल क्षेत्र के हाईवे रोड स्थित काजल पेट्रोल पंप के बगल में पिछ्ले कई महीनों से बिजली का तार नीचे जमीन पर गिरा हुआ है। लेकिन विभाग इस बिजली के तार को पोल लगाकर ऊपर नहीं उठा रही है। जबकि कई बार स्थानीय लोगों ने इसे लेकर बिजली विभाग के जेई और एसडीओ को शिकायत दर्ज.कराया है, लेकिन हर बार इन्हें सिर्फ.ठीक करा देने का आश्वासन ही दिया जाता है। ग्रामीण तापस दत्ता और जितेंद्र शर्मा ने बताया कि दिसम्बर महीने में एक ट्रेक्टर ने पोल में धक्का मार दिया था, जिससे पोल गिर गया था, तब से यह बिजली का तार ऐसे ही नीचे गिरा हुआ है, जिससे दुर्घटना की प्रबल संभावना है। कई बार पशुओं को भी इस बिजली के तार से झटका लग चूका है, और आगे कभी भी बड़ी अनहोनी हो सकती है। बिजली एसडीओ और जेई को इसकी जानकारी दी गई है और ठीक करवाने के लिए गुहार लगाया गया है, लेकिन बिजली विभाग सूद तक लेने नहीं आई है। वहीं मौके पर स्थानीय निवासी सुबल कुमार, भवानी शर्मा आदि मौजूद थे।

निर्मल दा के सपनों का झारखंड बनाने के लिए संघर्ष का रास्ता अख्तियार करने की जरूरत : खगेन महतो

नीमडीह: सरायकेला जिला के झिमरी व नीमडीह चौक में शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया। समाजसेवी खगेन महतो अपने कार्यकताओं के काफिले के साथ शहीद निर्मल के दोनों मुर्तियों पर जाकर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। बारी बारी से कार्यकताओं ने भी माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मालूम हो कि 8 अगस्त 1987 को जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित चमरिया गेस्ट हाउस के बाहर गोली मारकर निर्मम हत्या कर दिया गया था। झारखंड आंदोलन उस समय चरम पर था और निर्मल महतो केन्द्रीय अध्यक्ष के रूप में पुरे झारखंड में आंदोलन को आगे बढ़ाने का काम कर रहे थे। वहीं समाज सेवी खगेन महतो ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज शहीद निर्मल महतो के कर्म भूमि ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के उनके विभिन्न शहीद स्मारकों में शहादत दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहीद निर्मल महतो झारखंड के अरमानों में आज भी प्रकाशमान है। वीर योद्धा शहीद निर्मल महतो पुरे झारखंड में झारखंड अलग राज्य को लेकर मुखर होकर लड़ाई का पुरी धार दे चुके थे।

हिन्दू धर्म रक्षा मंच ने बांग्लादेश के हिन्दुओं को सुरक्षा प्रदान करते हुए भारत में शरण देने की मांग की

साहिबगंज: बांग्लादेश में चल रही राजनीतिक उठापटक और हिंदू समाज पर हिंसा को लेकर हिन्दू धर्म रक्षा मंच के केन्द्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित साह को डाक तथा ई मेल सोशल साइट्स के माध्यम से पत्र लिख कर मांगा किया कि बंगलादेश में जिस प्रकार से कट्टरपंथीयों संगठनों के द्वारा हिन्दू समाज पर अत्याचार हो रहा है इसे झारखंड के हिन्दू समाज ने चिंता जताई है। घोष ने कहा कि बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें और उन्हें भारत में शरण दें। उन्होंने कहा किस्समाचार पत्र और सोशल मीडिया पर मंदिरों और हिन्दुओं पर हो रहे हमलों की खबरें देखकर मन दुखी हो रहा है वहां के हिन्दू समाज पर हो रहे अत्याचार की भर्त्सना करता हूं। जल्द से जल्द हिन्दुओं को विस्थापित कर भारत लाया जाय। इस हिंसा में हिन्दुओं के मंदिरों पर हमले एवं अत्याचार एवं अमानवीय कृत्य व्यवहार जैसी घटना को लेकर पुरे भारत में भी रोष है। पीएम मोदी से बांग्लादेश के हिन्दुओं को विस्थापित कर भारत लाने की मांग करते हैं।

दो लाख तक किसानों का ऋण होगा माफ, कांग्रेस पार्टी जो कहती है वह करती है : बिट्टू पाठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने राज्य के कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने पलामू समेत राज्य के किसानों का 2 लाख रुपया तक केसीसी लोन माफ करने पर आभार जताया। कहा कि पलामू कृषि प्रधान जिला हैं। यहां पर उद्योग धंधे नहीं होने के कारण अधिकांश आबादी जीवन यापन के लिए कृषि पर निर्भर है। रैनशेडो इलाके में आने के कारण पलामू जिला में बराबर सुखाड़ के हालात बने रहे हैं। अगस्त का एक सप्ताह बीत चुका है लेकिन पलामू जिला में लक्ष्य का दस फीसदी भी धानरोपणी नहीं हुई है। बाकी खरीफ फसलों का आच्छादन भी लक्ष्य के अनुरुप नहीं हुआ है। कहा कि साल 2022 में पलामू के सुखाड़ पीड़ितों को सरकार की ओर से राहत राशि भी मिली थी लेकिन साल 2023 में सुखाड़ घोषित होने के बाद भी पलामू जिला के किसानों को सुखाड़ राहत की राशि नहीं मिल सकी। इस कारण किसानों में सरकार के प्रति निराशा है। लेकिन आपके मंत्री बनने से पलामू जिला समेत राज्य के किसानों के बीच उम्मीद जगी है कि उनलोगों को साल 2023 का सुखाड़ राहत का राशि मिलेगा। उन्होंने कहा कि पलामू जिला में बराबर सुखाड़ की स्थिति को देखते हुए अलग से कृषि नीति बनाए जाने की जरुरत है ताकि कम पानी में भी किसान खेती-किसानी कर अपना जीविकोपार्जन कर सके। इस पर मंत्री ने यथोचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। मौके पर पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव मुकेश सिंह आदि मौजूद थे।

एक नजर

पोगड़ा में स्कूली बच्चों के आंख और स्वास्थ्य की हुई जांच

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत गुरुवार के दिन राजकीय मध्य विद्यालय पोगड़ा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली के चिकित्सा दल के द्वारा 210 बच्चों का स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच का किया गया। जिसमें 14 बच्चे नेत्र रोग से ग्रस्त पाए गए। नेत्र रोग से ग्रस्त पाए गए बच्चों को सदर अस्पताल रांची में बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया। चिकित्सा दल में डॉक्टर विवेक, आप्थाल्मालॉजिस्ट संदीप कुमार, एएनएम बीना देवी, रेखा कुमारी समेत विद्यालय के शिक्षक गण मौजूद रहे।

श्रवन कुमार बने मेदिनीनगर भाजपा के नगर अध्यक्ष

मेदिनीनगर (पलामू) : अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा हलवाई समाज जिला पलामू के द्वारा स्थानीय होटल रिलैक्स इन में प्रेस कांफ्रेंस कर भाजपा के नवनियुक्त नगर अध्यक्ष श्रवन कुमार गुप्ता उर्फ पिंकू को नगर अध्यक्ष बनाए जाने पर जिला अध्यक्ष प्रभात गुप्ता, जिला महामंत्री मनोहर कुमार लाली, जिला कोषाध्यक्ष शशि कांत गुप्ता, अध्यक्ष विशाल कुमार गुप्ता ने शॉल ओढ़ा कर सम्मानित किया और बधाई दिया। श्रवण कुमार गुप्ता ने बताया कि उन्हें जो दायित्व मिला है और समाज के हित में जो भी संभव होगा उसे वह इमानदारी पूर्वक निभाएंगे। मौके पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनिल कुमार, प्रेम कुमार, विकाश गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, धर्मेंद्र कुमार, मृत्युंजय गुप्ता, चीकू जी, अनूप कुमार राजेश कुमार, गुड्डू विवेक, रंजित, सुमन जी, गुंजन, एवं सभी स्वजातीय बंधु शामिल थे।

वारंटी को गिरफ्तार कर पुलिस ने भेजा जेल

हरिहरगंज पलामू : पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विभिन्न मामलों के फरार चल रहे वारंटीयों की गिरफ्तारी अभियान जारी है। इस दौरान बुधवार को सरसोत गांव निवासी करम यादव के पुत्र वकील कुमार यादव को हरिहरगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर मेदिनीनगर जेल भेज दिया। यह जानकारी पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि विभिन्न मामलों के वांछित वारांटीयों को गिरफ्तारी अभियान जारी रहेगा।

40 लोग मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा के तहत अजमेर शरीफ हुए रवाना

गुमला : गुमला जिला से लगभग 40 की संख्या में पुरुष महिला मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा के लिए अजमेर शरीफ भेजे गए थे। तीर्थ यात्रियों ने बताया कि गुमला जिला प्रशासन के जानिब से बहुत ही शानदार तरीके से हम यात्रियों को दार्शनिक जगह अजमेर शरीफ फतेहपुर सिकरी लाल किला ताजमहल आदि का भ्रमण कराया गया। किसी प्रकार का कहीं कोई दिक्कत हम लोगों को नहीं हुई क्योंकि जिला गुमला से ऐसी व्यवस्था कराई गई थी हम सब ख्वाजा के आस्ताने पर हाजिरी पेश करते हुए अकीकत के साथ चादर पेश किया और प्रदेश में तथा जिला में अमन शांति की हम सबों ने दुआ किया। चादर पेश करने वालों में मोहम्मद गुमला से कैसर दानिश मोहम्मद इलियास अब्दुल रहमान शकील खान रिजवाना खातून शैरून निशा, अंजूम आरा, मोहम्मद घाघरा से सफेरून बीबी आलम, खान माहूवर बीबी सिसई से कमरुद्दीन खान, महबूब खान चमरुद्दीन मीर, मोहम्मद बशीर साबरा खातून, सफात अंसारी यासीन खान फजिर खान अनीशा खातून सलमान खातून अब्दुल रज्जाक आदि लोग शामिल थे।

भारी मात्रा में अवैध शराब के साथ चार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हरिहरगंज : पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बीते मंगलवार की शाम पीपरा थाना क्षेत्र के होलेया मोड़ से कुंड तक जाने वाली निमार्णाधीन सड़क के रास्ते पर छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान एक ऑटो सुजुकी वाहन से बिक्री के लिए बिहार ले जाने के दौरान 21 कार्टून में रखे 1008 बोतल अवैध देशी शराब को पीपरा पुलिस ने जप्त किया। वहीं अवैध शराब के धंधे में लिप्त चार आरोपियों को पुलिस ने मौके से ही धर दबोचा। जबकि ऑल्टो सुजुकी वाहन जे एच 01ई एक्स 3239 और एक बजाज पल्सर मोटरसाइकिल बीआर 26 क्यू 5098 को भी जप्त किया गया है। गिरफ्तार चारों आरोपियों को पुलिस ने बुधवार को जेल भेज दिया। जेल जाने वालों में अवैध शराब कारोबारी औरंगाबाद जिले के नवीनगर थाना अंतर्गत सिमरी जेयतिया निवासी शैलेश सिंह के पुत्र युवराज सिंह, थाना क्षेत्र के ही चिरैली निवासी बालस्वरूप यादव के पुत्र विकाश कुमार, टंडवा थाना क्षेत्र के मुंगिया निवासी स्व. जयनारायण चंद्रवंशी के पुत्र धीरज कुमार और पीपरा थाना क्षेत्र के बरदाग निवासी विनोद यादव के पुत्र दीपक कुमार यादव का नाम शामिल है। अभियुक्तों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की धारा और भारतीय न्याय संहिता के तहत पिपरा थाना में कांड संख्या 33/24 दर्ज की गई है।

दुष्कर्म के आरोप में 63 वर्षीय एजाज को 20 वर्ष सश्रम कारावास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के जिला व सत्र न्यायाधीश चतुर्थ पोक्सो एक्ट के स्पेशल जज अभिमन्यु कुमार की अदालत ने नाबालिक लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोपी लेस्लीगंज थाना अंतर्गत मुंदरिया निवासी एजाज अहमद 63 वर्ष को 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। व 25 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। अर्थ दंड की राशि नहीं देने पर 6 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। इस संबंध में पीड़िता जो लेस्लीगंज थाना अंतर्गत मुंदरिया निवासी है ने महिला थाना डाल्टनगंज में एजाज अहमद के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जो महिला थाना कांड संख्या 3 सन 2023 दिनांक 18 जनवरी 2023 को भारतीय दंड विधान की धारा 376 व लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 4 में प्राथमिकी दर्ज किया गया था। मुदालय पर आरोप था कि वह पीड़िता के साथ वर्ष 2019 से जब पीड़िता के घर कोई नहीं रहता था तब से अकेला पाकर उसे अपने पार्टी के सदस्यों से मरवा देने की धमकी देकर उसके साथ उसकी इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाता था। और चिल्लाने की कोशिश करने पर पीड़िता का मुंह और गला दबा देता था। तथा चाकू से डरा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता था इस प्रकार उसके साथ कई अवसरों पर शारीरिक संबंध बनाया था। दिनांक 17 जनवरी 2023 को जब पीड़िता ट्यूशन पढ़ने के लिए डाल्टनगंज आई थी तभी उसका पीछा किया था। जिस पर उसके द्वारा घटना के बारे में अपने घर वालों को सूचना दी गई। पीड़िता के लिखित प्रतिवेदन पर महिला थाना डाल्टनगंज में यह केस दर्ज किया गया था। अदालत में साक्ष्य के आधार पर दोषी पाते हुए एजाज अहमद को 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। वहीं 25 हजार रुपये अर्थदंड लगाया है। अर्थ दंड की राशि नहीं देने पर 6 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी।

इस बार विधायक कमलेश की जमानत जब्त होनी तय : अशोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हुसैनाबाद पलामू : हुसैनाबाद भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, झारखंड प्रदेश के भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह हुसैनाबाद-हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र के वरीय भाजपा नेता अशोक कुमार सिंह ने कहा कि हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ही टिकट लेकर आएगी और जीतेगी भी भाजपा ही, बाकी आजसू के अलावे जो लोग भाजपा के साथ गठबंधन का ढिंढोरा पीटते चल रहे हैं, वह बस ख्याली पुलाव भर है। पूछे जाने पर कि एनसीपी भी हुसैनाबाद से गठबंधन की दावेदारी पेश कर चुनावी मैदान में आ रही है, बात में कितनी सत्यता है। उन्होंने कहा कि एनसीपी के विधायक माननीय कमलेश कुमार सिंह भाजपा के लॉन्चिंग पैड से अपने डूबते हुए जहाज को सुरक्षित लैंड कराना चाहते हैं। माननीय जी की छवि जनता के बीच खराब हो चुकी है, इसलिए इस बार गठबंधन तो छोड़िए, वे एनसीपी से चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि अपनी जमानत जब्त होने से बचाव के लिए लड़ेंगे। यह पूछे जाने पर कि आजसू से इस बार गठबंधन होने की कितनी संभावना है? उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में आजसू ने पार्टी के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा था और मात्र लगभग 14 हजार वोट ही ला पाया था, वहीं भाजपा नेता ने भाजपा के चुनाव चिन्ह बिना ही चुनाव लड़कर उससे दोगुना, यानी लगभग 28 हजार प्लस वोट लाने का कार्य किया था, इसलिए जब गठबंधन की बात आएगी तो इन बिंदुओं को जांचा-परखा जाएगा और संभवतः भाजपा को ही यहां से चुनाव लड़ने के लिए हरी झड़ी मिलेगी।

अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष का डाल्टनगंज रेलवे स्टेशन पर विश्व हिंदू परिषद ने किया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : रांची जाने के क्रम में हिंदुत्व के पुरौधा चंपत राय जी का डाल्टनगंज रेलवे स्टेशन पर विश्व हिंदू परिषद_ बजरंग दल, पलामू के सम्मानित सदस्यों के द्वारा स्वागत सत्कार किया गया। ज्ञातब्य है कि चंपत राय एक भारतीय राजनीतिज्ञ, विश्व हिंदू परिषद के नेता और उपाध्यक्ष हैं। वर्तमान में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव के रूप में कार्यरत हैं। चंपत राय का जन्म 18 नवंबर 1946 को उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले की नगीना तहसील में रामेश्वर प्रसाद बंसल और सावित्री देवी के घर पर हुआ। ये 10 भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर हैं। बहुत कम उम्र में ही ये राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ गए और संघ के विचारों का खूब प्रचार-प्रसार किया। उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद ये धामपुर के आश्रम में डिग्री कॉलेज में केमिस्ट्री के प्रोफेसर बन गए और नौकरी करने लगे। 1991 में चंपत राय क्षेत्रीय संगठन मंत्री के तौर पर अयोध्या आए। 1996 में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय मंत्री बने, और 2002 में संयुक्त महामंत्री और इसके बाद अंतरराष्ट्रीय महामंत्री बने। इस समय चंपत राय विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। संछिप्त मुलाकात में श्री राय ने स्थानीय कार्यकताओं का हौसला बढ़ाया और उन्हें संगठन के काम में तन्मयता से संलग्न रहने के लिए प्रेरित किया। श्री राय से मिलने और स्वागत सत्कार करने वाली टीम में पलामू विभाग सह मंत्री महेंद्रनाथ, पलामू विश्व हिंदू परिषद जिला उपाध्यक्ष अजीत पाठक, जिला मंत्री दामोदर मिश्र, जिला सह मंत्री अमित तिवारी, जिला सेवा प्रमुख गोपाल तिवारी, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख सुरेश वर्मा, बजरंग दल जिला संयोजक संदीप प्रसाद गुप्ता, नगर बजरंग दल सह संयोजक दिलीप गिरी, छतरपुर प्रखंड विहिप संरक्षक रितेश जी, कार्य समिति के सम्मानित सदस्य विवेक जी सहित अनेकों कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही।

एके सिंह कॉलेज में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हुसैनाबाद पलामू : स्थानीय ए के सिंह कॉलेज जपला के प्रांगण में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में झारखंड सरकार द्वारा निर्देशित फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एन एस एस लक्ष्य गीत से हुआ जिसमें दिव्या शीतल आरुषि और किरण ने लक्ष्य गीत की प्रस्तुति दी। इस विचार गोष्ठी की अध्यक्षता कालेज के प्राचार्य प्रो. सूर्यमणि सिंह ने की। प्राचार्य ने फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि फाइलेरिया एक संक्रामक रोग है जो सर्वप्रथम मच्छर के काटने से होता है और वही मच्छर यदि दूसरे व्यक्ति को काट देता है तो उससे भी होने की संभावना हो जाती है। इसलिए आप अपने इर्द-गिर्द के स्थान को स्वच्छ रखें पानी का जमाव नहीं होने दें जिससे कि मच्छर की उत्पत्ति ही ना हो। स्वास्थ्य विभाग के पी सी आई, (एस एम सी) पलामू से आए हुए अमरेन्द्र ओझा विशिष्ट अतिथि के रूप में अपना संभाषण देते हुए कहा कि आज हम सभी के गांव में फाइलेरिया के रोगी यत्र तत्र मिल जाते हैं और यह सब रोग गंदगी के कारण होता है क्योंकि गंदगी जहां होगी वहां मच्छर का प्रकोप होगा और मच्छर के काटने से यह रोग फैलता है साथ ही उन्होंने फाइलेरिया के लक्षण, रोग की दवा एवं इससे बचाव के उपाय पर भी प्रकाश डाला। प्रो. डॉ. आलोक रंजन कुमार ने फाइलेरिया रोग होने के कारण और निवारण पर प्रकाश डाला उन्होंने फाइलेरिया के विभिन्न प्रकारों का वर्णन किया तथा उसकी दवा के संबंध में भी जानकारी दी। इस अवसर पर फाइलेरिया उन्मूलन से संबंधित एक नुक्कड़ नाटक राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों रिंकी, प्रिया, प्रीति, निशा, पूजा और सोनम ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह कर रहे थे उन्होंने फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के आरंभ से लेकर अंत तक का वर्णन किया साथ ही उन्होंने फाइलेरिया के कारण, लक्षण और उससे बचाव के उपाय के बारे में भी जानकारी दी। साथ ही उन्होंने कहा कि फाइलेरिया क्यूलेक्स मादा मच्छर के काटने से होता है, जिसका कुप्रभाव दस से पंद्रह साल बाद दिखता है। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन शिक्षक प्रतिनिधि प्रो. डॉ .आनंद कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रो डॉ शिवकुमार विश्वकर्मा, बर्सर प्रो शशिभूषण, प्रो रेखा कुमारी सिंह, प्रो राहुल कुमार सिंह तथा शताधिक स्वयंसेवकों तथा छात्रों ने सहभागिता अपनाई।

संक्षिप्त खबरें

एंटी क्राइम को लेकर चैनपुर पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

चैनपुर : चैनपुर पुलिस ने गुरूवार को पुलिस अधीक्षक गुमला के निदेर्शानुसार चैनपुर थाना मोड़ के समीप वाहन चेकिंग अभियान चलाया। वाहन चेकिंग एएसआई मदन शर्मा के नेतृत्व में एंटी क्राइम एवं सड़क सुरक्षा को लेकर थाना मोड़ के पास दो पहिया वाहन तीन पहिया वाहन तथा चार पहिया वाहन को रोककर आवश्यक वाहनों की कागजात एवं डिक्की खुलवाकर डिक्की की जांच की गई ,एवं हेलमेट नहीं पहनने वाले बाइक चालकों को फटकार लगाते हुए हेलमेट लगाकर सड़क पर चलने के निर्देश दिया गया। एएसआई मदन शर्मा के द्वारा बताया कि सड़क सुरक्षा तथा एंटी क्राइम को लेकर लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलता रहेगा। उन्होंने मोटरसाइकिल चालकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि मोटरसाइकिल चलाते समय सभी लोग हेलमेट पहने बिना हेलमेट के दो मोटरसाइकिल नहीं चलावे नहीं तो कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल को जप्त कर लिया जाएगा। पुलिस द्वारा चलाये जा रहे वाहन चेकिंग को लेकर मोटरसाइकिल चलाने वाले इधर-उधर अपना रास्ता बदलकर भागते दिखे। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार थाना क्षेत्र में कोई क्राइम की घटना ना हो वही वाहन जांच अभियान में एएसआई मदन शर्मा सहित पुलिस बल के जवान शामिल थे।

झारखंडी भाषा खातीयान संघर्ष समिति के ग्रामीण जिला अध्यक्ष बने राजू महतो

अनगड़ा : झारखंडी भाषा खाती यान संघर्ष समिति जे एल के एम का रांची ग्रामीण जिला का विस्तार किया गया। पार्टी के सर्व सहमति से झारखंडी भाषा खाती यान संघर्ष समिति /जे एल के ए म के युवा मोर्चा के ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजू महतो को बनाया गया। अधयच बनने पर युवा मोर्चा केंद्रीय महासचिव सनी तिग्गा, जिला उपाध्यक्ष सूरज नारायण महतो, जालेश्वर महतो उर्फ मार्शल,सुधांशु महतो, मंटु महतो आदि ने बधाई दिया।

निर्मल महतो के शहादत दिवस पर किया गया माल्यार्पण

अनगड़ा : गोंदली पोखर चौक में झारखण्ड राज्य के अगुवा ऑल झारखण्ड स्टूडेंट यूनियन के संस्थापक एवं झारखण्ड अलग राज्य के मसीह अपने प्रणों के आहुति देने वाले आन्दोलनकारी वीर शहीद निर्मल महतो जी के शहादत दिवस मनाया गया। मौके पर आजसू पार्टी के केन्द्रीय सचिव जितेन्द्र सिंह, केन्द्रीय सचिव सह जिला परिषद सदस्य राजेन्द्र शाही मुण्डा, केंद्रीय सचिव सह पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उराँव, उपप्रमुख सह महिला जिला अध्यक्ष वीणा कुमारी, केन्द्रीय सचिव फूलकुमारी देवी, केन्द्रीय सदस्य काशी नाथ महतो, केन्द्रीय सदस्य जलनाथ चौधरी, केन्द्रीय सदस्य बीरेन्द्र सिह भोक्ता, जिला प्रवक्ता रोशन लाल मुण्डा, जिला सचिव अजित महतो, राँची जिला सह कोषाध्यक्ष आतिश महतो, सचिव वीणा देवी, अनगड़ा प्रखण्ड अध्यक्ष जगरनाथ महतो, सचिव धर्मेन्द्र सिंह, प्रेम प्रकाश केशरी, काशीनाथ महतो, सुनील करमाली, राजेश महतो, प्रमिला कुमारी,सोनु उरांव आदी उपस्थित थे।

15 अगस्त के झंडोतोलन को लेकर अनुमंडल कार्यालय में हुई बैठक

छतरपुर (पलामू) : छतरपुर अनुमंडल कार्यालय में आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी हीरा कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे विभिन्न कार्यालय, विद्यालय एवं कॉलेज में झंडोतोलन हेतु समय निर्धारित किया गया। जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी आवासीय कार्यालय 8:00 बजे पूर्वाह्न, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आवासीय कार्यालय 8:15 बजे अनुमंडल कार्यालय छतरपुर 8:30 बजे, प्रखंड कार्यालय 8:45 बजे,नगर पंचायत छतरपुर 8:55 बजे, राजकीय उच्च विद्यालय 9:45 बजे, गुलाबचंद प्रसाद अग्रवाल इंटर कॉलेज 10: 00 बजे, गुलाबचंद प्रसाद अग्रवाल डिग्री कॉलेज सडमा 10:10 बजे, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय10:35 पूर्वाहन झंडोतोलन के लिए समय निर्धारित किया गया है वहीं दोपहर 1:00 बजे से हाई स्कूल के मैदान में प्रशासन एकादश एवं पत्रकार एकादश के बीच फैंसी फुटबॉल मैच का अभी आयोजन किया गया है। इस बैठक मे एसडीओ हिरा कुमार,एलआरडीसी विजय करकट्टा डीएसपी नौशाद आलम, प्रखंड विकास पदाधिकारी छतरपुर आशीष कुमार अंचलाधिकारी छतरपुर नित्यानंद प्रसाद थाना प्रभारी छतरपुर प्रशांत प्रसाद, नगर कार्यपालक पदाधिकारी, सीडीपीओ शीला कुमारी, निवर्तमान अध्यक्ष मोहन जैसवाल समाजसेवी अरविंद गुप्ता और बीस सूत्री अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

हिंडालको मुरी फुटबॉल प्रीमियर लीग का हुआ उद्घाटन

सिल्ली : मुरी 8 अगस्त 2024 हिंडालको मुरी फुटबॉल मैदान में आज हिंडालको मुरी प्रीमियर लीग का भव्य उद्घाटन किया गया। इस आयोजन का शुभारंभ कंपनी के बिजनेस हेड सौरभ खांडेकर ने किया इस लीग में कुल 11 टीमों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन समारोह से पूर्व खांडेकर ने सभी खिलाड़ियों का परिचय लिया और प्रत्येक टीम का उत्सवर्धन के लिए प्रेरणादायक शब्द कहे प्लांट हेड रोहित चौरसिया एचआर हेड अरुण राय और सैकड़ो दशक इस बीच मौजूद थे श्री खांडेकर ने इस लीग के आयोजन को हिंडालको के कर्मचारियों और उसके परिवार के लिए एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक अवसर बताया उन्होंने कहा कि या प्रतियोगिता न केवल खेल के प्रति उत्साह को बढ़ावा देगी बल्कि टीम स्पिरिट पर एकता को भी प्रोत्साहित करेगी। इस लीग का आयोजन कंपनी की खेलकूद और सामूहिक गतिविधियों के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है सभी टीम ने अच्छी पूरी ताकत के साथ खेल का प्रदर्शन किया और दर्शकों ने भी उत्साह के साथ मैच का आनंद लिया हिंडालको मुरी प्रीमियर लीग के सफल आयोजन के उम्मीद के साथ हम सभी टीमों को शुभकामनाएं देते हैं खेल के माध्यम से स्वच्छ प्रतिस्पर्धा भावना को प्रोत्साहित करने की आशा करते हैं।

उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र के बच्चों के लिए पुलिस की अनोखी पहल, निःशुल्क कोचिंग से सजेगा भविष्य

मेदिनीनगर (पलामू) : पलामू जिले के मनातू थाना अंतर्गत आने वाले अति उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र के बच्चों के लिए पलामू पुलिस ने एक अनूठी पहल की है। सामुदायिक पुलिसिंग के तहत गुरुवार को इन ग्रामीण बच्चों के लिए आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु नि:शुल्क कोचिंग कक्षाओं की शुरूआत की गई है। यह कक्षाएं विशेष रूप से उत्पाद सिपाही, झारखंड पुलिस, झारखंड सचिवालय, एसएससी, जीडी आदि परीक्षाओं की तैयारी के लिए आयोजित की जा रही हैं। इन कक्षाओं का आयोजन प्रत्येक सप्ताह गुरुवार और रविवार को किया जाएगा। मनातू थाना के विभिन्न गांवों, जो कि उग्रवाद से प्रभावित और आर्थिक, शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े हुए हैं, के बच्चों के लिए यह पहल वरीय पुलिस पदाधिकारी पलामू के निर्देशानुसार की गई है। इस कोचिंग के माध्यम से न केवल बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी, बल्कि पुलिस और ग्रामीण जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का भी प्रयास किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के बीच शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने और उनके भविष्य को संवारने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए गए हैं।

फिटनेस

यह है सबसे अच्छी एक्सरसाइज

जांघों की चर्बी महिलाओं की सबसे बड़ी समस्या होती है। जाघों और बट का मोटापा महिलाओं के बॉडी शेप को खराब कर देता है। बट फैट को कम करने के लिए एक्सरसाइज की जरूरत होती है। जाघों और बट में फैट होने की वजह से महिलाओं को चलने में भी परेशानी होती है। अगर आप भी आपके जांघों की चर्बी घटाने के उपाय खोज रहे हैं, तो सिंगल-लेग स्क्वाट एक्सरसाइज करनी चाहिए। सिंगल-लेग स्क्वाट नियमित करने से जांघों की चर्बी बहुत तेजी से घटने लगती है। आइए जानते हैं सिंगल-लेग स्क्वाट करने का सही तरीका।जांघों की चर्बी कम करने के लिए सिंगल-लेग स्क्वाट करने का सही तरीका पता होना जरूरी है। सिंगल-लेग स्क्वाट करने के लिए एक 2 फीट ऊंचे टेबल, कुर्सी या कोई और सामान की जरूरत होती है। आप सिंगल-लेग स्क्वाट को सीढ़ी पर भी कर सकते हैं।

सावधानियां

अगर आपके घुटनों में दर्द की समस्या है, तो यह एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए। बहुत अधिक वजन वाले लोगों को भी यह एक्सरसाइज करने की सलाह नहीं दी जाती है।

पहला चरण

सबसे पहले आप बेंच या कुर्सी से दो फीट दूर खड़े होते हैं। अब आपको एक पैर को पीछे की तरफ से कुर्सी या बेंच पर रखना होता है। आपके कंधे और हाथ चित्र में जैसा दिख रहा है वैसा होना चाहिए।

दूसरा चरण

जो पैर जमीन में हो वो एक दम सीधा रखने की कोशिश करें। अब स्क्वाट की तरह आपको नीचे की ओर जाना होता है।

तीसरा चरण

इस चरण में आपको नीचे से ऊपर की ओर आना होता है। आपके हाथ दोनों एक साथ जुड़े होने चाहिए। सर सीधा होना चाहिए।

चौथा चरण

ऊपर की तरह ही आपको दूसरे पैर के साथ भी वही अभ्यास दोहराना है। एक पैर पर कम से कम 10 बार स्क्वाट आपको करना है। जांघों की चर्बी घटाने के लिए यह सिंगल-लेग स्क्वाट नियमित तौर पर करना चाहिए। अगर आप रोजाना यह एक्सरसाइज करती हैं, तो कुछ दिनों में आपके जांघों और बट का फैट बर्न होने लगता है। इस एक्सरसाइज को करने से सेक्सी फिगर और टोन बट बनने लगता है।

ब्यूटी

विंटर में डस्की स्किन टोन की महिलाएं ट्राई करें

ये डार्क लिपस्टिक शेड्स

विंटर सीजन में महिलाओं के लिए एक्ट्रैक्टिव लुक पाना बहुत आसान होता है। इस कुल सीजन में आप डार्क टोन मेकअप को अपनी पहली पसंद के रूप में चुन सकती हैं। क्योंकि सर्दी के मौसम में डार्क टोन मेकअप आपको एक्ट्रैक्टिव लुक देने का काम करता है। लेकिन डस्की स्किन टोन वाली महिलाएं अक्सर अपने मेकअप को लेकर टेंशन में रहती हैं। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके लिए कुछ लिपस्टिक शेड्स आइडिया लेकर आए हैं। जिन्हें आप इस विंटर सीजन अपने फेवरेट लिपस्टिक शेड्स की लिस्ट में शामिल कर सकती हैं।

बोल्ड पिंक शेड

पिंक लिपस्टिक शेड हर लड़की की पहली पसंद होती हैं। लेकिन डस्की स्किन टोन की महिलाओं के चेहरे पर लाइट कलर के लिपस्टिक शेड बिल्कुल भी अच्छे नहीं लगते। ऐसे में आप बोल्ड यानि डार्क पिंक शेड को अपने मेकअप पाउच में शामिल कर सकती हैं। पिंक लिपस्टिक का ये शेड डस्की स्किन टोन वाली महिलाओं को एक एक्ट्रैक्टिव लुक देता है। ब्राइड्स के लिए भी ये बोल्ड पिंक शेड यूनिक और बेस्ट ऑप्शन है।

वाइन लिप शेड

विंटर सीजन में बोल्ड और सेक्सी लुक पाने के लिए आप वाइन डीप शेड चुन सकती हैं। डस्की स्किन टोन की महिलाओं के लिए ये शेड काफी अच्छा हैं, सभी स्किन टोन की महिलाएं भी इस शेड को यूज कर सकती हैं।

चॉकलेट ब्राउन लिप शेड

विंटर सीजन में आप अपने लिप्स को एक्ट्रैक्टिव और खूबसूरत लुक देने के लिए चॉकलेट ब्राउन शेड के साथ जा सकते हैं। ये आपको इस मौसम में बोल्ड लुक देने में मदद कर सकता है।

पर्पल लिप शेड

अगर आप अपने लिप्स के साथ कुछ एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं। तो आप पर्पल लिप शेड के साथ जा सकती हैं। ये लिप शेड आपको एक यूनिक लुक देने के साथ एक्टैक्टिव भी बनाएगा।

प्लम शेड

किसी पार्टी या खास मौके पर अगर आप अपने आपको ड्रेमेटिक टच देना चाहती हैं, तो आप इस डार्क प्लम शेड को अपने लिपस्टिक कलेक्शन में जरूर शामिल करें। इस सीजन में आपको आपको एक्ट्रैक्टिव लुक देने के लिए ये लिपस्टिक शेड बेस्ट ऑप्शन है।

कपकोट की खूबसूरती के आगे नैनीताल भी फेल

सैर-सपाटा

उत्तराखंड की हसीन वादियों में ऐसी कई अद्भुत और बेहतरीन जगहें मौजूद हैं, जो सैलानियों की नजर से बची हुई हैं। कपकोट एक ऐसी ही जगह है, जिसके सामने कई बार नैनीताल भी फीका लगता है। कपकोट में किसी बेहतरीन जगह घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले जीरो पॉइंट का नाम जरूर लिया जाता है। पहाड़ी की चोटी पर मौजूद यह स्थान सैलानियों के बीच में काफी फेमस है। जीरो पॉइंट अपनी अद्भुत खूबसूरती के लिए के लिए काफी फेमस है। जीरो पॉइंट से कपकोट की हसीन खूबसूरती को करीब से निहार सकते हैं। मानसून या ठंड के समय जीरो पॉइंट बादलों से ढक जाता है। आपको बता दें कि मुख्य शहर से जीरो पॉइंट जाने के लिए आक ट्रेकिंग भी कर सकते हैं। कपकोट से कुछ ही दूरी पर मौजूद पनौरा एक बेहद ही खूबसूरत और मनमोहक स्थान है। अगर आप उत्तराखंड में शांत से भी शांत जगह घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो फिर आपको पनौरा जरूर पहुंचना चाहिए। पनौरा को प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत माना जाता है। यहां आपको हर तरफ हरियाली ही हरियाली दिखाई देगी। आसपास मौजूद छोटी-छोटी झील और झरने इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है।

बाहरी मार्केट वैसे तो स्थानीय मार्केट है, लेकिन कपकोट में घूमने के लिए एक बेस्ट स्थान माना जाता है। बाहरी मार्केट को कपकोट का मॉल रोड माना जाता है। इसलिए यहां चहल-पहल भी बहुत होती है। बाहरी मार्केट को एक्सप्लोर करने के साथ-साथ शॉपिंग भी कर सकते हैं। इसके अलावा मार्केट में आप स्थानीय भोजन से लेकर अन्य कई डिशेज को भी ट्राई कर सकते हैं। आपको बता दें कि शाम के समय इस मार्केट की रौनक सबसे अलग होती है। सरयू नदी कपकोट की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है। कपकोट शहर के बीच से बहने वाली यह नदी कपकोट को दो हिस्सों में विभाजित करती है। नदी के किनारे-किनारे टहलने का एक अलग ही मजा होता है। सरयू नदी के किनरे सुकून से बैठ सकते हैं। नदी में मछली पकड़ने का भी काम कर सकते हैं। मानसून के समय सरयू नदी और आसपास का इलाका बेहद ही खूबसूरत और हसीन दिखाई देता है। मानसून में कई बार सरयू नदी बादलों से ढक जाती है। कपकोट का निकटतम हवाई अड्डा पंतनगर है, जो कपकोट से लगभग 206 किमी की दूरी पर है। ट्रेन से कपकोट का निकटतम रेलवे स्टेशन काठगोदाम है, जो कपकोट से लगभग 173 किमी की दूरी पर है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-1-2-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रुकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। शुभांक-5-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें। शुभांक-5-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। शुभांक-1-4-5

काकुरो पहेली - 3259

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3258 का हल

हंसी के फूव्वारें

मियां-बीवी में धन-दौलत की मिल्कियत को लेकर जबरदस्त कहा-सुनी हो गई. बीवी ने गुस्से से कहा, 'तुम्हारा इस घर में है क्या, जो कुछ है, सब मेरे पिता ने दहेज में दिया है.'

संयोगवश उसी रात घर में चोर घुस गए. बीवी की आंख खुल गई. वह मियां को जगाने लगी, 'जल्दी उठो, घर मे चोर घुस आए हैं.'

मियां ने करवट बदलते हुए कहा, 'मै क्यों उठूं, मेरा इस घर में है ही क्या?'

□ □ □

जज (अभियुक्त से)- तुम्हारी पहली पत्नी की मौत कार दुर्घटना से हुई थी, जबकि दूसरी पत्नी जहर खाकर मर गई. ऐसा क्यों हुआ?

अभियुक्त (जज से)- दूसरी पत्नी कार चलाना नहीं जानती थी.

□ □ □

एक ग्राहक होटल के बैरे से- अरे इस गिलास में पत्ता गिरा है.

बैरा (ग्राहक से) - इसमें कोई ताज्जुब की बात नहीं है, इस शहर में हमारे होटल की कई शाखाएं हैं.

□ □ □

रमेश - अरे, आपका लड़का फेल हो गया है और आप मिठाई खिला रहे हो?

नेता जी - पास, फेल क्या मायने रखता है, बहुमत तो इसके साथ है. पचास में से पैतीस बच्चे इसके साथ फेल हुए हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 3259

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सता से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरुख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिश्मा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दोनों रंग दोनों' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3258

पि	या	का	ष	र	■	ह	थ	क	ड़ी
ता	र	■	गै	■	दो	स्ती	■	न्या	■
■	न	खु	दा	■	ब	■	अं	दा	ज
ह	■	त	■	कुं	द	न	■	न	■
म	ज	बू	र	■	न	ज	र	■	म
सा	था	■	त	ब्बू	■	श	■	ऊँ	न
या	■	आ	न	■	कि	ना	रा	■	च
■	गै	र	■	मै	ला	■	म	या	ली
प्या	■	सा	पी	■	■	रा	जा	■	■
सा	ग	र	■	र	स्सी	■	ने	पा	ल

सूडोकु -3259

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3258 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	9	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

शब्द पहेली - 3259

बाएँ से दाएँ

1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली -3258 का हल

विनेश फोगाट ने कुश्ती से लिया संन्यास, कहा- पेरिस ओलंपिक के बाद उनमें कोई ताकत नहीं बची

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक में कठिन अनुभव के बाद कुश्ती से संन्यास की घोषणा की है, जहां फाइनल में पहुंचने के बाद उन्हें टूर्नामेंट से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। विनेश दूसरे वेट-इन (फाइनल के दिन) के दौरान वजन मापने में विफल रहीं और उन्हें टूर्नामेंट से अयोग्य घोषित कर दिया गया, जिससे उनका पक्का पदक भी छिन गया। 29 वर्षीय विनेश कुश्ती में ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गई थीं। भारत के लिए ओलंपिक पदक जीतने वाली एकमात्र अन्य महिला पहलवान साक्षी मलिक ने रियो 2016 में कांस्य पदक जीता था। गुरुवार की सुबह तड़के सोशल मीडिया पर विनेश ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखाः 'माँ कुश्ती, तुमने मुझे हरा दिया। मुझे माफ कर दो। मेरे सपने टूट गए हैं। मेरी हिम्मत टूट गई है। अब मुझमें और ताकत नहीं है। अलविदा कुश्ती। मैं हमेशा तुम्हारा ऋणी रहूँगा। माफ करना।' दो बार की ओलंपियन विनेश के नाम तीन कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड, दो विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक और एक एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक है। उन्हें 2021 में एशियाई चैंपियन का ताज भी पहनाया गया था। विनेश प्रतिष्ठित फोगट कुश्ती परिवार से हैं। उनकी चचेरी बहनें गीता, संगीता और बबीता भी पहलवान हैं। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया ने उनकी चचेरी बहन संगीता से शादी की है। पिछले अठारह महीने इस अनुभवी पहलवान के लिए विशेष रूप से कठिन रहे। 2023 के अधिकांश भाग के लिए, विनेश ने साक्षी और बजरंग के साथ मिलकर भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्कालीन प्रशासकों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसका नेतृत्व उस समय के दीर्घकालिक अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह कर रहे थे। विनेश और साक्षी ने महासंघ के भीतर सत्ता के दुरुपयोग की अन्य गंभीर शिकायतों के अलावा यौन उत्पीड़न और मानसिक शोषण के आरोप लगाए और जंतर-मंतर पर सड़कों पर कई सप्ताह तक विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शनों ने भारतीय कुश्ती महासंघ पर ध्यान केंद्रित करने में मदद की, जिसे निष्पक्ष संचालन प्रथाओं के लागू होने तक निलंबित कर दिया गया था। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने फरवरी 2024 में डब्ल्यूएफआई के अनंतिम निलंबन को हटा दिया, लेकिन महासंघ को यह गारंटी देने की आवश्यकता थी कि बजरंग, साक्षी या विनेश के खिलाफ कोई भेदभावपूर्ण कार्रवाई नहीं की जाएगी। विनेश के लिए चीजें सकारात्मक हो गईं क्योंकि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर 55 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जो लगभग 16 महीनों के बाद प्रतिस्पर्धी कुश्ती में उनकी वापसी थी। विनेश ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में फाइनल में पहुंचकर महिलाओं की 50 किग्रा श्रेणी में अपना पेरिस ओलंपिक कोटा सुरक्षित कर लिया था। उन्होंने सेमीफाइनल में लौरा गनीकीजी को हराया। डब्ल्यूएफआई ने कहा कि वे ओलंपिक ट्रायल आयोजित नहीं करेंगे और कोटा जीतने वाले पहलवान पेरिस में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

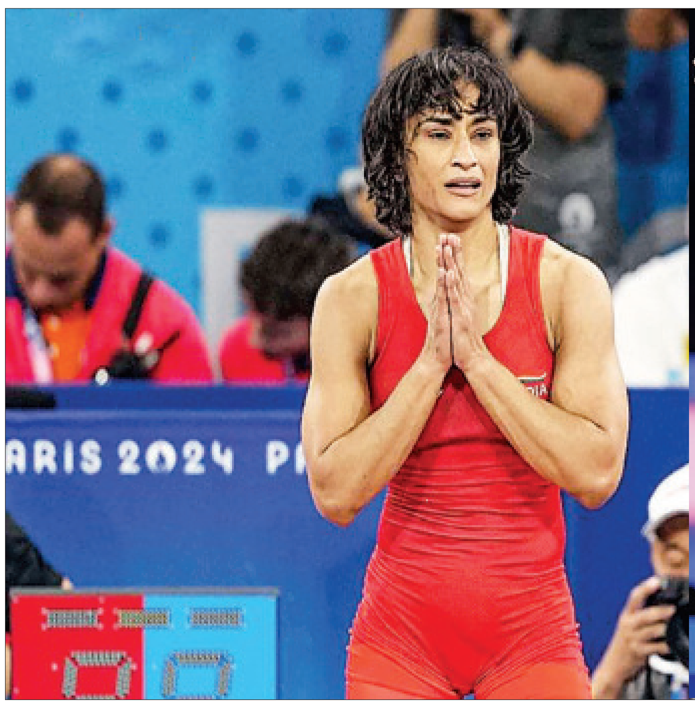

पेरिस ओलंपिक : अंशु मलिक हारीं कुश्ती का मुकाबला

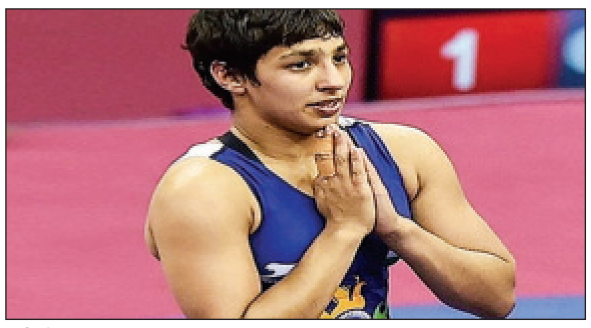

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय पहलवान अंशू मलिक पेरिस ओलंपिक 2024 में महिलाओं के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल राउंड ऑफ 16 कुश्ती मुकाबले में हार गईं। उन्हें अमेरिका की हेलेन लुईस मारौलिस से 2-7 से हार का सामना करना पड़ा। पहले राउंड में अमेरिकी पहलवान ने दो अंक जुटा कर बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे राउंड में भी अमेरिकी पहलवान ने यही प्रदर्शन जारी रखते हुए पांच अंक जुटाए, जबकि अंशु मलिक दो अंक ही जुटा पाईं।

पेरिस ओलंपिक कुश्ती : अमन ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, पदक से बस एक कदम दूर

एजेंसी

पेरिस : युवा भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने पेरिस ओलंपिक 2024 में दमदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग कुश्ती के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में अल्बानिया के जेलिमखान अबकारोव को 12-0 से धूल चटा दी। इससे भारत को कुश्ती में पदक आने की एक आशा की किरण दिखाई दी है। अगर अमन सेमीफाइनल में जीत दर्ज कर फाइनल में पहुंचते हैं तो पदक पक्का हो जाएगा। अमन ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जेलिमखान अबाकारोव के खिलाफ पहले राउंड में एक और फिर दो पॉइंट लेकर 3-0 की बढ़त बनाई। इसके बाद दूसरे राउंड में विपक्षी पहलवान को धूल चटाते हुए कुल 9 पॉइंट हासिल किए। उन्होंने टेक्निकल सुपीरियरिटी के आधार पर 12-0 से एकतरफा मुकाबला जीत लिया। अब भारतीय पहलवान का सेमीफाइनल मुकाबला रात में 9 बजकर 45 मिनट पर होगा। सेमीफाइनल में उनका सामना जापान के री हिगुची से होगा। इससे पहले अमन ने मैसेडोनिया के व्लादिमीर इगोरोव के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की थी। अमन ने व्लादिमीर इगोरोव को राउंड ऑफ 16 मुकाबले में टेक्निकल सुपीरियॉरिटी के आधार पर 10-0 से हराया था।

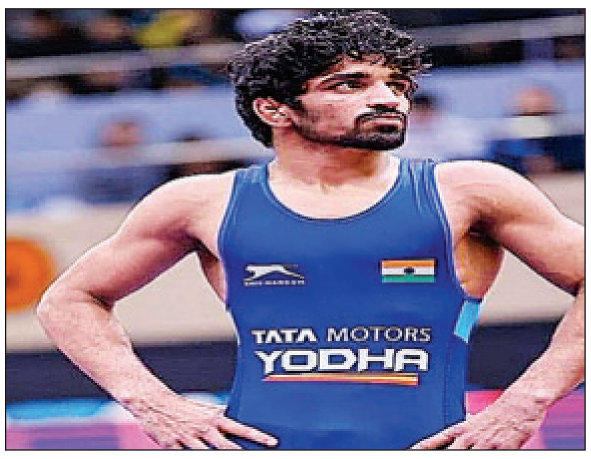

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड दूसरी जीत की तलाश में, इंटर काशी फाइनल ग्रुप गेम खेलेगा

एजेंसी

कोलकाता : नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी (एनईयूएफसी) ने कोकराझार के साई स्टेडियम में ग्रुप ई में लगातार दूसरी जीत हासिल करने के लक्ष्य से बीएसएफ का सामना करेगा, जबकि आई-लीग टीम और डुरंड कप में पदार्पण करने वाली इंटर काशी, ग्रुप बी मुकाबले में भारतीय नौसेना के खिलाफ कोलकाता के किशोर भारती क्रिरांगन (केबीके) में जीत के साथ अपने 133वें इंडियनऑयल डूरंड कप ग्रुप स्टेज अभियान को समाप्त करने की कोशिश करेगा। शुक्रवार (अगस्त 9, 2024) को डबल-हेडर क्रमशः कोलकाता में भारतीय समयानुसार शाम 4 बजे और कोकराझार में शाम 7 बजे शुरू होंगे। हाइलैंडर्स, स्थानीय पसंदीदा बोडोलैंड एफसी पर अपनी शुरूआती गेम जीत के बाद जुआन पेड्रो बेनाली की अगुवाई में बहुत उत्साहित हैं और शुक्रवार को बीएसएफ की टीम के खिलाफ एक और बेहतरीन प्रदर्शन करना चाहेंगे, जिसने ओडिशा एफसी के खिलाफ पांच गोल खाए थे। जितिन एमएस और अंकित पद्मनाभन जैसे नॉर्थईस्ट खिलाड़ी पार्थिब गोगोई के साथ अच्छी तरह से संयुक्त हैं और बीएसएफ की रक्षा के लिए एक बड़ा खतरा पैदा करेंगे, जिन्हें अपने पहले गेम में हारने के बाद जल्दी से अपना कार्य सुधारना होगा। वाराणसी स्थित टीम इंटर काशी, जो पिछले सीजन में अपने पदार्पण आई-लीग अभियान में चौथे स्थान पर रही थी, ने भी अपने पहले डुरंड कप गेम में प्रभावित किया।

भारत ने गंवाया हॉकी सेमीफाइनल, जर्मनी 3-2 से फाइनल में, भारत के खाते में ब्रॉन्ज

एजेंसी

नई दिल्ली : ओलंपिक में 44 साल बाद स्वर्ण जीतने का भारतीय हॉकी टीम का सपना जर्मनी के हाथों सेमीफाइनल में 2-3 से मिली हार से टूट गया और अब तक अभेद दिख रहे भारतीय डिफेंस में विश्व चैम्पियन टीम ने बड़ी चतुराई से सेंध मारकर टीवी के आगे देर रात नजरें गड़ाये बैठे करोड़ों भारतीयों का दिल भी तोड़ दिया। पेरिस ओलंपिक में स्पेन को 2-1 से हरा कर भारत ने ब्रॉन्ज मेडेल जीत लिया । भारती गोल कीपर ने आखिरी मिनट में दो गोल रोके । वहीं, फाइनल जर्मनी और नीदरलैंड के बीच होगा। पहले क्वार्टर में बढ़त बनाने के बावजूद भारतीय टीम लय कायम नहीं रख पाई। डिफेंस बिखरा हुआ था तो फॉरवर्ड पंक्ति दबाव में दिखी जबकि मिडफील्ड में भी कई गलतियां हुईं। भारत को अपने अनुभवी फर्स्ट रशर अमित रोहिदास की कमी बुरी तरह खली जो ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में मिले रेडकार्ड के कारण एक मैच का प्रतिबंध झेल रहे हैं । भारत के लिये सातवें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने और 36वें मिनट में सुखजीत सिंह ने गोल किया जबकि जर्मनी के लिए गोंजालो पेयाट ने 18वें, क्रिस्टोफर रूर ने 27वें और मार्को मिल्टकाउ ने 54वें मिनट में गोल दागे। ब्रेक के बाद भारतीय टीम ने आक्रामक शुरूआत की और पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर बनाया लेकिन जर्मनी के डिफेंस ने हरमनप्रीत को रोकने के लिए अच्छा होमवर्क किया था। एक और पेनल्टी कॉर्नर पर हरमनप्रीत का पहला और रिबाउंड पर हार्दिक सिंह का प्रयास गोल में नहीं बदल सका। भारत को 36वें मिनट में मैच का 11वां पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर पहली बार वैरिएशन का इस्तेमाल किया गया ।

इंग्लैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप श्रृंखला के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित

एजेंसी

कोलंबो : श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ 21 अगस्त से मैनचेस्टर में शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए 18 खिलाड़ियों की टीम घोषित कर दी है। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है। टीम में मिलन रथनायके और निसाला थरका नए चेहरे हैं। 33 वर्षीय निसाला थरका ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने 107 मैचों में 257 विकेट और 2358 रन बनाए हैं। यह श्रृंखला राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनने का उनका पहला अवसर है। दूसरी ओर, रथनायके अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछली श्रृंखला के लिए टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन अभी तक उन्होंने पदार्पण नहीं किया है। तेज गेंदबाजी लाइन-अप में असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, कसुन राजिथा और लाहिरू कुमारा शामिल हैं। धनंजय डी सिल्वा की अगुवाई वाली टीम में बल्लेबाज पथुम निसांका और स्पिनर जेफरी वांडरसे की भी वापसी हुई है। निसांका और वांडरसे ने आखिरी बार सबसे लंबे प्रारूप में 2022 में खेला था, वांडरसे का चयन एकदिवसीय मैच में भारत के खिलाफ 6/33 के अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद हुआ। श्रीलंका के स्पिन आक्रमण का नेतृत्व प्रभात जयसूर्या और रमेश मेंडिस करेंगे जो टीम में गहराई और विविधता प्रदान करेंगे। कुसल मेंडिस को हाल ही में एकदिवसीय कप्तान के रूप में चरिथ असलांका द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है, जो टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम के उप कप्तान होंगे। श्रीलंका 50% अंक प्रतिशत के साथ वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड 36.54% के साथ छठे स्थान पर है। यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका लक्ष्य स्टैंडिंग में ऊपर चढ़ना और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह सुरक्षित करना है।

संक्षिप्त खबरें

आईसीसी ने श्रीलंका के स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा से भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन पर मांगा जवाब

नई दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंकाई स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा पर आईसीसी भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन के तीन आरोप लगाए हैं। जयविक्रमा के पास आरोपों का जवाब देने के लिए 6 अगस्त से 14 दिन का समय है। आईसीसी के गुरुवार को जारी बयान के अनुसार जयविक्रमा कथित तौर पर बिना देरी किए भ्रष्टाचार निरोधक इकाई को रिपोर्ट करने में विफल रहे कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय मैचों और 2021 लंका प्रीमियर लीग के दौरान फिक्सिंग करने के लिए संपर्क किया गया था। श्रीलंका के गेंदबाज ने भ्रष्ट आचरण करने के लिए संपर्क करने से संबंधित संदेशों को डिलीट कर दिया था। आईसीसी ने जयविक्रमा को आरोपों का जवाब देने के लिए 6 अगस्त से 14 दिन का समय दिया है। श्रीलंकाई स्पिनर पर लगे आरोप अनुच्छेद 2.4.4 – भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मैचों में फिक्सिंग करने के लिए प्राप्त संपर्क का विवरण, अनावश्यक देरी के बिना, भ्रष्टाचार निरोधक इकाई को रिपोर्ट करने में विफल रहना। अनुच्छेद 2.4.4 भ्रष्टाचार निरोधक इकाई को अनावश्यक देरी के बिना रिपोर्ट करने में विफल रहना, उस संपर्क का विवरण जो उन्हें प्राप्त हुआ था जिसमें उन्हें 2021 लंका प्रीमियर लीग में फिक्सिंग करने के लिए एक भ्रष्टाचारी की ओर से किसी अन्य खिलाड़ी से संपर्क करने के लिए कहा गया था। अनुच्छेद 2.4.7 उन संदेशों को हटाकर जांच में बाधा डालना जिनमें भ्रष्ट आचरण में शामिल होने के लिए संपर्क और प्रस्ताव किए गए थे। संहिता के अनुच्छेद 1.7.4.1 और 1.8.1 के अनुसार, श्रीलंका क्रिकेट और आईसीसी ने सहमति व्यक्त की है कि आईसीसी अंतरराष्ट्रीय मैच शुल्क के साथ-साथ लंका प्रीमियर लीग शुल्क के संबंध में भी कार्रवाई करेगा।

ओलंपिक पदक विजेता स्वप्निल कुसाले का पुणे में जोरदार स्वागत

मुंबई : पेरिस ओलंपिक 2024 में 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाले स्वप्निल कुसाले का गुरुवार को स्वदेश लौटने पर पुणे में जोरदार स्वागत किया गया। स्वप्निल का स्वागत करने के लिए श्री शिव छत्रपति क्रीड़ानगरी ने विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। स्वप्निल कुसाले का पुणे एयरपोर्ट पर शानदार स्वागत किया गया। इसके बाद बालेवाड़ी स्थित क्रीडा प्रबोधिनी में भी स्वप्रिल कुसाले का स्वागत हुआ। स्वप्रिल कुसाले कोल्हापुर के राधानगरी तहसील के कंबलवाड़ी गांव के रहने वाले हैं और उन्होंने अपनी उपलब्धियों से महाराष्ट्र और कोल्हापुर का नाम पूरी दुनिया में प्रसिद्ध किया है। करीब 72 साल बाद महाराष्ट्र का व्यक्तिगत पदक का सपना सच हो गया है। 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में भारत के लिए पहला व्यक्तिगत पदक जीतने वाले पहलवान खाशाबा जाधव के बाद, स्वप्निल ओलंपिक में पदक जीतने वाले महाराष्ट्र के केवल दूसरे खिलाड़ी बने हैं। पुणे में 6 अगस्त, 1994 को जन्मे स्वप्निल का ओलंपिक तक का सफर रोमांचक रहा। स्वप्निल ने अपना पहला राज्य स्तरीय स्वर्ण पदक तब जीता जब वह नासिक के भोसले मिलिट्री स्कूल में नौवीं कक्षा में थे। तभी से उनका ओलंपिक तक का सफर जोरदार ढंग से शुरू हो गया। 2012 में स्वप्निल को पहली बार जर्मनी में एक अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंट के लिए चुना गया था। तब पिता ने डेढ़ लाख का कर्ज लिया और बेटे को जर्मनी भेज दिया। वह उस प्रतियोगिता में सफल नहीं हो सके लेकिन उन्होंने फिर से कड़ी मेहनत की और 2015 में अंडर-18 स्पर्धा में रजत पदक जीता। स्वप्निल की मां कम्बलवाड़ी गांव की सरपंच हैं। पिता और भाई दोनों शिक्षक हैं। स्वप्रिल की इस सुनहरे सपने को सफल करने में परिवार ने समय-समय पर उनका साथ दिया है। स्वप्निल कुसाले मध्य रेलवे के पुणे डिवीजन में टिकट चेकर के रूप में काम करते हैं। ओलंपिक में उनकी सफलता पर सेंट्रल रेलवे ने भी गौर किया है। मध्य रेलवे के महाप्रबंधक राम करण यादव ने स्वप्निल को अधिकारी के रूप में पदोन्नत किये जाने की घोषणा की है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्वप्रिल को एक करोड़ रुपये इनाम देने की भी घोषणा की है।

घरेलू सत्र में बंगाल के लिए खेलेंगे ऋद्धिमान साहा

नई दिल्ली : पिछले दो सत्र से त्रिपुरा की टीम के कप्तान और मेंटॉर की भूमिका में रहे ऋद्धिमान साहा घरेलू सत्र में दोबारा पश्चिम बंगाल के लिए खेलेंगे। वहीं वसीम जाफर पंजाब टीम के कोच बन सकते है। त्रिपुरा ने आगामी सत्र के लिए अपनी टीम में मनदीप सिंह को शामिल किया है जिनकी कप्तानी में पंजाब ने 2023-24 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब जीता था। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली से चर्चा के बाद साहा और सुदीप चटर्जी ने बंगाल लौटने का निर्णय लिया है। साहा की बंगाल वापसी के संकेत इसी साल जून महीने में ही मिल गए थे जब उन्हें बंगाल टी20 लीग में मार्की प्लेयर के तौर पर शामिल किया गया था। साहा ने क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) के एक अधिकारी के साथ हुए विवाद के बाद बंगाल टीम को छोड़ दिया था। साहा पर अधिकारी ने जानबूझकर रणजी ट्रॉफी के मैच ना खेलने का आरोप लगाया था। साहा ने भारत के लिए अंतिम बार दिसंबर 2021 में टेस्ट मैच खेला था। वह अब तक भारत के लिए 40 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर पंजाब के मुख्य कोच बन सकते हैं। वह इस पद पर मुंबई के पूर्व तेज गेंदबाज आविष्कार साल्वी की जगह लेंगे हैं। साल्वी अब भारतीय महिला टीम के गेंदबाजी कोच बन गए हैं। जाफर रणजी ट्रॉफी के इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इससे पहले वह विदर्भ, ओडिशा और उत्तराखंड को कोचिंग दे चुके हैं। वह बंगलादेश के बल्लेबाजी सलाहकार की भूमिका भी निभा चुके हैं। उनका यह कार्यकाल इसी साल जून में समाप्त हुआ है। जाफर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स के कोचिंग स्टाफ का भी हिस्सा रह चुके हैं। तमिलनाडु के ऑलराउंडर बाबा अपराजित एक दशक से अधिक समय तक प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने के बाद अब केरला के लिए खेलेंगे। उन्हें केरल में लाने के प्रयास जून से ही जारी थे, जब एक पेशेवर खिलाड़ी की तलाश में केरल एसोसिएशन ने उनसे संपर्क साधा था।

सेंको गोल्ड और डायमंड के सूत्र कलेक्शन के साथ करें इस तीज पर सोलह श्रृंगार

नयी दिल्ली : तीज का त्यौहार भारत में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। महिलाएं इस त्यौहार का वर्ष भर इंतजार करती हैं और सबसे खूबसूरत लगना चाहती हैं। विशेष परिधान और ज्वेलरी पहन वे इस दिन सोलह श्रृंगार कर खूब सजती-सँवरती हैं। ऐसे में, भारत के सबसे बड़े ज्वेलरी रिटेल ब्रांड्स में से एक, सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स, इस त्यौहार के उल्लास में शामिल हो रहा है, जो नारीत्व की सुंदरता और अनुग्रह को समर्पित है। इस वर्ष, सेंको तीज के त्यौहार के इस शुभ अवसर को उत्कृष्ट ज्वेलरी के रोमांचक कलेक्शन की पेशकश करके मना रहा है, जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक महिला के चेहरे की लालिमा इस जीवंत त्यौहार की तरह ही चमकती रहे। सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स की पेशकश में जीवंतता और सौंदर्य से परिपूर्ण बहुप्रतीक्षित तीज कलेक्शन शामिल है। सूत्र नाम के इस कलेक्शन में बेहद खूबसूरती से डिजाइन किए गए और क्लासिक मंगल सूत्र से लेकर लाल व हरी फ्लोरल चूड़ियों तक बहुत कुछ शामिल हैं। हाथ से बनाई गई ये तमाम गोल्ड ज्वेलरीज तीज के त्यौहार के लिए सबसे उपयुक्त हैं। प्रत्येक ज्वेलरी को 18 कैरेट से 22 कैरेट तक के सोने में तैयार किया गया है। तमाम ज्वेलरीज तीज के जीवंत रंगों से प्रेरित हैं, जो उस सुंदरता और कालातीत आकर्षण को प्रदर्शित करती हैं, जिसके लिए सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स को जाना जाता है। जोइता सेन, डायरेक्टर, सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स, कहती हैं, सोने और हीरे को शाश्वत सुंदरता का प्रतीक माना जाता है, खासकर तीज के दौरान, जो नारीत्व की सुंदरता और अनुग्रह का जश्न मनाने पर आधारित त्यौहार है। सेंको में, हम अपने ग्राहकों के खरीदारी के अनुभव को बढ़ाने, उन्हें बेहतर बनाने और किफायती कीमतों पर सबसे उत्कृष्ट ज्वेलरी पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। तीज के त्यौहार के लिए हमारे विशेष ऑफर के साथ, ग्राहकों को शानदार डील्स पर उत्तम गोल्ड ज्वेलरी खरीदने का मौका मिलेगा, जिससे ग्राहकों को उनकी खरीदारी का अधिकतम लाभ उठाने में मदद मिलेगी। सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स के डायमंड ज्वेलरी के सूत्र कलेक्शन को कुशल कारीगरों की टीम द्वारा डिजाइन किया गया है। इसमें जटिल रूप से तैयार की गई ज्वेलरी की खूबसूरत श्रृंखला शामिल है, जो ज्यामितीय डिजाइन, कंटेम्परेरी स्टाइल और त्यौहार की जीवंत परंपराओं को प्रदर्शित करती है। कलेक्शन की प्रत्येक ज्वेलरी उत्तम रत्नों की हस्तनिर्मित कारीगरी से सुसज्जित है, जो अविश्वसनीय गुणवत्ता और डिजाइन के साथ आधुनिक सुंदरता और पारंपरिक अनुग्रह का सबसे खूबसूरत मिश्रण पेश करती है।

बांग्लादेश से 17 भारतीयों की बीएसएफ ने करायी सुरक्षित वापसी

अगरतला : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बांग्लादेश में हिंसा के बीच फंसे 17 भारतीय कामगारों को सफलतापूर्वक वापसी करायी है। ये कामगार अखौरा से किशोरगंज तक निमार्णाधीन चार लेन सड़क का निर्माण कर रहे थे। इन्हें एएफसीओएनएस इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी ने काम करने के लिए बांग्लादेश ले गयी थी। ये बांग्लादेश के रामरेल स्थित शिविर में फंसे हुए थे। इस बारे में त्रिपुरा फ्रंटियर बीएसएफ के महानिरीक्षक पटेल पीयूष पुरुषोत्तम दास को फोन से गुहार लगायी गयी। वे सभी अखौरा एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) की ओर जा रहे थे। उन्होंने आईसीपी से सुरक्षित मार्ग के लिए बुधवार की शाम बीएसएफ से मदद मांगी।

पुलिस ने पांच नक्सलियों को विस्फोटकों के साथ किया गिरफ्तार

एजेंसी

सुकमा : सुकमा जिला क्षेत्रान्तर्गत दो अलग-अलग थानों से 05 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। केरलापाल थाना से 04 नक्सली एवं थाना जगरगुण्डा से 01 नक्सली को विस्फोटक सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया है । गिरफ्तार नक्सलियों द्वारा सुरक्षा बलों को रेकी कर सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से आईईडी प्लांट करने के मंसूबे से आये हुए थे। नक्सलियों को गिरफ्तार करने में थाना केरलापाल से जिलाबल एवं डीआरजी का बल तथा जगरगुण्डा से जिला बल, डीआरजी एवं 165 वाहिनी सीआरपीएफ के द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। केरलापाल से निरीक्षक गोविंद सिंह यादव के नेतृत्व में सउनि. ओमप्रकाश यादव के हमराह जिला बल एवं डीआरजी की संयुक्त पुलिस पार्टी नक्सली विरोधी अभियान हेतु ग्राम सामसेट्टी, परिया, बगडेगुड़ा, गड़गड़ी के आस-पास जंगल पहाड़ी क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे ।अभियान के दौरान ग्राम सामसेट्टी से परिया जाने वाले कच्ची सड़क टेकरी के पास के कुछ सादे वेशभूषा में संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा पुलिस पार्टी को अपनी ओर आते हुए देखकर छुपने लगे ।घेराबंदी कर 04 संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। गिरफ्तार किये गए आरोपितों पोड़ियाम मुका पिता पोड़ियाम बुधरा (डीएकेएमएस अध्यक्ष) ,पदाम मुड़ा पिता पदाम सुपा

(डीएकेएमएस सदस्य) माड़वी लक्ष्मण पिता स्व.माड़वी देवा (डीएकेएमएस सदस्य) तथा पदाम देवा पिता हिड़िया (मिलिशिया सदस्य) सभी निवासी पटेलपारा एवं माडोपारा ग्राम सिरसेट्टी थाना केरलापाल जिला सुकमा एवं नक्सल संगठन में उपरोक्त पदों पर कार्य करना स्वीकार किया है। जिनके कब्जे से इलेक्ट्रिक वायर लाल काले रंग का लगभग 20 मीटर, 5 नग बैटरी ए साईज, पदाम देवा से एक झिल्ली में 3 नग डेटोनटर, माड़वी लक्ष्मण से एक झिल्लाी मे 3 नग डेटोनटर, पदाम मुड़ा से 1 नग टिफिन बम लगभग 3 किग्रा. वजनी बरामद किया गया। उक्त सामाग्रियों के संबंध में पूछताछ करने पर सुरक्षाबलों के आने जाने वाले रास्ते में आईईडी लगाकर सुरक्षाबलों को नुकसान पहुचाने नीयत रखना बताये, मौका पाकर आईईडी को प्लांट करने की मंशा से आना बताये। उक्त कृत्य विधि के विरूद्ध पाये जाने से पकड़े गये आरोपितों के विरूद्ध थाना केरलापाल में अपराध क्रमांक 21/2024 धारा 4,5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्रवाई कर गिरफ्तारी के बाद आज गुरूवार को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया है ।

जगरगुण्डा क्षेत्र से एक गिरफ्तार- जगरगुण्डा थाना सुरक्षा बलों की संयुक्त पार्टी नक्सली गस्त सर्चिंग हेतु ग्राम राजपेंटा, कामाराम अचकट की ओर रवाना हुए थे कि अभियान के दौरान ग्राम अचकट के पास कुछ सादे वेश-भूषा धारण किये हुए संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा पुलिस पार्टी को अपने ओर आते हुए देखकर छिपने लगे। घेराबंदी कर पुलिस पार्टी द्वारा 01 संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया तथा अन्य 15-20 संदिग्ध घने जंगल व झाड़ी का फायदा उठाकर भाग गए। पकड़े गये संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ करने पर अपना नाम मड़कम मोटू पिता हुंगा उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम तिमापुरम राउत पारा थाना चिंतलनार जिला सुकमा का होना बताया।

बंधन बैंक ने लिएंडर पेस को अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने के लिए किया सम्मानित

एजेंसी

कोलकाता : बंधन बैंक को भारतीय खेल जगत की मशहूर हस्ती, लिएंडर पेस को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने की उनकी शानदार उपलब्धि पर सम्मानित किया। वह खिलाड़ियों की श्रेणी में हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले पहले एशियाई हैं। यह प्रतिष्ठित सम्मान, खेल में पेस के असाधारण योगदान और टेनिस की दुनिया के महानतम खिलाड़ियों में से एक के रूप में उनकी प्रेरक विरासत को मान्यता प्रदान करता है। बंधन बैंक दुनिया भर में 250 मिलियन बच्चों को समर्थन और प्रेरणा देने के लिए

लिएंडर पेस के सपने को पूरा करने के अवसर भी तलाश करेगा ताकि यह दुनिया और बेहतर बन सके। भारतीय खेलों में उत्कृष्टता के पर्याय बन चुके लिएंडर पेस का तीन दशक से अधिक तक सक्रिय रहे हैं। अपने असाधारण कौशल, दृढ़ता और खेल कौशल के लिए जाने जाने वाले पेस ने कई मौकों पर भारत को गौरवान्वित किया है। इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में उनका शामिल होना उनके समर्पण और वैश्विक स्तर पर खेल पर उनके उल्लेखनीय प्रभाव का प्रमाण है।

बंधन बैंक के एमडी और सीईओ (अंतरिम), रतन कुमार केश ने इस सम्मान समारोह में पेस की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा, लिएंडर का इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। वह एक लेजेंड हैं और हम सभी के लिए प्रेरणा हैं। टेनिस में उनका सफर उत्कृष्टता की निरंतर तलाश और दृढ़ता की कहानी है। बंधन बैंक में हम उन्हें इस महत्वपूर्ण अवसर पर सम्मानित करते हुए सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

आईएसएलआरटीसी और आर्मी वेलफेयर एसोसिएशन सोसाइटी ने किए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली : भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (आईएसएलआरटीसी) ने गुरुवार को नई दिल्ली में आर्मी वेलफेयर एसोसिएशन सोसाइटी (एडब्ल्यूईएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर समारोह सचिव (दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग–डीईपीडब्ल्यूडी) राजेश अग्रवाल की अध्यक्षता में हुआ। इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य स्कूल प्रशासकों, छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षित करना है, जिसमें आर्मी पब्लिक स्कूलों के शिक्षकों के बीच सांकेतिक भाषा संबंधी कौशल को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। समझौता ज्ञापन भारतीय सांकेतिक भाषा के क्षेत्र में सहयोग और विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसका उद्देश्य आईएसएल से जुड़ी पहलों की पहुंच और प्रभावकारिता को व्यापक बनाना और श्रवण बाधित समुदाय के सशक्तिकरण और समावेशन में योगदान देना है। इस मौके पर राजेश अग्रवाल ने कहा कि इस सहयोग से शैक्षिक इकोसिस्टम को महत्वपूर्ण लाभ मिलने, शिक्षकों को सशक्त बनाने और छात्रों के लिए समावेशी माहौल को बढ़ावा देने की उम्मीद की जा रही है। भारतीय सांकेतिक भाषा में आर्मी पब्लिक स्कूल के संकाय की क्षमताओं को बढ़ाकर, साझेदारी का उद्देश्य श्रवण बाधित या सुनने में कठिनाई वाले छात्रों के लिए एक ऐसा क्षण वातावरण बनाना है, जो उनके लिए अधिक सुलभ और सहायक हो।

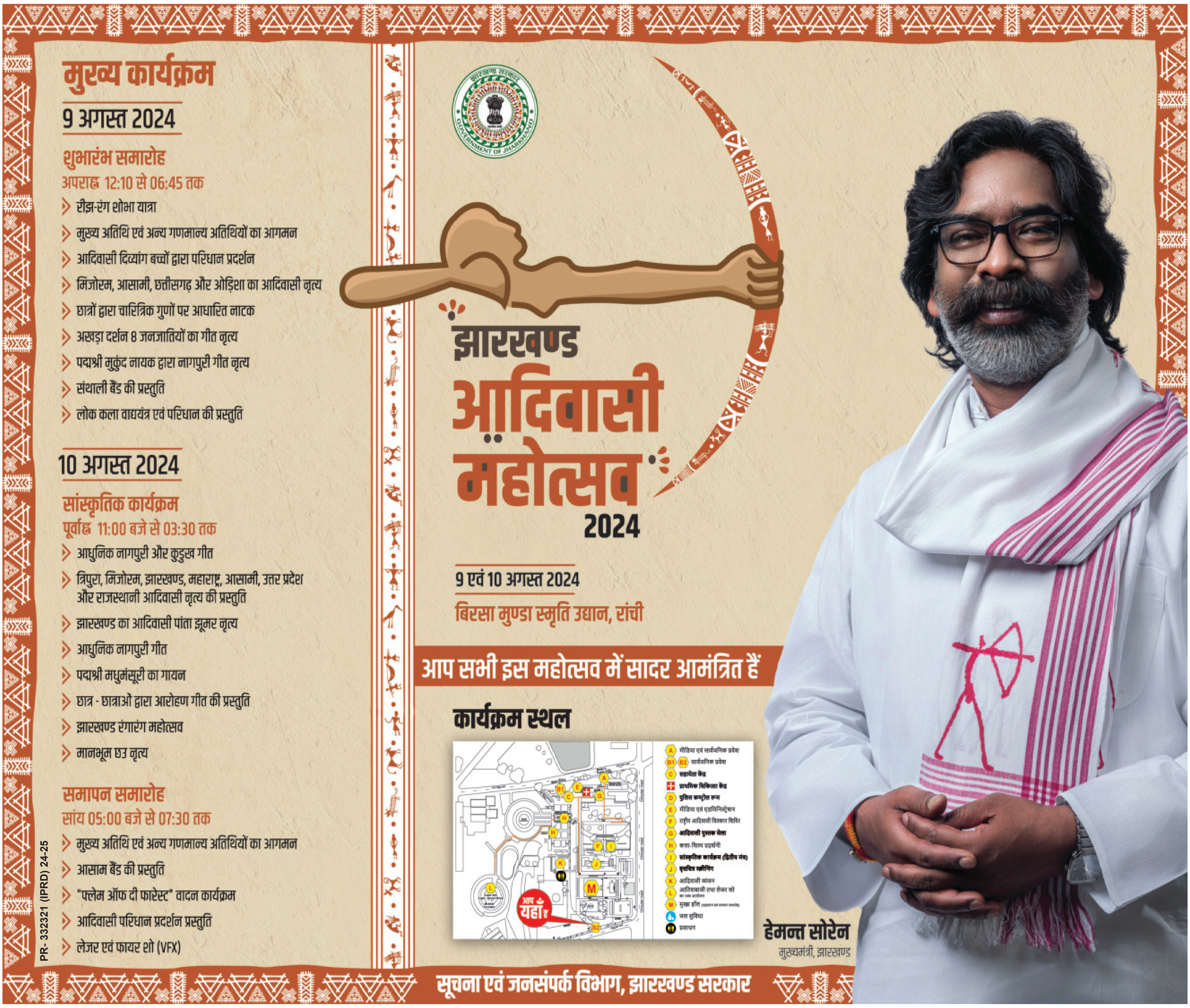

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**